www.epaper.azadsipahi.in
* ओड़िशा संस्करण
29 अगस्त, 2025
भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, षष्ठी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00
कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही
रांची
शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 309

पापा चले गांव, गोइठा पर लिट्टी बनवायी, पत्तलों की मड़ई में डाल ली चौकी

झारखंड ने गुरुजी के लिए मांगा 'भारत रत्न'

- विधानसभा ने सर्वसम्मति से पास किया प्रस्ताव
- दीपक बिरुआ ने रखा प्रस्ताव, बाबूलाल मरांडी ने किया समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मानसून सत्र के आखिरी दिन विधानसभा से दिशोम गुरु शिबू सोरेन को 'भारत रत्न' देने का प्रस्ताव गुरुवार को सर्वसम्मति से पारित हो गया। समाज कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने सदन में इस संकल्प से संबधित प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। उनके संघर्ष से नया राज्य और नयी पहचान मिली। चार अगस्त को उनका निधन हो गया। मैं प्रस्ताव करता हूं कि गुरुजी को 'भारत रत्न' देने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाये।

जयपाल सिंह मुंडा और विनोद बिहारी महतो का नाम भी जुड़े: प्रस्ताव पर बोलते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हम संकल्प के साथ हैं। उन्होंने मांग रखी कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता और झारखंड आंदोलन की नींव रखने वाले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा और विनोद बिहारी महतो का नाम जरूर जोड़ें।

निधन के बाद से ही जोर पकड़ने लगी थी मांग

बता दें कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद चार अगस्त को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया था। उनके निधन के बाद पार्थिव शरीर को झारखंड लाया गया और पैतृक गांव नेमरा में अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन के बाद से ही उन्हें 'भारत रत्न' देने की मांग जोर पकड़ने लगी थी।

केंद्र को भेजा जायेगा प्रस्ताव

संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सुझाव दिया कि प्रस्ताव में यह बात जोड़ी जाये कि भारत की आजादी में आदिवासी समाज का बहुमूल्य योगदान है। लेकिन आदिवासी समाज के किसी आंदोलनकारी, राजनीतिज्ञ या बुद्धिजीवी को आज तक 'भारत रत्न' नहीं मिला। ऐसे में शिबू सोरेन को 'भारत रत्न' दिया जाये, यह जरूर जोड़ा जाये। प्रस्ताव को स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने सदन के समक्ष रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। अब इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जायेगा।

सदन में गरजे मुख्यमंत्री, केंद्र और विपक्ष पर साधा निशाना

हमारी सरकार को बदनाम करने के लिए की जा रही है फंडिंग: हेमंत सोरेन

- विपक्ष का अपना उद्देश्य और राजनीतिक विचारधारा
- विपक्ष से सकारात्मक सहयोग का आह्वान भी किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हमारी सरकार को बदनाम और हमारे कार्यों में व्यवधान डालने के लिए फंडिंग की जा रही है। जनता को सरकार के विरुद्ध खड़ा करने के लिए फंडिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह गिरोह पूरे देश में काम कर रहा है। रिम्स-2 के नाम पर फिर राजनीतिक रोटी सेकी जा रही है। इससे पहले फ्लाई ओवर के विरोध में राजनीतिक दुकानें खोली गयी। उन्होंने कहा कि विपक्ष का अपना उद्देश्य और राजनीतिक विचारधारा है। ये अपने राजनीतिक उद्देश्य के लिए केवल सरकार को घेरने में ही लगे हैं। कई जगह सरकार के काम में अवरोध पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये इसके लिए कानून का भी सहारा लेते हैं। हालांकि कानून और संवैधानिक संस्थाएं इनकी जेब में है। हम पूरी ताकत से सत्ता में हैं, तो उस ताकत के अनुसार काम भी करेंगे। हालांकि मुख्यमंत्री ने विपक्ष से सकारात्मक सहयोग का आह्वान भी किया। मुख्यमंत्री गुरुवार को झारखंड विधानसभा के पूरक मानसून सत्र के समापन पर सदन में बोल रहे थे।

व्यावसायिक साथी को बनाना चाहते हैं विश्व गुरुः मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की झारखंड छोड़ देश के अधिकतर राज्य में सरकार में है, लेकिन वहां की स्थिति क्या है। आदिवासियों, दलितों, अल्पसंख्यकों की क्या हालत है। ये देश को विश्व गुरु बनाना चाहते या खुद या अपने व्यावसायिक साथियों को। भाजपा का नाम लिये बगैर उन्होंने कहा कि ये खुद और व्यापारिक सहयोगियों को विश्व गुरु बनाने की तैयारी में जुटी है।

जो बोलते, वो करते नहीं: हेमंत सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन को सदन ने 'भारत रत्न' देने का प्रस्ताव पारित कर दिया। इनकी केंद्र में बैठी सरकार क्या करती है, यह देखना जरूरी होगा, क्योंकि ये जो बोलते हैं, वह करते नहीं। जो नहीं बोलते, वह जरूर करते हैं।

जेल से ज्यादा एक वोट की कीमत: हेमंत ने कहा कि एक लाख वोट से एक वोट की कीमत कम नहीं होती। एक वोट से कोई सत्ता में आता है और एक वोट से सत्ता से बाहर हो जाता है। इसलिए 30 दिन के जेल से ज्यादा एक वोट की कीमत है। बिहार में इन्होंने लाखों वोटरों को लिस्ट से गायब कर दिया। दिलचस्प है कि इन्होंने ऐसा कानून बनाया है, जिसमें निर्वाचन आयुक्त पर कार्रवाई नहीं हो सकती, जबकि जज भी गलती करता है, तो उसके विरुद्ध महाभियोग लाया जा सकता है।

हर गलत चीज गुजरात से शुरू होती है : मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में वोट छीना जा रहा है। सब कुछ गुजरात से होकर ही आता है। गुजरात में ही फर्जी दल बनता है। उसे 4300 करोड़ रुपये का चंदा मिलता है। ऐसे फर्जी दल 25-26 करोड़ रुपये ही खर्च करते हैं।

इवेंट मैनेजमेंट से आम लोगों को भ्रमित किया जा रहा

हेमंत सोरेन ने कहा कि इवेंट मैनेजमेंट, टीवी, मीडिया के माध्यम से ये इवेंट मैनेजमेंट कर रहे। इसके माध्यम से आम लोगों को भ्रमित किया जा रहा। ये आदिवासी हितों की बात करते। पिछली दफा बिरसा मुंडा की जयंती पर राष्ट्रपति झारखंड आने को राजी हुई थी। लेकिन अंतिम समय में नहीं आयी। क्या कारण रहा अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका। उसके बाद खूंटी में प्रधानमंत्री ने बड़े बजट से बड़ा कार्यक्रम किया। कई घोषणाएं की। लेकिन आज उन घोषणाओं और कार्यक्रमों की क्या स्थिति है, इसे समझा जा सकता है।

दूसरे राज्यों में क्यों नहीं लागू हुई मंईयां सम्मान जैसी योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय कई अन्य राज्यों में मंईयां सम्मान जैसी योजनाओं की घोषणा हुई, लेकिन वहां अब तक क्यों नहीं लागू हुई। झारखंड अपने सीमित संसाधनों से अपनी घोषणा को समय पर पूरा कर रहा है। मंईयां सम्मान योजना की राशि को समय पर दे रहा है।

नया कानून का छिपा एजेंडा जल्द स्पष्ट होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये अपने विरोधियों को जेल में डालने के लिए सीबीआइ, इडी, इनकम टैक्स का सहारा लेते हैं। अब एक नया कानून बनाने जा रहे हैं। इसमें 30 दिन जेल में रहने पर पीएम, सीएम, मंत्री का पद चला जायेगा। इसका औचित्य क्या है,अभी समझ नहीं आया है। इसके पीछे का छिपा एजेंडा भी स्पष्ट होगा।

विकास की बड़ी कीमत चुका रहा झारखंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सोने की चिड़िया कहा जाता है। है भी। यहां के खनिज से कई अरबपति, खरबपति बन गये। कई राज्य जगमगा रहे हैं। लेकिन गुजरात, महाराष्ट्र को देख कर विकास का पैमाना तय नहीं किया जा सकता। मुंबई में गगनचुंबी इमारते हैं, तो सबसे बड़ा स्लम भी। दिल्ली की भी वही स्थिति है। देश का पोषण करते करते झारखंड की आज यह स्थिति हो गयी है। यहां यूरेनियम से उस क्षेत्र का हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारी से पीड़ित है। प्रधानमंत्री कार्यालय कोयला, लोहा, बॉक्साइट के ऑक्शन को प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर रहा है। विलंब होने पर पदाधिकारियों को प्रताड़िता किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण से जबरदस्त छेड़छाड़ किया जा रहा है। ऑक्शन में खदान लेनेवालों को बेतरतीव ढंग से फॉरेस्ट की जमीन दी जा रही है। इससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। देश के विकास की बड़ी कीमत चुका रहा है झारखंड।

टाटा स्टील कर्मचारियों के बीच बंटेगा 303.13 करोड़ रुपये बोनस

अभिजीत अधर्जी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। टाटा स्टील कर्मचारियों के बीच इस वर्ष भी 303.13 करोड़ रुपये का वार्षिक बोनस बंटेगा। गुरुवार को प्रबंधन और टाटा वर्कर्स यूनियन के बीच समझौते पर टाटा स्टील के एमडी एवं सीइओ टीवी नरेंद्रन और यूनियन अध्यक्ष संजीव चौधरी सहित दोनों पक्षों के अधिकारियों ने हस्ताक्षर किये। मौके पर यूनियन अध्यक्ष संजीव चौधरी ने बताया कि इस वर्ष कंपनी का लाभ घटकर 9,255 करोड़ रुपये रह गया, जिसके अनुसार बोनस 273 करोड़ रुपये तय हो रहा था। लेकिन यूनियन की पहल पर प्रबंधन ने पिछले साल की ही तरह 303.13 करोड़ रुपये बोनस देने पर सहमति जतायी। यूनियन अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि मुनाफे में कमी के बावजूद बोनस राशि बरकरार रहना कर्मचारियों की एकजुटता की जीत है। श्री चौधरी ने कहा समझौते के तहत पुराने वेतनभोगी कर्मचारियों को अधिकतम 3,92,213 रुपये, एनएस ग्रेड कर्मचारियों को अधिकतम 1,10,547 रुपये और न्यूनतम 39,004 रुपये बोनस मिलेगा।

इरफान और सुदिव्य को धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

गिरिडीह। राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को बम से उड़ाने की धमकी दिये जाने संबंधी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गिरिडीह पुलिस सक्रिय हुई और देर शाम को युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त जानकारी एसपी डॉ विमल कुमार ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने कहा कि युवक को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि बुधवार को सोशल मीडिया पर गिरिडीह के बाभनटोली - राजेंद्र नगर के रहने वाले एक युवक अंकित कुमार मिश्रा का वीडियो सामने आया था।

मंत्री हफीजुल हसन की तबियत बिगड़ी, आइसीयू में भर्ती

रांची (आजाद सिपाही)। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन की गुरुवार को अचानक तबीयत खराब हो गयी। उन्हें सीने में दर्द और ब्लड प्रेशर लो होने की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत रांची के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उन्हें आइसीयू में रखा गया है और डॉक्टरों की टीम उनकी देखरेख कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत सरकार के कई मंत्री अस्पताल पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि फिलहाल हफीजुल हसन की तबीयत स्थिर है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। गौरतलब है कि मंत्री हफीजुल हसन का कुछ समय पहले गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में हार्ट का ऑपरेशन हुआ था। हाल ही में वे दिल्ली से रांची लौटे थे।

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी

- बिहार चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों के नेपाल के रास्ते बिहार में घुसने की सूचना मिली है। पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के सभी जिलों को अलर्ट किया है और तीनों आतंकियों के नाम, फोटो और पासपोर्ट से संबंधित जानकारी साझा किया है। पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि आतंकियों ने बिहार में घुसपैठ की है, जिसमें रावलपिंडी का रहने वाला हसनैन अली अवान, उमरकोट का आदिल हुसैन और बहावलपुर का मोहम्मद उस्मान शामिल है।

पुलिस मुख्यालय ने जिलों से कहा है कि जानकारी के अनुसार तीनों आतंकी अगस्त के दूसरे सप्ताह में काठमांडू पहुंचे थे। वहां से अगस्त के तीसरे सप्ताह में नेपाल सीमा से बिहार में घुसे। ये लोग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। बताते चलें कि बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस दौरान नेताओं की रैली और जनसभाएं होंगी, जिसमें आतंकी बड़ी घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। इसलिए यह सूचना पुलिस मुख्यालय के साथ-साथ राजनीतिक पार्टियों के लिए भी चिंता का विषय है।

राहुल गांधी की सुरक्षा बढ़ी, रूट बदले

सीतामढ़ी (आजाद सिपाही)। आतंकी अलर्ट के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' की सुरक्षा और कार्यक्रम में बड़ा बदलाव किया गया। सीतामढ़ी में कैंप से निकलने के बाद वे सीधे जानकी मंदिर पहुंचे। यहां उनके स्वागत के लिए कई जगह मंच बनाये गये थे, लेकिन राहुल बिना रुके सीधे मंदिर दर्शन के लिये गये। तय कार्यक्रम के अनुसार मंदिर दर्शन के बाद उनका रोड शो होना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से उसे रद्द कर दिया गया। राहुल गांधी अब खुली गाड़ी की जगह पूरी तरह बंद गाड़ी से यात्रा कर रहे हैं।

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery | KG - I
Nursery | KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

Euro Kids Pre-School
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
Euro Jonior (LKG) | Euro Senior (UKG)
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3
Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरुआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BEST PRIVATE UNIVERSITY IN JHARKHAND | 10000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY | 150+ QUALIFIED, EXP. & MOTIVATED FACULTY | 150+ ACRE CAMPUS
300+ RESIDES IN BOYS & GIRLS HOSTEL | 1500+ REGISTERED ALUMNI | LABS WITH MODERN TOOLS & EQUIPMENTS | RAGGING FREE CAMPUS
Where dreams BECOME REALITY
CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
Faculty of Engg. & Tech
B.Tech
- Civil Engineering
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (Cyber Security)
Polytechnic / Diploma
- Civil Engineering
- Mechanical Eng.
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- Electrical Engineering
Faculty of Law
- LL.B. - B.A. LL.B. - B.B.A. LL.B
Faculty of Management
- Bachelor of Business Administration (BBA)
- Master of Business Administration (MBA)
Faculty of Information Tech.
- Bachelor of Computer Application (BCA)
- Master of Computer Application (MCA)
- Post Graduation in Computer Application (PGDCA)
Faculty of Education
- Bachelor of Elementary Education (B.Ed)
- Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.)
- M.A (Education)
Faculty of Arts & Social Science
- B.A (Hindi) - B.A (English) - B.A (Sanskrit)
- B.A (Economics) - B.A (Psychology)
- B.A (Sociology) - M.A (Hindi) - M.A (English)
- M.A (Sanskrit) - M.A (Economics)
- M.A (Psychology) - M.A (Sociology)
Faculty of Pharmacy
- Diploma in Pharmacy (D.Pharm)
- Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)
Faculty of Dental Science
- Bachelor of Dental Surgery (BDS)
- Master of Dental Surgery (MDS)
Faculty of Homeopathy
- Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS
- M.D Homeopathy - B.Sc Medical Pathology
- B.Sc Medical Biochemistry - B.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Biochemistry
Faculty of Nursing & Allied Health Science
- Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing)
- General Nursing and Midwifery (GNM)
- Auxiliary Nurse Midwives (ANM)
Paramedical
- OT - DMLT - ECG - X-RAY
- Medical in Sanitary Inspector
- Medical in Ophthalmic Assistant
- Medical in Certificate in Dresser
Library Science
- B.Lib.I.Sc. - M.Lib.I.Sc
Faculty of Science
- B.Sc. (Mathematics) - B.Sc. (Chemistry) - B.Sc. (Physics)
- B.Sc. (Botany) - B.Sc. (MLT) - B.Sc. (Zoology)
- B.Sc. (Pathology) - B.Sc. (Biochemistry) - B.Sc. (Microbiology)
- M.Sc. (Mathematics) - M.Sc. (Chemistry) - M.Sc. (Physics)
- M.Sc. (Botany) - M.Sc. (Zoology) - M.Sc. (Physiology)
- M.Sc. (Biochemistry) - M.Sc. (MLT) - M.Sc (Microbiology)
Faculty of Commerce
- B.Com - M.Com
TRANSPORT FACILITIES | HOSTEL FACILITIES | LUSH GREEN CAMPUS | WI-FI CAMPUS | WORLD CLASS INFRASTRUCTURE | 100% PLACEMENT ASSISTANCE
Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493
Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand https://bdsu.ac.in/

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

पापा चले गांव, गोइठा पर लिट्टी बनवायी, पत्तलों की मड़ई में डाल ली चौकी

■ महादेव मंदिर का निर्माण करा बड़े खुश थे पापा, कहते यहीं रहूंगा

■ चौथा कीमो कंप्लीट हुआ, तो पापा उत्साहित होकर बोले-बला टली

राकेश सिंह
संपादक

जब पापा का चौथा कीमो कंप्लीट हुआ, पापा बहुत उत्साहित थे कि चलो बला टली। उसी दौरान उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेला का आयोजन जोरों पर था। लाखों लोग कुंभ में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे थे। पापा की भी इच्छा हुई कि वह भी इसका हिस्सा बनें और कुंभ मेला में आस्था की डुबकी लगा कर आयें। लेकिन पापा का इम्यून सिस्टम बहुत वीक हो चुका था। इनफेक्शन का खतरा था। भीड़ में आने-जाने की मनाही थी। तो तय हुआ कि पापा घर पर ही रहें। उसके बाद मैं निकल पड़ा कुंभ में डुबकी लगाने। वहां से मैंने त्रिवेणी संगम का जल ले लिया। घर पर लाया और पापा ने उससे स्नान किया। लेकिन पापा ने मुझसे कहा कि मुझे एक बार गांव घुमा दो। महाशिवरात्रि में मैं गांव जाना चाहता हूं। हर साल की तरह मंदिर में पूजा भी करनी है और भंडारा का भी आयोजन करवाना है। मैंने कहा ठीक है। चूंकि कीमो का सेशन तो कंप्लीट हो चुका था, लेकिन डॉक्टर ने कहा था कि पेम मेंटेनेंस सेशन चलेगा। इसमें इम्यूनोथेरपी चलती है। तय हुआ कि इम्यूनोथेरपी और पेटसिटी स्कैन कराने के बाद हम लोग गांव चलेंगे। हमलोग फिर मेदांता अस्पताल गये और पेट सिटी की तारीख पहले से ही बुक थी। पेट सिटी हुआ और उसके बाद, पापा का पांचवां सेशन इम्यूनोथेरपी के रूप में हुआ। इम्यूनोथेरपी कराने से पहले एक यूनिट फिर ब्लड चढ़ाया गया। इस बार डोनर की जरूरत नहीं पड़ी। डॉक्टर ने ऑर्डर दे दिया था। पापा की हीमोग्लोबिन घटने वाली प्रॉब्लम अभी भी सॉल्व नहीं हुई थी। मैंने पूछा कि डॉक्टर इम्यूनोथेरपी से तो ब्लड लॉस नहीं होगा न। डॉक्टर ने कहा कि इसमें ब्लड लॉस उतना नहीं होता। खैर पेट सिटी स्कैन की रिपोर्ट आयी, तो पता चला कि पापा का कैंसर अब दब चुका है, यानी साइज में गिरावट आ गयी थी। पापा की कंडीशन पहले से बेहतर थी। लेकिन रिपोर्ट में जो कुछ लिखा था, उसे मैं समझ रहा था। एक लाइन जो लिखी थी, उस पर मेरी नजर गयी कि कैंसर सेल भले घट गये थे, लेकिन उसकी प्रवृति में कोई सुधार नहीं था। लेकिन यह बात मैंने पापा को नहीं बतायी। अब क्या बोलता। बहुत दिनों के बाद पापा बहुत खुश थे कि अब कैंसर लगभग खत्म हो चुका है। पापा की खुशी देख मैं भी खुश था। मैं डॉक्टर से अकेले में मिला, तो पूछा पेम मेंटेनेंस कब तक तक चलेगा। डॉक्टर ने कहा कि अभी चलेगा। मैंने पूछा अब कीमो तो नहीं देना पड़ेगा न। उन्होंने कहा जरूरत पड़ी तो लाइट कीमो देंगे। खैर हम लोग रांची के लिए रवाना हो गये।

पापा खेलगांव में मॉर्निंग वाक करने लगे

रांची आने के बाद तय हुआ कि पापा को गांव लेकर चलना है। गांव जाने में अभी कुछ दिन शेष थे। पापा ने कहा था कि मेरा वॉक करने का कुछ प्रबंध करो। मैं खेलगांव में वॉक करना चाहता हूं। वहां नेचर भी है, भीड़-भाड़ नहीं रहती। वहां ठीक से वॉक कर पाउंगा। मैंने तुरंत वरिष्ठ पत्रकार सुशील सिंह मंटू भैया को फोन किया कि भैया पापा खेलगांव में वॉक करना चाहते हैं। आप वहां बोल देते। मंटू भैया ने देर न करते हुए तुरंत लाइनअप किया और पापा ने अपना वॉक का सिलसिला फिर से शुरू किया। शुरूआत आधे घंटे वॉक से की पापा ने। अब पापा रोज वॉक करने खेलगांव जाते, साथ में ड्राइवर और चाचा जी भी जाते। कभी-कभी मैं भी ज्वाइन कर लेता। कमजोरी तो थी पापा को। लेकिन पापा अब पहले से पॉजिटिव थे और कॉन्फिडेंट भी। इन दिनों मैं भी अब अपने शो पर काम करने लगा। अखबार पर फोकस करने लगा। पापा ऑफिस में भी बैठते। कई लोग पापा से मिलने पहुंचते। एक दिन 'प्रभात खबर' के संपादक विजय पाठक अंकल भी ऑफिस आये। उन्होंने पापा से मुलाकात की। उनकी बेटी की शादी थी, सो कार्ड देने पहुंचे थे। विजय अंकल से पापा ने अपने डाइट और ट्रीटमेंट की बातें शेयर की। हां, पापा ने यह नहीं बताया कि वह कैंसर से लड़ रहे हैं। काफी देर तक पापा और विजय अंकल की बैठकी हुई। जब विजय अंकल गये, तो बोले बेटा शादी में जरूर जाना है। मैंने कहा हां पापा। लेकिन बीच-बीच में जब भी पापा को फीवर आता, उन्हें तोड़ देता। पापा शादी अटेंड नहीं कर सके। मेरा छोटा भाई राहुल शादी में गया। हां, रिसेप्शन रांची में हुआ था, तो हम दोनों भाई पहुंचे थे। लेकिन पापा फीवर के कारण नहीं पहुंच सके थे। विजय अंकल ने पूछा भी कि पापा कहां हैं। उनसे मैं क्या कहता कि पापा अभी किस दौर से गुजर रहे हैं। विजय अंकल मायूस तो हुए होंगे, लेकिन हम भी मजबूर थे। खैर पापा ने अपने मॉर्निंग वॉक का सिलसिला बंद नहीं किया। उन्होंने अब तय कर लिया था कि वह फिर से पुराने वाले रूटीन में आयेंगे। ऊपर से गांव जाने का उत्साह अलग।

गांव की जमीन पर पैर रखते लंबी सांस ली

महाशिवरात्रि नजदीक थी। अब गांव जाने की बारी थी। तय हुआ गाड़ी से ही चलेंगे। ट्रेन में भी इनफेक्शन का खतरा हो सकता है। चूंकि ट्रेन के टॉयलेट से भी इनफेक्शन होने का खतरा था। वैसे भी ट्रेन वाराणसी तक की थी और उसके बाद गाड़ी से चार घंटे का रास्ता तय करना पड़ता।

हमने टाटा की सफारी गाड़ी की पिछली सीट को पूरा लेटा कर बेड नुमा शेप दे दिया। गद्दा और तकिया लगाया गया। पापा और मम्मी दोनों आराम से अब लेट या पैर फैला कर जा सकते थे। हमारा गांव उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिले में पड़ता है, नाम है पातेपुर। निकलने से पहले अब पापा अपने पुराने फॉर्म में। जल्दी करोगे। लेट क्यों कर रहे हो। जो तैयार नहीं है, उसे छोड़ दो। चलो। सभी तुरंत बैठे और गांव के लिए यात्रा शुरू हुई। हम सभी गांव के लिए सुबह करीब आठ बजे रवाना हुए। आठ घंटे की जर्नी भी थी। आराम से रुक-रुक कर गये। पापा आराम से सोते-सोते। खैर गांव पहुंचते-पहुंचते शाम हो गयी। छह या सात बज गये। गांव की जमीन पर पापा ने जैसे ही पैर रखा, मानों उनको सुकून मिल गया हो। उन्होंने लंबी सांस ली। गांव के आसपास लोग पहले से ही पापा का इंतजार कर रहे थे। दुआर पर गोइंठे का धुआं। लाल चाय और पापा की बैठकी। मानों थकान का कोई नामो-निशान नहीं था। भूख-प्यास सब साइड, ऊर्जा हाई। खैर पापा ने उस दिन देर से ही खाया। गांव के खाने में अलग स्वाद ही होता है।

आजाद सिपाही | विशेष

मैंने और पापा ने ताड़ी पी ली

एक लम्हा का जिक्र करने का मेरा मन यहां कर रहा है। बात कैंसर डिटेक्ट होने से साल भर पहले की है। मैं और पापा गांव गये हुए थे। पापा ने कहा बेटा गैस हो रहा है। वहीं गांव के शरीफ भैया बैठे हुए थे, उन्होंने सुन लिया। बोले ताड़ी पीने से पेट साफ हो जायेगा। मैंने भी कहा पापा चलिए ताड़ी पीते हैं। कोलकाता में जब पापा नौकरी किया करते थे, तब जहां हम रहते, वहां ताड़ी का पेड़ हुआ करता था। ताड़ी वाला पेड़ से जब भी ताड़ी उतारने आया करता, हम कटोरी लेकर पहुंच जाते। चार-पांच साल उम्र रही होगी मेरी। ताजा-ताजा फेन वाली ताड़ी हमारी कटोरी में डाल दी जाती। मैं पी जाता। बहुत याद नहीं, लेकिन मेमोरी में है। खैर शरीफ भैया ने सुबह-सुबह वाली ताड़ी का प्रबंध किया। मैं और पापा ने एक-एक ग्लास पी ली। मैंने कहा पापा स्प्राइट जैसा लग रहा है। हमने दो-दो ग्लास पी। पापा बोले और चढ़ तो नहीं जायेगी न। मैंने कहा पापा घर पर ही हैं हमलोग जो होगा देखेंगे। वैसे मैंने शरीफ भैया से पहले पूछ लिया गया था कि नशा तो नहीं होगा न। शरीफ भैया ने कहा कि ताजा है नशा नहीं होता। मेरे और पापा की बांडिंग अलग थी। खैर ताड़ी का कोई नशा नहीं हुआ और पेट भी हो गया ठंडा।

गांव में पापा घर-दुआर भूल कर मंदिर पर रहते और वहीं लिट्टी बनवाते, बैठकी लगती

पापा ने पातेपुर गांव में बुढ़वा महादेव मंदिर का निर्माण करवाया था। आज वह मंदिर पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है। शिवरात्रि में बस एक-दो दिन ही शेष रह गया था। इसी बीच मैंने तय किया कि पापा की ऑटो बायोग्राफी शूट की जाये। पापा का मूड भी अच्छा था। मुझे किसी कोने में महसूस हो रहा था कि यही समय है। मैंने देर नहीं किया। जब तक हम गांव में थे, मैंने पापा की पूरी जीवनी को कैमरे में कैद कर लिया। पापा बहुत देर तक बैठ नहीं पाते थे। लेकिन जब भी समय मिलता, हम शूट कर लेते। वैसे पापा की जीवनी कोई महाकाव्य से कम नहीं है। उनकी तो हर दिन एक कहानी ही है। लेकिन जितना मैं कर पाया, उतना कैप्चर कर लिया। चूंकि पापा बहुत दिनों से अपनी जीवनी लिखना चाहते थे। काम में व्यस्तता के कारण, यह मुमकिन नहीं हो पाया। ऊपर से बीमार हो गये। लेकिन मेरे मन के किसी कोने में आया कि पापा की बायोग्राफी शूट करनी जरूरी है। खैर गांव में पापा ने खूब एंजॉय किया। पापा ने वहां बुढ़वा महादेव मंदिर का निर्माण भी करवाया है। पापा वहीं मंदिर पर लिट्टी बनवाते और खाते। क्या घर, क्या दुआर। सब मंदिर पर।

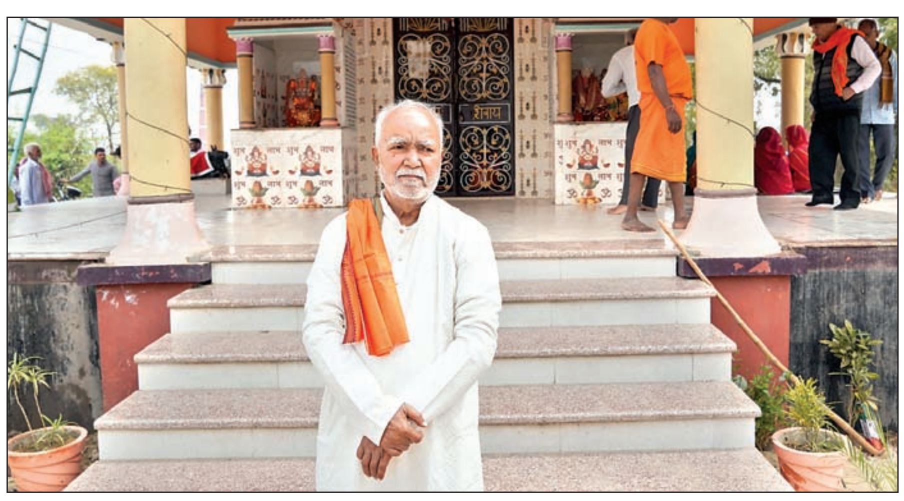

पापा ने वहां दो कमरा भी बनवाया था और दो बाथरूम भी। उनका कहना था कि अब तुम लोग अखबार संभालो, मैं ज्यादातर यहीं रहूंगा। मंदिर पर उनके कई पुराने-नये साथी जुटते। गांव की एक परंपरा है कि

जब बैठकी लगती, तो नये-पुराने सब एक ही तराजू में हो लेते। पापा उनसे पूछते कोई समस्या नहीं है न। कोई कहता कि बेटी की शादी करानी है, उसकी चिंता रहती है। पापा बोलते पैसे-वैसे घटेंगे तो मांग लेना। फिर वह मेरी तरफ देखते बोलते बेटा देख लेना, इन्हें दिक्कत नहीं होनी चाहिए। मैं और छोटा भाई फिर देख लेते। पापा ने गांव में कई शादियां करवायी हैं। कइयों की मदद की। नौकरी से लेकर इलाज तक में पापा उनकी मदद करते। इसलिए पापा जब भी गांव जाते, उनसे लोग मदद मांगने पहुंच जाते। पापा अपनी क्षमता से बढ़कर उनकी मदद भी करते। मैं और भाई एक-दूसरे को देखते और मुस्कुराते।

महाशिवरात्रि के दिन पापा सुबह-सुबह नहा कर हो गये तैयार

महाशिवरात्रि का दिन, मंदिर पर महिलाओं की भीड़। गांव की लगभग सभी महिलाओं का जुटान। पुरुष भी काफी संख्या में आते। पापा ने हमें निर्देश दे रखा था कि जो भी पूजा के लिए आयेगा, उन्हें फल देना है। सुबह-सुबह फल बांटे जा रहे थे। थोड़ी भीड़ कम हुई तो करीब 10 बजे पापा और मम्मी पूजा के लिए मंदिर पहुंचे। करीब दो घंटे पापा और मम्मी ने पूजा की। पापा की एनर्जी हाइ थी। पूजा के बाद पापा मंदिर के बाहर बैठ गये और गांव के लोगों के साथ बातें करने लगे। मैं उन्हें मास्क देने के लिए गया, पापा बोले बेटा यहां भी मास्क। हटाओ न। मैं मुस्कुराता चला गया। मम्मी बोली पापा अब कुछ खायेंगे न। मैंने कहा प्रसाद खा लिये हैं और तुमको लगता है कि पापा यहां से हिलेंगे भी। फिर भी मैंने पूछा पापा खाना ले आऊं। पापा ने कहा नहीं मुन्ना के यहां मेरे लिए खाना बन रहा है। मैं वही खाऊंगा। मुन्ना प्रजापति पत्रकार सियाराम भैया के भाई हैं। उनके घर में पापा के लिए चावल-दाल, साग और हरी सब्जी की भुजिया बन रही थी। दही तो गांव में ऐसा जमता मानो मलाई। बिलकुल लाल छाली वाली। पापा ने बड़े चाव से खाया। मैंने भी वही खाया। पापा देर तक मंदिर के पास बैठे। पास में ही अपना बगीचा है। वहां मैंने पत्तों की मड़ई बनवायी थी। उसमें दो चौकी रखी थी। पापा वहीं लेट जाते, कोई उनके पैरों को दबाता, तो इधर-उधर की बातें करता। मैंने पापा के साथियों को कह दिया था कि तू लोग पापा के छुहिय जा, तो हाथ-वाथ धो के। अइसही मत छू लिय जा। अभी पापा के इनफेक्शन से बचायेके बा। फिर शाम को भंडारा का आयोजन हुआ। पूरा गांव भंडारा में उमड़ पड़ा। पापा ने गांव में बहुत अच्छा समय बिताया। अब बारी थी रांची जाने की। पापा का मन नहीं था। लेकिन इम्यूनोथेरपी की तारीख आने वाली थी और पापा की हीमोग्लोबिन की समस्या तो थी ही। सो हमें अब गांव से निकलना था। मन तो मेरा भी नहीं था गांव से निकलने का। खैर हम लोग अब रांची के लिए निकले। निलकते वक्त पापा ने गांव वालों से कहा था कि जल्दी आइम। लेकिन गांव वालों, पापा और मुझे क्या पता था कि पापा का गांव का यह आखिरी ट्रिप होगा।

पापा की पीठ के एक प्वाइंट पर दर्द शुरू हुआ

जब हम रांची आये, तो कुछ दिन के बाद पापा की पीठ के एक प्वाइंट पर दर्द शुरू हुआ। पापा ने कहा कि बेटा पीठ के ऊपरी हिस्से में स्पाइन के बगल में टस-टस कर रहा है। मैंने कहा हो सकता है पापा मसल पुल हुआ हो। चूंकि कीमो के बाद पापा का वजन काफी कम हो गया था और पापा की पीठ को मैं जब छूता तो संगठित मसल जैसा फील नहीं होता। मैंने और पापा ने डॉक्टर से वीडियो कांफ्रेंसिंग पर बात की। उन्होंने कहा कि मसल पुल हो सकता है, तो उन्होंने वोवरेन क्रीम लिखा। वह लगाने से पापा को आराम भी हुआ। लेकिन हर दो-तीन दिन में दर्द होता। इस दर्द से पापा को इरिटेशन होता। इम्यूनोथेरपी की तारीख भी आ गयी। दिल्ली निकलने से पहले मैंने इस बार दो दिन पहले ही सीबीसी करा ली। मुझे लग रहा था कि शायद पापा की हीमोग्लोबिन कुछ कम है। चूंकि पापा को अब देख कर मैं समझ जाता कि पापा के शरीर में कितना खून है। रिपोर्ट आयी तो पता चला कि हीमोग्लोबिन 7.5 है। आयरन भी कम था। मैंने डॉक्टर को मैसेज कर बताया। उन्होंने कहा कि एक यूनिट पीआरबीसी ट्रांस्फ्यूजन करा लेना चाहिए और आयरन भी। हमने डॉक्टर देबुका अंकल के यहां ब्लड और आयरन चढ़वाया। फिर हम दिल्ली के लिए रवाना हो गये। हम डॉक्टर के सामने बैठे। पापा ने बताया कि पीठ में रह-रह कर दर्द होता है। डॉक्टर ने उस प्वाइंट को टच किया। उन्होंने कहा कि सर मुझे तो कुछ वैसा नहीं लग रहा है। मसल पेन है। उन्होंने एक पेन किलर लिख दिया और वोवरेन क्रीम। उससे पापा को राहत भी मिली। इस बार डॉक्टर ने पापा को इम्यूनोथेरपी के साथ लाइट कीमो का इंजेक्शन और बोन मजबूत करने के लिए भी इंजेक्शन लिखा। पेम मेंटेनेंस में इसका जिक्र था। इसके बाद हम लोग रांची आ गये।

पापा की कमजोरी बढ़ने लगी

मां को जब मैंने बताया कि पापा को कैंसर है : रांची आने के बाद पापा अपने काम में व्यस्त हो गये। लेकिन तीन-चार दिनों के बाद पापा की पीठ में दर्द और बढ़ गया। पेनकिलर अब पापा लगभग दो-तीन दिन बीच कर खाने लगे। इस बार बीच-बीच में पापा के फीवर आने की फ्रीक्वेंसी भी बढ़ गयी थी। पापा अब खड़े होते तो उनकी हफनी बढ़ जाती, फिर 30-40 सेकंड के बाद नॉर्मल होते तो चलते। पापा अब छत पर नहीं चढ़ पाते। पापा कहते इस बार ज्यादा ही वीकनेस है। मैं समझ गया था कि पापा को अब लाइट कीमो भी बर्दाश्त नहीं हो रहा। मैंने तय किया कि इस बार डॉक्टर को बोलूंगा, देना है तो सिर्फ इम्यूनोथेरपी दीजिये, अब कीमो बंद कीजिये। शरीर रहेगा तब न कोई इलाज होगा। शरीर में बचा क्या था पापा का। पतले से हो गये थे। वजन भी लगातार घट रहा था। वह तो भला हो कि हमने जो डाइट प्लान बनाया हुआ था, उससे पापा के वजन को हम मेंटेन कर पाते। पापा को नॉर्मल होने में करीब 10 दिन लग गये। इसी बीच एक यूनिट ब्लड भी चढ़ाया गया। पापा का हीमोग्लोबिन फिर से कम हो गया था। इस दौरान पापा ज्यादा बेड पर ही रहे। लेकिन 10 दिनों के बाद फिर से उन्होंने ऊर्जा भरी। अब मैंने फैसला लिया कि पापा को काम में फिर से व्यस्त करना होगा। सो अब सुबह-शाम की मीटिंग पापा के फ्लोर पर ही होती। मीटिंग के कारण पापा के दो घंटे निकल जाते। उस दौरान वह बीमारी के बारे में नहीं सोचते। बीच-बीच में मेरा तीन साल का बेटा रुद्रव उन्हें एंटरटेन करता। मैंने रांची में रहने वाले अपने रिश्तेदारों को कह दिया था कि सभी लोग आते रहें और पापा के पास बैठा करें। इस बीच मेरे मन में आया कि मम्मी को अब मेंटली रेडी करने की बारी आ चुकी है, क्योंकि मम्मी मुझसे कई बार सवाल पूछती कि पापा को कौन सा इनफेक्शन है। मैं हमेशा टाल देता। लेकिन एक दिन मैंने मम्मी को पास बिठा बोला कि मम्मी, पापा बिलकुल ठीक हैं। पापा को कैंसर हुआ था, लेकिन अब कैंसर ठीक हो गया है। मम्मी शॉक्ड हो गयीं। मां का चेहरा ब्लैंक हो गया। मैंने उन्हें तुरंत गले लगाया और उन्हें तुरंत नॉर्मल किया। मैंने कहा कि रिपोर्ट्स सब नॉर्मल है। तुम टेंशन मत लो और पापा के साथ मजबूती से खड़ी रहो। मां मेरी मेंटली बहुत मजबूत हैं। उन्हें समझ में आ गया था कि अभी मजबूती से खड़े रहना का वक्त है। वह मुझे देख खूब रोयीं। मुझे भी रोना आ गया। लेकिन मैंने कहा कि मां रो मत। सब ठीक हो जायेगा।

आखिरी होली, मुरझाया सा चेहरा

होली आयी। घर के मंदिर में चढ़ाने के लिए थोड़ा बहुत पुआ-पकवान बना। मेरी पत्नी जूही ने दही बड़ा बना दिया था। बस ज्यादा कुछ नहीं बना था। पापा को पुआ पसंद है। उस दिन उन्होंने एक टुकड़ा पुआ भी खाया। पापा शांत थे। पीठ का दर्द गया नहीं था। पेन किलर पर थे। शाम को परिवार वाले आये। पापा भी कुर्ता-पायजामा पहन कर हॉल में बैठ गये। सभी ने पापा के पैरों पर अबीर डाली। हम सबने मिलकर थोड़ी बहुत अबीर खेली। खाना-पीना हुआ। अब सभी पापा के साथ फोटो खिंचवाना चाह रहे थे। सब एक-एक कर पापा के साथ तस्वीर ले रहे थे। लेकिन पापा के मुख पर कोई भी एक्सप्रेशन नहीं था। उनके मन में बहुत कुछ चल रहा था। पापा उदास थे। होली आयी और चली भी गयी। फिर 21 दिनों वाला सिलसिला चालू रहा। एक दिन पहले हमने ब्लड टेस्ट करवाया। इस बार रिपोर्ट टाइम पर नहीं मिल पायी। जब हम गुरुग्राम पहुंचे, तब रिपोर्ट आयी। पापा की ब्लड रिपोर्ट देख मैं दंग रह गया था। पापा की हीमोग्लोबिन 6.1 थी। मैंने सोचा अभी कुछ दिन पहले ही ब्लड चढ़वाया था। सोचने वाली बात थी कि पापा इतने कम हीमोग्लोबिन में पैदल कैसे चल रहे हैं। क्या जीवटता है। मैं डर गया। सुबह होते ही हम मेदांता अस्पताल गये। डॉक्टर को रिपोर्ट दिखायी। उन्होंने कहा ब्लड चढ़ाना पड़ेगा। मैंने कहा आपने कीमो दे दिया था। पापा कीमो अब बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे। आप सिर्फ इम्यूनोथेरपी दीजिये। कीमो बंद कीजिये। फिर डॉक्टर ने कहा कि इतने कम हीमोग्लोबिन में इम्यूनोथेरपी नहीं करेंगे। इस बार सिर्फ ब्लड चढ़ा लेते हैं। लेकिन पापा ने डॉक्टर को फिर से टोका कि मेरी पीठ का दर्द अभी तक ठीक नहीं हुआ है। डॉक्टर ने पापा के मसल को दबा कर फिर से देखा। डॉक्टर ने कहा कि सर खाना खूब खाइये। मुझे कैंसर से रिलेटेड समस्या नहीं दिख रही। कमजोरी से दर्द हो रहा है। पापा को ब्लड चढ़ाया गया। ब्लड चढ़ाने से पहले फिर से पापा का ब्लड टेस्ट हुआ। यह रिपोर्ट देख मैं हिल गया। पापा का हीमोग्लोबिन 5.5 हो गया था। खैर ब्लड चढ़ाने के बाद पापा को डिस्चार्ज किया गया। पापा को अच्छा लग रहा था। हमने डॉक्टर को कहा कि अब 10 दिनों के बाद का समय दीजिये। अभी बॉडी रेडी नहीं है। डॉक्टर ने कहा कि ठीक है। हम उस दिन मॉल भी गये। पापा के लिए शॉपिंग भी की। तीन-चार सेट पापा के लिए कपड़े लिये। मॉल में खाना भी खाया। फिर अगले दिन रांची के लिए निकल गये।

आगे पढ़िये: *पापा ने मुझसे रोते हुए कहा था कि इतना पैसा लग रहा है, क्या छोड़ कर जाऊंगा तुम लोगों के लिए। कैंसर ऐसा फैला की रेडिएशन की नौबत आ गयी।*

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.0 °c	22.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.11 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.29 बजे

सीएम ने तीन दिवंगत कर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ का चेक सौंपा

राज्य सरकार सुख-दुख में अपने कर्मियों के साथ खड़ी है : हेमंत

दिवंगत कर्मियों के परिजनों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को झारखंड विधानसभा में राज्य सरकार के तीन दिवंगत कर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की राशि का चेक सौंपा। इन कर्मियों में कांस्टेबल अजीत कुमार, आरक्षी अनिल कुमार झा और शिक्षक सुशील कुमार मरांडी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मियों के साथ खड़ी है और उनके परिजनों को ससम्मान उनका पूरा हक-अधिकार देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की विशेष बीमा कवरेज योजना के अंतर्गत दिवंगत कर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गयी है। दिवंगत कर्मियों के परिजनों ने मुख्यमंत्री के प्रति तहे दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्य सराहनीय हैं और मुख्यमंत्री के प्रयास से उन्हें यह राशि प्राप्त हुई है, जिससे उनके परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की पढ़ाई में मदद मिलेगी।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के हेड और महाप्रबंधक विवेक चंद्र जायसवाल, उप महाप्रबंधक मनोज कुमार और मुख्य प्रबंधक विकास कुमार पांडे सहित अन्य उपस्थित थे।

घंटी आधारित कॉलेज शिक्षकों को अधिमान्यता और उम्र सीमा में छूट पर विचार करेगी सरकार: सुदिव्य सोनू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के विभिन्न कॉलेजों में घंटी आधारित नीड बेस्ड शिक्षकों के नियमितीकरण पर सदन में पूरक मानसून सत्र के अंतिम दिन कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के बीच काफी देर तक बहस हुई। प्रदीप यादव का कहना था कि वर्षों से पढ़ा रहे इन शिक्षकों को सरकार को नियमित करना चाहिए। नहीं तो जितने वर्ष उन्होंने अध्यापन किया है, उतने वर्षों की उम्र सीमा में छूट दी जानी चाहिए। साथ ही प्रत्येक वर्ष के लिए पांच अंकों की अधिमान्यता मिलनी चाहिए। वहीं उच्च शिक्षा मंत्री, प्रदीप यादव के इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव से पूरी तरह सहमत नहीं हुए। सुदिव्य कुमार सोनू का कहना था कि प्रतिस्पर्धा में अगर शर्तों को कम किया जाये तो गुणवत्ता प्रभावित होती है। फिर भी नियमित नियुक्ति में इस तरह के कॉलेज शिक्षकों को सरकार अधिमान्यता और उम्र सीमा में छूट देने पर विचार करेगी। इसके लिए अन्य राज्यों के नियमों का अध्ययन करेगी। प्रदीप यादव का कहना था कि अगर ये शिक्षक नियमित होने के योग्य नहीं हैं तो फिर वे छात्रों को पढ़ा कैसे रहे हैं। इसके अलावा उनकी यह भी मांग थी कि वेटेज इतना जरूर मिले ताकि नियमित नियुक्ति में उन्हें कुछ लाभ प्राप्त हो सके। अगर पांच अंकों की अधिमान्यता और उम्र सीमा में पांच वर्ष की छूट मिलती है तो यह नाकाफी है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।
- **वृष** चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।
- **मिथुन** आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रूचि बढ़ेगी।
- **कर्क** काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
- **सिंह** कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।
- **कन्या** आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।
- **तुला** कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।
- **वृश्चिक** समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
- **धनु** आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।
- **मकर** नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।
- **कुंभ** रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।
- **मीन** किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के पूरे हुए 11 वर्ष, बाबूलाल मरांडी ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री जन धन योजना के 11 सफल वर्षों पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल बैंक खाते खोलने तक सीमित नहीं रही, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक सम्मान और नारी सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनकर एक नयी क्रांति लेकर आयी है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौर में स्थिति ऐसी थी कि दिल्ली से भेजा गया 1 रुपया गरीब तक पहुंचते-पहुंचते मात्र 10 पैसे रह जाता था। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 56 करोड़ से अधिक बैंक खाते खुलवाकर डीबीटी के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभुकों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया। बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

वित्त आयोग की राशि सितंबर में मिलते ही पंचायतों को मुहैया करायी जायेगी : दीपिका पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा है कि 15वें वित्त आयोग के वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 की बकाया राशि सितंबर माह के पहले हफ्ते में केंद्रीय राज विभाग की ओर से मिलने की संभावना है। राशि मिलते ही वित्त आयोग का पैसा राज्य के पंचायतों को मुहैया करा दिया जायेगा। मंत्री ने ये बातें गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान ध्यानाकर्षण सूचना के तहत पूछे गये सवाल के जवाब में कहीं। मंत्री विधायक चंद्रदेव महतो की ओर से पूछे गये सवाल के जवाब में बोल रही थीं। विधायक ने सवाल पूछा था कि वित्त आयोग का पैसा पंचायतों को नहीं मिलने से पंचायतों का विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। राशि कब तक उपलब्ध होगी।

मंत्री ने कहा कि दोनों वित्तीय वर्ष का 1700 करोड़ रुपये केंद्र सरकार पर बकाया है। वहीं पांकी विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने पलामू के पांकी के मनातू प्रखंड में पिछले तीन वर्षों से बीडीओ का पद खाली होने की बात कही। उन्होंने कहा कि यहां सीओ, बीडीओ के प्रभार में हैं।

विधायक ने कहा कि सीओ कहते हैं अधिक अंतराल के कारण यहां का काम समझ में नहीं आता है। उन्होंने कहा कि पांकी में भी बीडीओ, सीओ के प्रभार में हैं और वे कार्यालय भी नहीं जाते हैं। घर से ही फाइल निपटाते हैं। उन्होंने सरकार से इन प्रखंडों में बीडीओ और सीओ के पद पर अधिकारियों का पदस्थापन करने की मांग की।

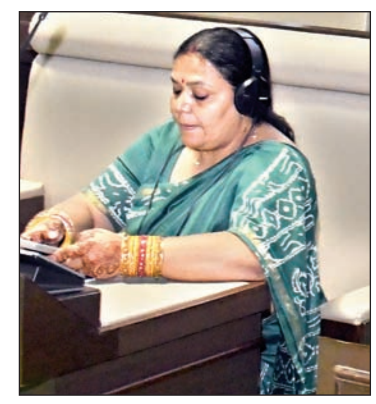

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

विधायक रोशन लाल चौधरी ने विधानसभा में गोंदलपुरा एवं बादम कोल ब्लॉक का मामला उठाया

वाजिब मांग उठाने पर रैयतों पर झूठा मुकदमा करने का लगाया आरोप

झूठा मुकदमा कर डरा धमका रही है पुलिस, वापस लिये जायें सभी केस : विधायक रोशन लाल

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव: बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने झारखंड विधानसभा में चल रहे मानसून सत्र में विस्थापन और निर्दोष ग्रामीणों के ऊपर झूठा मुकदमा दर्ज कर उन्हें डराने धमकाने का मामले को लेकर सदन में आवाज उठाया। विधायक रोशन लाल चौधरी ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा, बादम एवं आसपास के गांव में कॉल ब्लॉक का विरोध पिछले 885 दिनों के लंबे समय से ग्रामीणों के द्वारा सतत आंदोलन चलाया जा रहा है। जिसका मुख्य कारण है कृषि योग भूमि का अधिकरण, ग्राम सभा की सहमति के बिना सर्वे, पुनर्वास एवं विस्थापन नीति की अनिश्चित, संदिग्ध ग्राम सभा प्रक्रिया, एवं भोले भाले निर्दोष रैयतों के ऊपर झूठा मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी का भय दिखा कर डराना धमकाना जैसे कई मुद्दे शामिल है।

आगे उन्होंने कहा कि इन्हीं परिस्थितियों में 12 अगस्त को एनटीपीसी एवं भूअर्जन पदाधिकारी के द्वारा मुआवजा भुगतान सिविर का आयोजन प्रखंड मुख्यालय में होना था परंतु अधिकारियों के मनमानी की वजह से आनन फानन में शिविर का स्थल बदले जाने पर झड़प हो गयी, जिसमें कई ग्रामीण अधिकारी घायल हुए। परंतु आश्चर्य की बात यह है कि केवल 285 विस्थापित ग्रामीणों पर ही एक तरफा मुकदमा दर्ज किया गया, जो सरासर गलत है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि निर्दोष ग्रामीणों पर दर्ज केस को तुरंत वापस लिया जाये और घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई हो एवं ग्राम सभा की स्पष्ट सहमति के बिना किसी भी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को आगे ना बढ़ाया जाये।

वर्षों से लंबित गरीकला पंचायत से पतरा तक सड़क निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू

केरेडारी (आजाद सिपाही)। केरेडारी प्रखंड के गरी कला पंचायत से पतरा तक का पथ निर्माण कार्य का अधिसूचना जारी कर दिया गया है व जल्द ही उक्त सड़क का निर्माण शुरू कर दिया जायेगा। उक्त सड़क की लंबाई 2.290 कम है। इस संबंध में बड़गांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि हम कई बार क्षेत्र में घूमने के क्रम में देखा था कि उक्त सड़क का काफी दयनीय स्थित है। उक्त सड़क बन जाने से हजारों लोगों को बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय एवं केरेडारी प्रखंड मुख्यालय आने-जाने में सहूलियत होगा। वहीं उक्त सड़क निर्माण की खबर सुनकर ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। मौके पर केरेडारी मंडल अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि कर्मचारी साव, आजसू प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा, पूर्व भाजपा प्रदेश के किसान मोर्चा कोषाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, प्रीतम साव, बद्री नारायण सिंह तथा समस्त एनडीए कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण खुशी जाहिर किया और विधायक जी को धन्यवाद दिया।

निगम क्षेत्र की बदहाल नालियों और जलजमाव की समस्या का हो समाधान : विधायक प्रदीप

विधायक प्रदीप प्रसाद ने विधानसभा में नाली निर्माण में बंदरबांट और लापरवाही की जांच की मांग उठायी

विधानसभा में अपनी बातों को रखते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद।

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गुरुवार को नगर निगम क्षेत्र में हो रही जल जमाव की समस्या पर अपनी बात प्रमुखता से रखी। विधायक श्री प्रसाद ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में बनायी गयी नालियां मानक के अनुरूप नहीं हैं। इंजीनियरों द्वारा केवल खानापूर्ति कर काम पूरा कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश इलाकों में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं अपनी टीम और जेसीबी की मदद से इन नालियों को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नाली निर्माण कार्य में भारी बंदरबांट हुई है और पैसों की लूट हुई है। इस पर जांच की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि इसी लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। श्री प्रसाद ने एनएच-33, एनएच-100 और पीडब्ल्यूडी द्वारा किये गये नाली निर्माण कार्यों की खामियों की ओर ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने सदन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

बरही विधायक ने चौपारण की विभिन्न सड़कों की बदहाली का उठाया मुद्दा

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दिया जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

बरही। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने चौपारण प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण सड़कों की जर्जर स्थिति को लेकर तारांकित प्रश्न के तहत सरकार से जवाब मांगा। विधायक ने पूछा कि क्या यह सही है कि चौपारण प्रखंड के पीडब्ल्यूडी रोड (मुनअम पब्लिक स्कूल मोड़ से नेवरी करमा होते हुए अमरौल तक), हथिया से चयकला, बारामोड़ से हारपुर नहर होते हुए मंझौलिया टावर, जीटी रोड चैथी मोड़ से ग्राम चैथी सीमा तक, जीटी रोड से अम्बाजीत, हथिया से सोनपुरा होते हुए रामचक तक की सड़कें अत्यंत जर्जर अवस्था में हैं, जिससे आमजनों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है? और यदि हां, तो सरकार इन सड़कों का जीर्णोद्धार कब तक करायेगी? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए ग्रामीण कार्य विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने इसे आंशिक स्वीकारात्मक बताया। उन्होंने माना कि सड़कों की मरम्मत न होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री ने सदन को बताया कि पीडब्ल्यूडी रोड से हथिया होते हुए चयकला तक सड़क के सुदृढ़ीकरण के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है और निविदा प्रक्रिया जारी है। बारामोड़ से हारपुर नहर होते हुए मंझौलिया टावर तक का मार्ग कच्चा है, जिसका निर्माण विभागीय नीति और बजटीय प्रावधान के अनुसार कराया जायेगा। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पिछले पांच वर्ष या उससे पूर्व निर्मित क्षतिग्रस्त ग्रामीण पथों को मजबूत करने के लिए विभाग ने विशेष योजना शुरू की है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि बजटीय प्रावधानों के अनुसार प्रश्नाधीन अन्य सड़कों के जीर्णोद्धार/निर्माण पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

बोकारो सेल बनाम डोमचांच टीम का भिड़ंत कल

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। बिचरिया नई टांड़ में 17 अगस्त से आयोजित फुटबॉल चैंपियनशिप टूर्नामेंट का तीसरा मैच शनिवार को बोकारो सेल बनाम डोमचांच टीम के बीच खेला जायेगा। यह जानकारी टूर्नामेंट समिति के संरक्षक मनीन्द्र राम, नारायण दास, राजेश वर्मा, अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव रोहित सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप राम ने दी।

चोरी और छिनतई की घटनाओं पर रोक लगे : विधायक नीरा यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। जिले में कई मंदिरों से चोरी की घटनाएं हुई हैं तो वहीं कुछ स्कूलों में चोरी और महिलाओं से छिनतई और घरों से चोरी के मामले सामने आये हैं। लगातार चोरी और छिनतई की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने गुरुवार को विधानसभा सत्र के दौरान इस मामले को उठाते हुए राज्य सरकार से मामले में संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि इंदरवा पंचायत के सलईडीह, मरकच्चो के नावाडीह, चेचाई स्थित मंदिर और कोडरमा रेलवे स्टेशन के काली मंदिर को निशाना बनाया गया, वहीं कुछ स्कूलों से कंप्यूटर और अन्य सामग्री की चोरी की गयी है। कई मामलों में पुलिस की कार्रवाई बेनतीजा है। विधायक डॉ नीरा यादव ने बेलगाम अपराध, चोरी और छिनतई की लगातार हो रही घटनाओं पर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए इन मामलों पर त्वरित कार्यवाही करने की मांग की है ताकि लोगों का पुलिस प्रशासन पर विश्वास कायम रहे। साथ ही इस तरह की विभिन्न घटनाओं से प्रभावित लोगों को न्याय मिल सके।

पैदल जा रही महिला के गले से चेन झपट फरार हुए स्नैचर, चार दिनों में शहर में यह दूसरी घटना

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। चैन स्नैचर का आतंक हजारीबाग शहर में फिर बढ़ गया है। सोमवार को सदर थाना क्षेत्र के संत रॉबर्ट स्कूल के नजदीक एक महिला के गले से चेन झपट स्नैचर रफूचक्कर हो गये थे। वह महिला अपनी बेटी को स्कूल से लेकर पैदल घर जा रही थी तभी पल्सर पर सवार दो स्नैचर को घटना को अंजाम दिया था। भुक्तभोगी ने सदर थाने में आवेदन देकर गिरफ्तारी की मांग की थी। इस घटना के चौथे दिन फिर चैन स्नैचर ने बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के नया बस स्टैंड के सामने एक महिला के गले से सोने का चेन झपट फॅरेस्ट कालोनी की ओर निकल गये। यहां भी स्नैचर काला रंग का पल्सर पर सवार था। भुक्तभोगी इचाक थाना के परासी गांव की रहने वाली अंजली सिंह पति गौतम नारायण सिंह ने बड़ा बाजार थाना को आवेदन देकर स्नैचर की गिरफ्तारी की मांग की है। दोनों स्नैचर ब्लैक पल्सर पर सवार थे, जिसका नंबर जेएच 01 सीएफ 2541 था। चैन स्नेचिंग की घटना से जहां महिलाएं काफी डरी है, वहीं जिले की पुलिस चैन स्नैचर को पकड़ने में असफल नजर आ रहे हैं।

टोटो चालकों ने की हड़ताल, नहीं चला एक भी टोटो

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग में रविवार को एक भी टोटो सड़क पर नजर नहीं आये। टोटो वाहन चालक विभिन्न समस्याओं को लेकर हड़ताल पर रहे। सैकड़ों टोटो के साथ टोटो चालक गांधी मैदान में जुटे और अपनी मांगों को रखा। नगर निगम के पदाधिकारियों एवं यातायात पुलिस पदाधिकारी के साथ मटवारी गांधी मैदान में जमा होकर अपनी मांगों को लेकर समाधान के लिए बैठक किया। बैठक में दोनों तरफ से अपने अपने विचार रखें। नगर निगम प्रशासन द्वारा साफ शब्दों में कहा गया कि नियम का पालन टोटो वाहन चालक एवं मालिक को करना होगा। वहीं टोटो चालकों ने भी अपनी समस्या को पदाधिकारियों के सामने रखा।

झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक का विरोध शुरू

आजसू छात्र संगठन ने फूंका सरकार का पुतला

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। विधानसभा के मानसून सत्र में पारित झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक का विरोध शुरू हो गया है। हजारीबाग में गुरुवार को आजसू छात्र संगठन ने बाबू गांव कोर्रा चौक पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित छात्रों ने राज्य सरकार का पुतला जलाकर अपना विरोध प्रकट किया।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी: बीच सड़क पर प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और झंडों के साथ विधेयक को छात्र और शिक्षा विरोधी बताया। छात्र संगठन के युवा नेता शुभम राणा ने राज्य सरकार का पुतला जलाकर चेतावनी दी कि यदि विधेयक को वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज होगा।

यह विधेयक न सिर्फ छात्रों के अधिकारों का हनन करता है बल्कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता को भी खत्म कर देगा। सरकार की मंशा साफ है कि वह विश्वविद्यालयों पर पूर्ण नियंत्रण चाहती है, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं है।

छात्र नेता ने विधेयक को शिक्षा जगत के लिए काला कानून बताया है, साथ ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की हत्या कहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह भूल रही है कि विश्वविद्यालय केवल प्रशासनिक इकाई नहीं बल्कि विचारों का केंद्र होते हैं। यदि इन्हें सरकार अपने कब्जे में लेने की कोशिश करेगी तो अकादमिक माहौल प्रभावित होगा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह विधेयक छात्र संघ चुनावों की स्वतंत्रता को भी प्रभावित करेगा।

सरकार और छात्र संगठनों के बीच बन सकती है टकराव की स्थिति : फिलहाल यह विधेयक राज्यपाल की स्वीकृति के बाद कानून का रूप ले लेगा, लेकिन इसके खिलाफ छात्र संगठनों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। आने वाले दिनों में सरकार और छात्र संगठनों के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। यह विधेयक विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर सीधा हमला है। कुलपति और प्रो-कुलपति की नियुक्ति का अधिकार सीधे राज्य सरकार को दिये जाने से विश्वविद्यालय राजनीतिक दबाव में काम करने के लिए मजबूर होंगे।

टाटीझरिया में 25 हाथियों के झुंड ने धान की फसल रौंदी, दहशत

हाथियों ने किसानों को पहुंचाया भारी नुकसान, चिंतित किसानों ने मुआवजे की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

टाटीझरिया। साल दर साल हाथियों का झुंड क्षेत्र में नुकसान पहुंचाते आये हैं। इस बार पहले एक हाथी ने उत्पात मचाया फिर सात हाथियों के झुंड ने क्षेत्र में तबाही मचाया। इसके बाद 25 हाथियों के झुंड जहां से भी गुजरे बर्बादी का मंजर ढा दिया। धान लगाकर किसी ने बेटी की शादी की योजना बनाई थी तो किसी ने कोई अन्य कार्य करने को सोचा था। जैसे-जैसे हाथियों का झुंड खेत में खड़ी धान की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं, किसानों का सपना टूटता जा रहा है और किसान अपना धैर्य भी खो रहे हैं। हाथियों का झुंड टाटीझरिया के आसपास स्थित किसानों की खेतों को काफी नुकसान पहुंचाया है। शाम होते ही जंगल से निकलकर हाथियों का झुंड किसानों की खेत की ओर बढ़ जाता है और फसल को मिनटों में चट कर निकल जाता है। हाथियों के झुंड ने टाटीझरिया के सदारो क्षेत्र में जमकर तबाही मचाया है। हाथियों ने किसानों के धान की फसल को बर्बाद कर दिया है। जिससे किसानों में उदासी है। झरपो, गोंधिया, डहरभंगा में तबाही मचाने के बाद बुधवार को पूरे दिन हाथियों का जमावड़ा खपिया, विशाय, टाटी के आसपास के जंगलों में लगा रहा। शाम होते ही हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। हाथियों ने टाटीझरिया-सदारो के कमला घोघरी में रीना देवी, मिशन देवी, शकुंतला देवी, दिनेश यादव, सुखदेव यादव, मोसमात जीरवा का धान की फसल, ननफुली-गढावा में महादेव यादव के धान की फसल को पूरी तरह से खाकर और पैरों तले रौंद कर बर्बाद कर दिया है। हाथियों ने टाटीझरिया के राजकुमार प्रजापति के धान की फसल को भी रौंद दिया है। किसान महादेव यादव ने कहा कि हाथी के झुंड फसल को चट तो कर ही रहा है, पैरों से दबाकर खेत में खड़ी धान की फसल को रौंद दे रहा है। इसके साथ ही उन किसानों के सपने टूट रहे हैं जिनके परिवार का जीविकोपार्जन खेती-किसानी है। पीड़ित किसानों ने वन विभाग और अंचलाधिकारी से हाथियों से हुए नुकसान का यथाशीघ्र क्षतिपूर्ति के लिए मुआवजा की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

बरही। बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरहरा मोड़ के नजदीक हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गयी, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक का पहचान चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत अकुरवा बेला निवासी निर्भय राणा पिता स्व अजय राणा एवं घायल युवक की पहचान रोहित साव पिता कैलाश साव के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बाइक संख्या जे एच 02बीजी 2579 से बरही कोर्ट निजी कार्य से आया हुआ था। जहां से वापस लौटने के क्रम में पुरहरा मोड़ के नजदीक गैस टैंकर जिसकी संख्या यूपी70ईटी 8316 ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे बाइक चालक निर्भय राणा की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। जिसके बाद गैस टैंकर चालक एवं उपचालक वाहन छोड़कर फरार हो गये। घटना के बाद आस -पास के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर जमा हो गये। और इस बात की जानकारी बरही पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची बरही पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव को मृतक के परिजनों को सौंप दिया गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही परिजनों का रो - रो कर बुरा हाल है। मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद थे।

तीन दिवसीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव । झारखंड सरकार के द्वारा आयोजित खेलो झारखंड का प्रखंड स्तरीय तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ बड़कागांव प्लस टू उच्च विद्यालय मैदान में किया गया। इसकी अध्यक्षता बीपीएम प्रहलाद कुमार गुप्ता व संचालन शिक्षक अवधेश कुमार एवं जमशेद अंसारी ने किया। मौके पर पीएम श्री मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, बीपीएम प्रहलाद कुमार गुप्ता, खेल शिक्षक अमित कुमार ने दीप प्रज्वलित कर खेल का शुभारंभ किया गया।

प्रथम दिन अंडर 14 में बालक एवं बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में शारदा कुमारी (उत्क्रमित मध्य विद्यालय विश्रामपुर) बालक वर्ग में अरमान अंसारी (पीएम श्री उत्क्रमित हाई स्कूल शिवाडीह) को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, 200 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में विनिता कुमारी, (यूएमएस विश्रामपुर) प्रथम स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में अरमान अंसारी, 400 बालिका वर्ग में संध्या तिर्की (कस्तूरबा आवासीय विद्यालय), बालक वर्ग में बादल कुमार (पीएम श्री शिवाडीह) 600 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में सौम्या रानी (उमवि विश्रामपुर) बालक वर्ग में अमित कुमार (उमवि विश्रामपुर) रिले रेस में बालिका वर्ग में उमवि विश्रामपुर, द्वितीय स्थान कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, तृतीय स्थान पीएम श्री मध्य विद्यालय बड़कागांव, रिले रेस बालक वर्ग प्रथम स्थान पीएम श्री बड़कागांव पीएम श्री मध्य विद्यालय बड़कागांव, द्वितीय उमवि विश्रामपुर, लॉन्ग जंप में प्रथम रवीना कुमारी कस्तूरबा, द्वितीय स्थान शारदा कुमारी (उमवि विश्रामपुर) बालक वर्ग में प्रथम सुधाँशु कुमार (पीएम श्री मध्य विद्यालय बड़कागांव), नाश्ता में द्वितीय दयानंद कुमार (राजकीय कन्या मध्य विद्यालय बड़कागांव), हाई जंप में बालिका वर्ग में प्रथम यामिनी परवीन (कस्तूरबा) द्वितीय में विनीता कुमारी (उमवि विश्रामपुर), बालक वर्ग में प्रथम मोहम्मद अरमान पीएम श्री शिवाडीह) द्वितीय में सूरज कुमार उमवि विश्रामपुर) तृतीय दयानंद कुमार (राजकीय कन्या मध्य विद्यालय) कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग में प्रथम पीएम श्री मध्य विद्यालय बड़कागांव, द्वितीय उमवि विश्रामपुर, बालिका वर्ग में प्रथम कस्तूरबा आवासीय विद्यालय, द्वितीय उमवि विश्रामपुर, को सफलता मिली। रस्साकशी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कस्तूरबा आवासीय विद्यालय एवं द्वितीय स्थान पीएम श्री मध्य विद्यालय बड़कागांव को मिला।

शुक्रवार को प्रतियोगिता में अंडर 17 के खिलाड़ियों का खेल होगा, जबकि अंडर-19 के खिलाड़ियों का खेल शनिवार को होगा। मौके पर बीपीएम प्रहलाद गुप्ता, शिक्षक अशोक कुमार, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तारणी प्रसाद, अवधेश कुमार, रवि शंकर पाठक के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

पूर्वजों की परंपरा से जुड़े रहें और अपनी भाषा संस्कृति को जीवित रखें : जयराम

आजाद सिपाही संवाददाता

विष्णुगढ़। बुधवार को प्रखंड के बिलंडीटांड़ मैदान में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति विष्णुगढ़ इकाई द्वारा जबर करम अखड़ा का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डुमरी विधायक टाइगर जयराम कुमार महतो शामिल हुए। करम अखड़ा में ढोल नगाड़े व मांदर की थाप में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। वहीं प्रखंड के विभिन्न पंचायत से आये झूमर टीम ने अपनी अपनी कला का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों के मन मोह लिये। क्षेत्रीय कलाकारों के करम गीत-संगीत से लोगों में काफी उत्साह व उमंग से देखने को मिला। वहीं विशिष्ट अतिथि केंद्रीय उपाध्यक्ष

मोतीलाल महतो, मांडू विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी बिहारी महतो, इंजिनियर मुकेश कुमार महतो, पूर्वी जिप सदस्य सरजू पटेल, पूर्व पश्चिमी जिप सदस्य जय प्रकाश सिंह पटेल, केंद्रीय संगठन महासचिव माही पटेल, केंद्रीय महिला मोर्चा उपाध्यक्ष रूपा महतो, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा सुनीता साहू आदि उपस्थित हुये। डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि करम परब झारखंड का मुख्य परब है।

झारखंडी परब -त्योहार हमारी सभ्यता संस्कृति परंपरा को गतिशील रखने की सीख देती है।करम परब हमारे पूर्वजों की परंपरा रही है। अपनी भाषा संस्कृति को जीवित रखें। झारखंड के प्रमुख करम परब को झारखंड सरकार से तीन दिन की छुट्टी की मांग की गयी है। कहा कि विष्णुगढ़ प्रखंड कृषि कार्य एवं पलायन के लिए जाना जाता है। विष्णुगढ़ से पलायन की समस्या, कोनार विस्थापित का मामला हो, कोनार सिंचाई परियोजना हो, क्षेत्र के विकास के लिए सदन में लगातार आवाज उठाया गया है। मांडू विधानसभा समेत पूरे झारखंड मूलनिवासियों के हर समस्याओं को विधानसभा में आवाज उठायेंगे। प्रवासी मजदूरों के स्थानीय रोजगार के लिए कुटीर उद्योगों की स्थापना की सरकार से मांग करेंगे। इसके अलावा युवाओं को नशा व्यसन से दूर रहने की अपील की।

इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो, सचिव प्रेमचंद महतो, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, नंदलाल महतो, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार समेत पूरे प्रखंड की टीम का कार्यक्रम सफल हेतु सराहनीय कार्य रहा।

एसबीआइ ने चलाया वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान

पतरातू (आजाद सिपाही)। भारतीय स्टेट बैंक की ओर से वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत गुरुवार को ग्राम पंचायत तालाटांड़ में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह अभियान 1 जुलाई से 30 सितंबर तक चलाया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के अधिक से अधिक लोगों को बैंकिंग सेवाओं समेत केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न वित्तीय योजनाओं से जोड़ना है। शिविर में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना और डिजिटल लेनदेन की सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गयी। अधिकारियों ने बताया कि अब कोई भी व्यक्ति शून्य बैलेंस पर खाता खोल सकता है और इसके साथ बीमा एवं पेंशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ उठा सकता है। इस अवसर पर एसबीआइ पतरातू शाखा के मुख्य प्रबंधक धीरज कुमार, वित्तीय समावेशन क्षेत्रीय व्यवसायिक कार्यालय रामगढ़ के मुख्य प्रबंधक समर श्रीवास्तव पंचायत प्रतिनिधि समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

बोंगावार मंदिर में दुर्गापूजा समिति की बैठक

कुजू (आजाद सिपाही)। बोंगावार दुर्गापूजा समिति ने मां दुर्गा पर्व को मनाने को लेकर मंदिर प्रांगण में बैठक की। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष बीरेंद्र साव ने किया। बैठक के दौरान पर्व को धूमधाम से मनाने समेत पूर्व कमिटी को यथावत संचालन करने देने का निर्णय लिया गया। बैठक में अध्यक्ष बीरेंद्र साव, सचिव दिनेश्वर कुशवाहा, उपाध्यक्ष शशि प्रजापति, उपसचिव भीम महतो, कोषाध्यक्ष विश्वामित्र महतो, उप कोषाध्यक्ष राजेश प्रजापति, संरक्षक किशोर कुमार आचार्य, प्रेम प्रजापति, प्रसादी प्रजापति,कमल पंडा, सूरज महतो, फुलेश्वर महतो, जगरनाथ, अशोक करमाली, सुरेंद्र महतो, तरुण गिरी, विनोद मुंडा, रामजी महतो, छोटू, रविदास, मनोज महतो, प्रकाश महतो, तिलेश्वर, सागर प्रजापति, लक्ष्मी पंडा समेत कई सदस्य शामिल रहे।

उरीमारी दुर्गा पूजा समिति की बैठक

उरीमारी (आजाद सिपाही)। उरीमारी हेसाबेड़ा स्थित दुर्गा मंडप परिसर में गुरुवार को दुर्गा पूजा पंडाल को लेकर पूजा समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समीक्षा बैठक किया। पंडाल निर्माण कार्य को लेकर संतोष व्यक्त किया गया। वहीं पंडाल निर्माण, साफ-सफाई, रावण निर्माण और ऐतिहासिक आतिशबाजी को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से बिरसा परियोजना पदाधिकारी सुबोध कुमार उपस्थित होकर पंडाल निर्माण कार्य का जायजा लिया। बैठक में पूजा समिति के सचिव सीताराम किस्कू, कोषाध्यक्ष लालो महतो, महादेव बेसरा, कंचन मांझी, विश्वनाथ मांझी, जतरु बेसरा,कानू मरांडी, महेश गिरि, सुरेश प्रसाद,दया शंकर यादव, सुखचैन सिंह,सिगू मांझी, मन्नू टुडू,मुनीष मांझी,पूरन मांझी, गणेश मांझी, लालदेव सोरेन, गीता देवी, सीता मुनि देवी, फुलमनी देवी, फुलमति देवी, ममता देवी, शांति देवी मौजूद थे।

बरवाटांड़ में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

गोला (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बरवाटांड़ में गुरुवार को ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। इसका विधिवत उद्घाटन विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो ने फीता काटकर किया। इसके साथ ही गांव में फिर से बिजली बहाल हो गयी। बताया गया कि इस गांव में पिछले एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। स्थानिक ग्रामीणों ने इसकी जानकारी विधायक ममता देवी को दी। विधायक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाया। मौके पर कांशी दांगी, भरत साव,नेमधारी दांगी, देवेन्द्र दांगी, ब्रजकिशोर दांगी, गौरी शंकर महतो, परवेज आलम, प्रदीप महतो, सच्ची महतो, जीतू महतो, दिनेश प्रसाद दांगी, संजय कुमार, रंजीत महतो, गोपाल महतो, अशोक महतो, प्रकाश कुमार, तुलसी दांगी, सीमा देवी, तुलेश्वरी देवी सहित कई मौजूद थे।

दिल की बीमारी से पीड़ित महिला को मुख्यमंत्री सहायता राहत कोष से मिली मदद

गोला (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बरवाटांड़,कामता गांव निवासी सीमा देवी पिछले कई महीनों से हार्ट की गंभीर बीमारी से पीड़ित है। घर में आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह सही से इलाज नहीं कर पा रही है। इस कठिन परिस्थिति में सीमा देवी ने स्थानीय विधायक ममता देवी से आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर सहायता दिलाने का निवेदन किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राहत कोष से 50 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी। पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो ने बरवाटांड़ गांव पहुंचकर चेक सौंपा। सहायता प्राप्त होने पर पीड़ित परिवार ने स्थानीय विधायक ममता देवी के प्रति आभार प्रकट किया। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी धन्यवाद किया।

बिजली और पानी की समस्या पर ग्रामीणों की बैठक

उरीमारी (आजाद सिपाही)। चेक पोस्ट कॉलोनी, उरीमारी में जल और विद्युत संकट को लेकर कॉलोनीवासियों ने परियोजना अभियंता (इ एंड एम) अंकुर साहब के साथ बैठक की। बैठक में मोटर की गर्मी से परेशानी, ट्रांसफार्मर की क्षमता, नियमित बिजली कटौती, जर्जर पाइपलाइन, वॉटर फिल्टर प्लांट, सिंटेक्स टंकी, डस्टबिन, सैंपलिंग टैंक और सड़क निर्माण पर चर्चा की गयी। साथ ही फोर्मैन और कर्मियों के कार्य निष्पादन पर भी असंतोष जताया गया। बैठक में बाल्मीकि यादव, टहल गोप, सुखदेव करमाली,नरेश करमाली, निर्मल साव,लखन साव, दीपक यादव बिहारी गुप्ता, सुरेंद्र, संतोष सिंह,भोला रविदास, विनय चौहान, उपमुखिया सतीश कुमार,चंदू जायसवाल, फिरोज अंसारी, सलामत अंसारी,शराफत अंसारी,बुधन अंसारी,असलम अंसारी, मुस्ताक अंसारी,मस्तान अंसारी, अली अंसारी, अरुण कुमार, अनिल सिंह, विनोद मुंडा, राकेश मांझी, जितेंद्र रजक, अनिल कुमार, हबीब, शुभम कुमार आदि मौजूद थे।

श्री गणेश आभूषणालय से डेढ़ लाख के गहनों की चोरी

आजाद सिपाही संवाददाता

हंटरगंज/ चतरा। प्रखंड के मुख्य बाजार स्थित श्री गणेश आभूषणालय नामक जेवर दुकान में अज्ञात चोरों द्वारा बुधवार की देर रात्रि एक चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। अज्ञात चोरों द्वारा नदी के रास्ते से दुकान के पीछे से घुसकर मार्केट के गेट में लगे लोहे के गेट को गैस कटर से कटकर मार्केट में प्रवेश किया और अंदर दुकान का ताला एवं लॉक को काटते हुए अंदर प्रवेश कर लगभग डेढ़ लाख के गहने की चोरी कर लिया। सुबह जब अन्य दुकानदार जब अपनी दुकान खोलने आए तो मार्केट का मेन दरवाजा प्लास्टिक के बोड़ा से ढका हुआ देखा। जब अंदर गए

तो जेवर दुकान का सामान बिखरा हुआ पाया। इसके बाद दुकानदारों ने इसकी जानकारी जेवर दुकान के मालिक विजय वर्मा एवं पुलिस को दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर दुकानदारों एवं आसपास के लोगों से घटना से संबंधित जानकारी लिया। पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों तक पहुंचने के लिए हर एंगल से जांच कर रही है, साथ ही कई संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सदर एसडीपीओ संदीप सुमन भी थाना प्रभारी एवं जेवर दुकान के मालिक से घटना की जानकारी लिया। इसके अलावा फॉरेंसिक टीम द्वारा अज्ञात चोरों का फिंगरप्रिंट का सैंपल लिया गया। अज्ञात चोरों द्वारा दो बार पहले भी इसी दुकान में चोरी करने का प्रयास किया गया था। अगल-बगल के लोग के जग जाने के कारण चोरी नहीं कर पाये थे। इस बार चोरी करने में सफल हो गये।

चार दिन पूर्व बहे युवक का शव लीलाजन नदी से बरामद

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। वशिष्ठ नगर थाना की पुलिस ने क्षेत्र के कर्मा पंचायत अंतर्गत मंझगांवा गांव निवासी जोगिंदर भारती का पुत्र पप्पू कुमार का शव गुरुवार को कर्मा एवं कनगुरुवा गांव स्थित लीलाजन नदी से बरामद किया है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते सोमवार की देर शाम से मृतक अमझरीया नदी में डूब गया था। जिसे काफी खोजबीन किया जा रहा था। सुबह नदी में पानी कम होने के बाद ग्रामीणों को उसका शव दिखाई पड़ा। इसके बाद स्थानीय थाना को जानकारी दी गयी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। इस घटना से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं गांव में मातम पसरा है।

टीबी मरीजों के बीच पोषण टोकरी कर वितरण

चतरा (आजाद सिपाही)। सिविल सर्जन कार्यालय परिसर स्थित जिला यक्ष्मा केंद्र के प्रांगण में टीबी मरीजों को पोषण टोकरी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद द्वारा 65 टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण किया गया। सिविल सर्जन ने कार्यक्रम में उपस्थित टीबी मरीजों को सलाह दिया कि समय समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। उन्हें अपने वजन, हीमोग्लोबिन, बलगम की नियमित जांच कर दवा का सेवन करना है। उन्होंने कहा कि यक्ष्मा मरीजों के समय पर जांच व नियमित दवा के सेवन से टीबी रोग को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। इस मौके पर सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलायी जा रही कार्यक्रमों की भी जानकारी देते हुए बताया गया कि जिसमें निक्षय मित्र सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं सिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जिले के टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण किया जा रहा है। साथ ही टंडवा प्रखंड के अन्तर्गत दस पंचायतों को चिन्हित कर उस पंचायत में टीबी गहन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और दो सालों में उस चिन्हित पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत करने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से विक्रांत कुमार (डीपीसी), आलोक कुमार श्रीवास्तव,नवीन मिश्रा,अनु कुमार,सुरेश मंडल, रविन्द्र कुमार,संजय यादव,राजेश कुमार, मोइनु तबरेज एवं समस्त अधिकारी एवं यक्ष्मा कर्मी एवं सीनी संस्था से मुंतजिर , ओमप्रकाश शर्मा आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने किया इटखोरी का दौरा

चतरा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने गुरुवार को इटखोरी प्रखंड का दौरा कर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, ताकि इनका लाभ सीधे जनता तक पहुंच सके। दौरे की शुरूआत में उपायुक्त ने बक्सा डैम का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के विश्रामगृह तथा आसपास की व्यवस्था को देखा और पर्यटन विभाग को डैम क्षेत्र के सौंदर्यीकरण, वाहन पार्किंग और रेस्ट हाउस निर्माण जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास पर बल देने को कहा। इटखोरी पहुंचने पर धनखेरी आजीविका महिला संकुल संगठन की महिलाओं ने पारंपरिक पत्तों की टोपी और पुष्पमाला पहनाकर उपायुक्त का स्वागत किया।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता शुरू

खेलो झारखंड का आयोजन खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करता है : राजीव जायसवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। झारखंड शिक्षा परियोजना रामगढ़ द्वारा आयोजित 'खेलो झारखंड 2025-26' की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय गांधी मेमोरियल में हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल थे। सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम शर्मा, जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी रीना कुजूर, रामगढ़ जिला ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव सीडी सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया : कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, जिससे उनका मनोबल और बढ़ा।

मौके पर सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने कहा कि 'खेलो झारखंड' का आयोजन खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने रामगढ़ जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए खिलाड़ियों से कहा कि वे और बेहतर प्रदर्शन करें और अधिक से अधिक मेडल जीतकर अपने प्रखंड और जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे राज्य और देश के लिए भी खेलना का लक्ष्य रखें।

खेल से बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है : नीलम शर्मा

जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम शर्मा ने कहा कि खेल से बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है सभी बच्चे अपने जीवन में अनुशासन लाकर सफलता हासिल कर सकते है। इस तरह का आयोजन बच्चों को उचित प्लेटफार्म देता है। इस अवसर पर एडीपीओ नलिनी रंजन, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुलोचना कुमारी, सहित भारी संख्या में छात्र छात्राए और शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

'पोषण भी पढ़ाई भी' विषय पर आंगनबाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण शुरू

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड सभागार में गुरुवार से आंगनबाड़ी सेविकाओं को 'पोषण भी पढ़ाई भी' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा संचालन सीडीपीओ कार्यालय के महिला पर्यवेक्षिका माधवी कुमारी ने किया। उक्त प्रशिक्षण शिविर में सभी आंगनबाड़ी सेविका उपस्थित हुई। प्रशिक्षण का आज पहला दिन था। जिसमें सेविकाओं को बताया गया की बच्चों को उचित पोषण के साथ कैसे पढ़ाई करना चाहिए। खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाने का तरीका बताया गया। साथ ही बच्चों को केंद्र पर मिलने वाला उचित आहार का वितरण करना आवश्यक बताया गया तथा कहा गया कि समय-समय पर बच्चों को शिक्षा देने का उद्देश्य सभी सेविकाओं को होना चाहिए। इसके लिए सेविकाओं को ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन करना होगा। जो अपने दायित्वों से मुकरते है वैसे सेविकाओं पर कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप के अलावा महिला पर्यवेक्षिका माधवी कुमारी, योगेश शर्मा, आम प्रकाश सहित सभी आंगनबाड़ी सेविका उपस्थित थे।

राधा गोविंद विवि में गणेश उत्सव का आयोजन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के ओडिटोरियम हॉल में गणेश चतुर्थी का आयोजन किया गया। आयोजन में भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना, पूजन, हवन, आरती एवं विसर्जन विधि विधान के साथ आचार्य मुकेश पाण्डेय के द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह एवं सचिव प्रियंका कुमारी पूजन हवन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सभी को विघ्नहर्ता और रिद्धि- सिद्धि के दाता श्री गणेश चतुर्थी पूजन की हार्दिक बधाई दी एवं सुख-समृद्धि की मंगल कामना किए। पूजन के दूसरे दिन हवन एवं भंडारा (खिचड़ी) का आयोजन हुआ। उसके बाद विसर्जन में सभी शिक्षक शिक्षकेतर - कर्मचारी एवं छात्र –छात्राएं गाजे- बाजे के साथ नृत्य करते हुए, गणपति बप्पा मोरया के जयकारा के साथ विसर्जन किया।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं. ईएल-जी-आरएनसी-आर-टीएनसी-25, दिनांक 26.08.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी)/रांची, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसे दिनांक 17.09.2025 को सुबह 10.30 बजे अथवा उसके उपरांत खोला जाएगा। **कार्य का संक्षिप्त विवरण/नाम:** हटिया में वर्तमान पूर्व मध्य केबिन के निकट यार्ड मॉस्टर एवं टीएनसी के कार्य स्थल के लिए नए सेवा भवन के निर्माण के लिए विद्युतीय कार्य। **कार्य की विज्ञापित मूल्य:** रु. 5,16,248.99; **ईएमडी/बोली सुरक्षा:** रु. 10,300; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 17.09.2025 को सुबह 10.30 बजे। **वेबसाइट का विवरण: https://www.ireps.gov.in/** निविदा का विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते है। निविदादाताओं/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते है। **(PR-565)**

अमृता देवी बलिदान दिवस पर सीसीएल सीकेएस ने किया पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

भुरकुंडा। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सीसीएल कोलवरी कर्मचारी संघ बरका सयाल एरिया अंतर्गत भुरकुंडा शाखा कार्यालय में अमृता देवी बलिदान दिवस को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया गया।

अवसर पर बरका सयाल अध्यक्ष हरिनाथ महतो, सचिव शम्भु प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष श्रीकांत गुप्ता, शाखा अध्यक्ष नौशाद आलम, सचिव अनिल कुमार पासवान, भाभेश्री महांतो, नीरज कुमार महांतो, जगमोहन बेदिया, अर्जुन कुमार, गंगा भैया, सुरेंद्र तिवारी शामिल रहे। अवसर पर कार्यालय प्रांगण में कई किस्म के पौधों का रोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। बरका-सयाल अध्यक्ष हरिनाथ महतो कहा कि अमृता देवी ने चिपको आंदोलन के तहत पेड़ से लिपटकर बलिदान दे दिया था। इस बलिदान ने हरित क्रांति को और भी मजबूती दी। जिससे लोगों में वन संपदा के महत्व को समझा और अब पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर प्रेरित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय विधेयक के खिलाफ अभाविप ने निकाली आक्रोश यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रामगढ़ इकाई ने झारखंड राज्य विधानसभा में सरकार द्वारा पारित राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2025 में झारखंड के विश्वविद्यालयों में कुलपति, प्रति कुलपति, वित्तीय सलाहकार, परीक्षा नियंत्रक एवं अन्य प्रमुख पदों पर नियुक्ति के अधिकार को महामहिम राज्यपाल से हटाकर राज्य सरकार को देने का प्रावधान के खिलाफ रामगढ़ के कॉलेज गेट में आक्रोश मार्च निकाला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इस विधेयक का कड़ा विरोध करती है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिला संयोजक सुदीप महतो ने कहा कि अभाविप इस विधेयक के अंतर्गत गठित झारखंड राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग का स्वागत करती है। लेकिन इस विधेयक के अंतर्गत केवल शिक्षक, शिक्षकेत्तर,

कर्मचारी की नियुक्ति एवं प्रमोशन का कार्य होना चाहिए, ना कि कुलपति प्रति कुलपति की नियुक्ति का अधिकार होना चाहिए। रामगढ़ के नगर मंत्री यशपाल महतो ने कहा सरकार इस विधेयक के माध्यम से लोकतांत्रिक तरीके से कैंपस में होने वाले छात्र संघ चुनाव पर भी प्रहार कर रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निगलना चाह रही है। मौके पर राकेश कुमार, अमृत कुमार, सुशांत, शिशु, अजय, गोल्डन, सैनी, किशोर, चंदन, मनीष आदि उपस्थित थे।

दिगवार के अतहर अली का भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में चयन

श्रीलंका में 6 अक्टूबर से दिव्यांग क्रिकेट चैंपियनशिप टूर्नामेंट

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। 18 वर्षों के कठिन संघर्ष के बाद दिगवार (रामगढ़) निवासी दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी अतहर अली(39 वर्ष) को विदेशी धरती पर दिव्यांग क्रिकेट खेलने का मौका मिला है। आगामी 6 अक्टूबर से कोलंबो (श्रीलंका) में होने वाले पांच दिवसीय इंटरनेशनल पैरालंपिक क्रिकेट चैंपियनशिप टूर्नामेंट 2025 में दिव्यांग क्रिकेटर अतहर अली झारखंड का एकलौते खिलाड़ी के तौर पर भारत के लिए, अपना जलवा बिखेरेंगे। साथ ही, देश का मान सम्मान और गौरव बढ़ायेंगे। क्रिकेटर अतहर अली ने बताया

कि दी पारा क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के प्रधान सचिव संगीत चौहान द्वारा 20 सदस्यीय टीम में चयन होने की सूचना पत्र के माध्यम से दिया गया। निश्चित ही टूर्नामेंट में जीत दिलाकर देश का गौरव बढ़ायेंगे।

पोलियो के शिकार बने

क्रिकेटर रोहित शर्मा मेरे आदर्श : अतहर अली

क्रिकेटर अतहर अली ने बताया कि हिटमैन रोहित शर्मा हमारे आदर्श है। हमें भारतीय पैरालंपिक क्रिकेट क्लब की ओर से चयन पत्र मिला है, जो जीवन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने अपने परिवार, दोस्तों और ग्रामीणों का आभार जताया है।

दिव्यांग क्रिकेटर अतहर अली : पांच साल की उम्र में दिव्यांग अतहर अली पोलियो का शिकार बन गया। अतहर अली ने परिवार की आर्थिक तंगी, समाज के ताने और शारीरिक चुनौतियों के बीच विपरीत परिस्थितियों के साथ अपने बुलंद हौसले और प्रतिभा के बल पर क्रिकेट में जिले और प्रदेश का मान बढ़ाया है। वर्ष 2006 में क्रिकेट खेल की दुनिया में कदम रखा। शुरूआत दौर में आसान नहीं थी, फिर भी कभी हिम्मत नहीं हारा। लगातार अभ्यास जारी रखा। वहीं, 6 अक्टूबर से अतहर अली को विदेशी धरती में खेलने का मौका है। जिसके लिए आगामी 21 से 27 सितंबर तक देहरादून के बेस कैंप में पहुंचना है। इधर, ग्रामीणों के बीच हर्ष का माहौल है। वहीं बधाई देने वालों में दिव्यांग परिवर्तन फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक विजय मेवाड़, संरक्षक शाहिद सिद्दीकी, नन्दकिशोर, जितेंद्र कुमार, अंबरीन मंजर, पवन यादव, संतु मानिक, वार्ड पार्षद कुलदीप कुशवाहा, अब्दुल अजीज शामिल है।

शपथ पत्र

शपथ पत्र के अनुसार क्रम संख्याः 712, दिनांक - 07/08/2025 मैं, बिजुल देवी (BIJUL DEVI), पति - कमल साव, उम्र लगभग 28 वर्ष, धर्म - हिन्दू, राष्ट्रीयता - भारतीय, निवासी - कामता, पो० - बरियातू, थाना - गोला, जिला - रामगढ़ (झारखण्ड) शपथपूर्वक ब्यान करती हूँ कि:-

1. यह कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम अंग्रेजी के अक्षरों में BIJUL DEVI है जो मेरे आधार कार्ड नं०- 6359 1720 7535 एवं पेन कार्ड सं०- FJAPD4229N में दर्ज है।
2. यह कि मेरे नाम से बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा रामगढ़, में एक खाता खुला हुआ है जिसका खाता सं०- 481910110008016 है जिसमें मेरा नाम अंग्रेजी के अक्षरों में BIJUL KUMARI अंकित हो गया है।
यह कि BIJUL DEVI एवं BIJUL KUMARI दोनो एक ही महिला का नाम है जो मैं स्वयं हूँ।
4. यह कि यह शपथ पत्र मैं अपने बैंक पासबुक में दर्ज गलत नाम BIJUL KUMARI के स्थान पर सही व वास्तविक BIJUL DEVI दर्ज करवाने हेतु सम्बंधित पदाधिकारी को देने हेतु तैयार कर रही हूँ।
5. यह कि उपरोक्त कथन मेरी जानकारी में सत्य व सही है।

शपथ पत्र

शपथ पत्र के अनुसार क्रम संख्याः 102, दिनांक - 18/08/2025 मैं, मुस्तफा जलील अन्सारी पिता- जलील अन्सारी, उम्र करीब 46 वर्ष, धर्म- इस्लाम, राष्ट्रीयता - भारतीय, पेशा - गृहस्थी, साकिन ग्राम- महुहागढ़, पोस्ट- मकतपुर, थाना-जयनगर, जिला-कोडरमा, शपथ पूर्वक ब्यान करता हूँ कि :-

1. यह कि मैं उपरोक्त वर्णित स्थान का स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि मुस्तफा अन्सारी उर्फ मुस्तफा जलील अन्सारी दोनो नाम मेरा ही है तथा मैं उक्त दोनों नामो से जाना वो पहचाना जाता हूँ।
3. यह कि आधार कार्ड संख्या-4093 4522 5904 में मेरा नाम मुस्तफा जलील अन्सारी अंकित है जबकि बैंक ऑफ इंडिया शाखा जयनगर के खाता संख्या-489910100008967 में मेरा नाम मुस्तफा अन्सारी अंकित है।
यह कि मैं यह शपथ पत्र उक्त दोनों नाम मुस्तफा अन्सारी उर्फ मुस्तफा जलील अन्सारी की पुष्टि हेतु बना रहा हूँ।
5. यह कि उपरोक्त लिखित सारी बातें मेरी जानकारी वो विश्वास में सही वो सत्य है। यदि गलत पाया जाता है तो इसकी समस्त जवाबदेही मेरी ऊपर पर होगी।

लैंडस्लाइड : पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है।

जनजीवन पर असर : जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

धराली से जम्मू तक : इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आये फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आयी प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है।

भीड़ पर नियंत्रण : इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके।

वॉर्निंग सिस्टम : प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है।

राहत पर फोकस : मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत-बचाव पर फोकस होना चाहिए। साथ में, ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिसमें पहाड़ों की संवेदनशीलता का ख्याल रखा गया हो।

अभिमत
आजाद सिपाही

वर्ष 2024 की एक आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक पत्रिका ने लिखा है कि 2014 और 2017 के बीच भारत में खाताधारकों की संख्या में 26 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जिसका श्रेय दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान-पीएमजेडीवाइ को दिया जा सकता है। यह वैश्विक खाता वृद्धि (6.57) से लगभग चार गुना अधिक है और इसी अवधि के दौरान विकासशील देशों (7.27) की तुलना में तीन गुना अधिक है।

बैंकिंग सुविधा से वंचित लोगों को बैंक सेवाएं देनेवाली जन-धन योजना के 11 वर्ष पूर्ण

वी. अनंत नागेश्वरन

वित्तीय समावेशन सतत विकास की एक अनिवार्य शर्त है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि वर्ष 2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से 7 इसे दुनिया भर में समावेशी विकास के लिए एक प्रमुख कारक के रूप में मानते हैं। वित्तीय समावेशन की दिशा में पहला कदम बैंकिंग सुविधा से वंचित लोगों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने से शुरू होता है क्योंकि बैंक खाता औपचारिक बैंकिंग प्रणाली के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। इसलिए वित्तीय समावेशन के लिए स्पष्ट और संरचित नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है ताकि शुरू से ही इस सुविधा से वंचित लोगों तक बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया जा सके।

इस सिद्धांत को व्यवहार में लाने के लिए लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री मोदी के पहले संबोधन में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाइ) की घोषणा की गयी, जिसे राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन के अंतर्गत 28 अगस्त 2014 को औपचारिक रूप से शुरू किया गया। इस मिशन का विजन मेरा खाता, भाग्य विधाता के नारे में समाहित था। इसका उद्देश्य गरीबों और लंबे समय से वंचित वर्ग के लोगों को आर्थिक मुख्यधारा में लाना, औपचारिक बैंकिंग प्रणाली तक उनकी पहुंच को साकार कराना और यह सुनिश्चित करना था कि वे भारत की विकास गाथा के हितधारक और लाभार्थी बनें। जन धन खातों ने लाभार्थियों को न्यूनतम कागजी कार्रवाई और सरलीकृत केवाइसी/इ-केवाइसी प्रक्रियाओं के साथ जीरो-बैलेंस और शून्य-शुल्क वाले खाते खोलने की अनुमति दी। इसके अंतर्गत रुपे डेबिट कार्ड पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर और 10,000 रुपए तक ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी दी गयी है।

आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी पूरे भारत में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने में सहायक रही है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की आधारशिला के रूप में भी उभरा है। इसने भुगतान तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाया है और लाखों लोगों को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की सफलता को आधार प्रदान करके, पीएमजेडीवाई ने पारदर्शिता को बढ़ाया है, कल्याणकारी वितरण में लीकेज को कम किया है और सरकारी योजनाओं में विश्वास को मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना ने अपनी शुरुआत के बाद से अभूतपूर्व सफलता हासिल की है।

वर्ष 2024 की एक आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक पत्रिका ने लिखा है कि 2014 और 2017 के बीच भारत में खाताधारकों की संख्या में 26 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर दर्ज की गयी, जिसका श्रेय दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान-पीएमजेडीवाई को दिया जा सकता है।

यह वैश्विक खाता वृद्धि (6.57) से लगभग चार गुना अधिक है और इसी अवधि के दौरान विकासशील देशों (7.27) की तुलना में तीन गुना अधिक है। 8 अगस्त 2025 तक, 56 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से लगभग 67 प्रतिशत ग्रामीण और अर्ध-शहरी केंद्रों में स्थित बैंक शाखाओं में हैं। इस योजना ने लैंगिक असमानताओं को भी स्पष्ट रूप से पाट दिया है: पीएमजेडीवाइ के 55 प्रतिशत से अधिक खाते यानी 31 करोड़ से अधिक खाते महिलाओं के पास हैं। इसके अलावा, जन धन खाते सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में पंजीकरण के लिए महत्वपूर्ण माध्यम बन गये हैं। हाल के संसदीय आंकड़ों से पता चलता है कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाइ) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाइ) के तहत लगभग एक-तिहाई नामांकन पीएमजेडीवाइ से जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री जन धन योजना भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की आधारशिला के रूप में भी उभरा है। इसने भुगतान तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाया है और लाखों लोगों को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की सफलता को आधार प्रदान करके, पीएमजेडीवाइ ने पारदर्शिता को बढ़ाया है, कल्याणकारी वितरण में लीकेज को कम किया है और सरकारी योजनाओं में विश्वास को मजबूत किया है। आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ, जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी पूरे भारत में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने में सहायक रही है। जन धन खातों और एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआइ) के बीच तालमेल ने अनौपचारिक क्षेत्र के छोटे और सीमांत उद्यमियों को व्यवसाय करने के लिए औपचारिक वित्तीय चैनलों तक पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाया है। एनपीसीआइ के हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग आधे यूपीआइ लेनदेन खाद्य और किराने के सामान की श्रेणियों में हैं जो यह दर्शाता है कि वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान ने मिल कर जमीनी स्तर पर दैनिक कारोबार के स्वरूप को ही बदल दिया है।

इसका प्रभाव वित्तीय पहुंच से कहीं आगे बढ़ कर महत्वपूर्ण सकारात्मक बाह्य प्रभाव उत्पन्न कर रहा है। ग्रामीण भारत में बैंकिंग, बचत और उपभोग सुगमता तक पहुंच शीर्षक से 2022 में किये गये एक अध्ययन में पाया गया कि बैंकिंग सुविधा तक पहुंच, बचत की बाधाओं को कम करके उपभोग सुगमता में सुधार करती है। यह मुद्दा गरीबों के लिए ऋण बाधाओं जितना ही महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार, वर्ष 2021 की एसबीआइ रिसर्च रिपोर्ट में पाया गया कि जनधन खातों में ज्यादा जमा राशि वाले राज्यों में अपराध की घटनाओं में कमी देखी गयी और जिन राज्यों में प्रधानमंत्री जनधन योजना खाता ज्यादा खुले हैं, वहां शराब और तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों के सेवन में महत्वपूर्ण कमी दर्ज की गयी।

बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच अब जब साकार होने की ओर है, ऐसे में आगे की चुनौती वित्तीय समावेशन को और गहरा करने की है।

उत्साहजनक रूप से, आरबीआइ का वित्तीय समावेशन सूचकांक इस दिशा में निरंतर प्रगति को दर्शाता है। वित्तीय समावेशन के तीन आयामों- पहुंच (35 प्रतिशत), उपयोग (45 प्रतिशत) और गुणवत्ता (20 प्रतिशत)- से संबंधित जानकारी को समाहित करने वाला यह समग्र सूचकांक 2021 में अपनी शुरुआत के बाद से लगातार बढ़ रहा है और मार्च 2024 तक 67.0 तक पहुंच गया है। इस पैमाने पर, जहां 0 पूर्ण बहिष्कार और 100 पूर्ण समावेशन को दर्शाता है, भारत का निरंतर शीर्ष की ओर बढ़ना देश भर में वित्तीय समावेशन के गहन और व्यापक होने को रेखांकित करता है। बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को आर्थिक मुख्यधारा में लाने में प्रधानमंत्री जन धन योजना की सफलता, एक बार की उपलब्धि नहीं है। यह गहन वित्तीय समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसके साथ ही यह जीवन, आजीविका और साझा समृद्धि में बदलाव लाने वाले प्रभावों को भी उजागर करता है।

(लेखक : भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं।)

कोल्हान की खबरें

गुरुजी का योगदान अविस्मरणीय और प्रेरणादायी : संजीव सरदार

- शिबू सोरेन को भारत रत्न दिए जाने के लिए झारखंड विधानसभा से प्रस्ताव पारित, विधायक ने जताई खुशी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/पोटका। झारखंड विधानसभा में दिशोम गुरू शिबू सोरेन को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पारित होने पर पोटका विधायक संजीव सरदार ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। विधायक ने कहा दिशोम गुरू शिबू सोरेन राजनीति में शुचिता, समर्पण और दृढ़ संकल्प के प्रतीक रहे। झारखंड के विकास और माटी के प्रति उनका योगदान अविस्मरणीय और प्रेरणादायी है। विधायक श्री सरदार ने कहा गुरुजी ने झारखंड की एकता और अखंडता को बनाये रखने में अहम भूमिका निभायी। एक महान नेता के रूप में उनकी विद्वता, संसदीय एवं प्रशासनिक क्षमता ने लोकतंत्र को सशक्त किया। श्री सरदार ने कहा शिबू सोरेन को भारत रत्न मिलना न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय होगा।

टाटा स्टील खेल विरासत खेलों के माध्यम से स्वास्थ्य और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर

खेल समाज को सशक्त बनाने और नयी पीढ़ी को दिशा देने का सशक्त मंच : मुकुल विनायक चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के चीफ मुकुल विनायक चौधरी ने कहा टाटा स्टील ने खेलों को सिर्फ मनोरंजन या प्रतिस्पर्धा का साधन नहीं माना, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और उत्कृष्टता की जीवनशैली के रूप में अपनाया है। कंपनी का मानना है खेल समाज को सशक्त बनाने और नयी पीढ़ी को दिशा देने का सशक्त मंच है। टाटा स्टील ने 19 प्रशिक्षण अकादमियों और विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना के जरिए जमीनी स्तर से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक खिलाड़ियों को तैयार किया है। तीरंदाजी, हॉकी, फुटबॉल और पैरा-ओलंपिक जैसे खेलों में अकादमी के खिलाड़ी लगातार देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा दीपिका कुमारी, कोमोलिका बारी, कल्याण चौबे, सुब्रतो पॉल, उमेश विक्रम जैसे नाम इसकी मिसाल हैं।जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और कलिंगानगर स्टेडियम जैसी सुविधाओं के अलावा, कंपनी ओडिशा सरकार के साथ मिल कर हॉकी, तीरंदाजी और क्लाइम्बिंग अकादमियों का संचालन कर रही है। राष्ट्रीय तीरंदाजी चैम्पियनशिप, एशियन यूथ स्पोर्ट क्लाइम्बिंग चैंपियनशिप, सैफ फुटबॉल कप और पैरा-बैडमिंटन नेशनल्स जैसे आयोजनों की मेजबानी कर टाटा स्टील ने देश में खेल संस्कृति को नयी ऊंचाई दी है। कंपनी खेलों को समावेशिता और विविधता का माध्यम मानती है। स्पेशल ओलंपिक और पैरा-बैडमिंटन जैसे कार्यक्रमों के जरिए विशेष आवश्यकताओं वाले खिलाड़ियों को मंच दिया जा रहा है। वहीं ट्रांसजेंडर समुदाय और ग्रामीण आदिवासी युवाओं को भी खेलों से जोड़ने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा टाटा स्टील फाउंडेशन के साथ मिलकर आयोजित समर कैंप्स बच्चों, विशेष कर दिव्यांग और वंचित वर्गों के लिए अवसर का मंच हैं। कंपनी का मानना है आज गैजेट्स की दुनिया में बच्चों को खेलों की ओर आकर्षित करना चुनौती है। कंपनी अपने कर्मचारियों को भी खेल गतिविधियों से जोड़ती

है और आइडी, जीडीसी, इंटर-कंपनी और स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड जैसे आयोजन कर कार्यस्थल पर खेल संस्कृति को मजबूत करती है। टाटा स्टील का विजन है हर स्तर पर प्रतिभा की पहचान और पोषण, ताकि झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की नयी पीढ़ी खेलों के जरिए स्वस्थ, अनुशासित और उत्कृष्ट जीवन जी सके।

डीएलएसए की टीम ने किया उपकारागार का निरीक्षण

सरायकेला (आजाद सिपाही)। सरायकेला खरसावां जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला रामाशंकर सिंह के निर्देश एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के आदेश के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम ने उपकारागार का निरीक्षण किया। टीम का नेतृत्व डीएलएसए सचिव तौसीफ मेराज और मुख्य एलएडीसी दिलीप कुमार ने की। गुरुवार को निरीक्षण के दौरान जेल प्रशासन से परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिये। टीम ने उन बंदियों से भी मुलाकात की जो सरायकेला क्षेत्राधिकार से संबंधित मामलों में घाघीडीह जेल में निरुद्ध हैं। मौके पर उन्होंने बंदियों को भरोसा दिलाया उनके प्रकरणों में अपील दायर करने के लिए हर हाल में विधिक सहायता उपलब्ध कराई जायेगी।

निजी कंपनियों में स्थायी नौकरियां ठेकेदारी से कराने पर सरकार ने झाड़ा पल्ला : पूर्णिमा साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विधायक पूर्णिमा साहू ने विधानसभा में निजी कंपनियों में कार्यरत श्रमिकों के हित का मामला उठाया। उन्होंने सरकार से सवाल किया क्या टिमकेन, टाटा रायसन, टाटा ब्लूस्कोप, टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट लिमिटेड समेत कई कंपनियों में स्थाई प्रकृति की नौकरियां ठेकेदारी प्रथा के जरिए करायी जा रही हैं। सरकार ने अपने जवाब में कहा ऐसी कोई विशिष्ट शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि सरकार ने यह भी माना वर्ष 2006 में ठेका मजदूर परामर्शदात्री समिति की जांच में कुछ प्रतिष्ठानों में श्रम कानून उल्लंघन पाया गया था। पूर्णिमा साहू ने सरकार के जवाब को गैरजिम्मेदाराना और श्रमिक विरोधी बताते हुए कहा जमशेदपुर समेत राज्य की कई कंपनियों में 10-12 साल से ठेका मजदूर स्थाई नहीं किये गये हैं, जो श्रम कानून का उल्लंघन है।

उन्होंने सवाल उठाया सरकार श्रमिकों का पक्ष ले रही है या कंपनियों का। सरकार का कहना है ठेका श्रमिकों की स्थिति की जांच कर ठेका श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिये गये हैं, लेकिन अब तक स्थाई प्रकृति के कार्यों में ठेका मजदूरों के शोषण से जुड़ी कोई शिकायत नहीं मिली है।

टाटानगर स्टेशन चौक में भाजपा का धरना 4 को, जनसमस्याओं के समाधान की होगी मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भाजपा जमशेदपुर महानगर आगामी 4 सितंबर को स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरना आयोजित करेगी। यह धरना टाटानगर रेलवे स्टेशन चौक स्थित शिव मंदिर के समीप सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा।धरना में सुंदरनगर, घाघीडीह, बागबेड़ा, जुगसलाई और परसुडीह मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ जिला पदाधिकारी और मोर्चा अध्यक्ष भी शामिल होंगे। भाजपा कार्यकर्ता जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से पर्व-त्योहारों को देखते हुए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की मांग करेंगे।

धरना की तैयारी को लेकर साकची जिला भाजपा कार्यालय में महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में बैठक हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए यह आंदोलन आवश्यक है। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य कुसुम पूर्ति, जिला महामंत्री अनिल मोदी, कार्यालय प्रभारी सुबोध झा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुशवाहा, महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलू मछुआ, ललन चौहान समेत मंडल अध्यक्ष अश्विनी तिवारी, आनंद कुमार, अमित मिश्रा, हनु जैन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अंचल अधिकारी की अध्यक्षता में सीएससी/वीएलइ संचालकों की बैठक

गम्हरिया (आजाद सिपाही)। सरायकेला खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड सभागार में अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। गुरुवार को बैठक में अंचल क्षेत्र के सभी सीएससी/वीएलइ संचालकों ने भाग लिया। इस मौके पर जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र के आवेदनों में होने वाली त्रुटियों पर विशेष चर्चा हुई। साथ ही म्यूटेशन से संबंधित आवेदन पत्र भरने में वीएलइ द्वारा की जाने वाली सामान्य गलतियों की पहचान कर उन्हें दूर करने पर जोर दिया गया। बैठक में अंचल अधिकारी ने फसल बीमा योजना और पीएम किसान योजना की केवाइसी प्रक्रिया में वीएलइ की अहम भूमिका बताते हुए संचालकों को त्रुटिरहित कार्य करने और लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन में सुधार लाना और वीएलइ संचालकों की भूमिका को और अधिक मजबूत करना है।

रंका एसडीएम ने की मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र की जांच

सामने आया नौ क्विंटल प्रति माह चावल का घोटाला, बंद मिला केंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। उपायुक्त गढ़वा के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी रुद्र प्रताप ने 28 अगस्त 2025 को लगभग ढाई बजे रंका प्रखंड परिसर स्थित मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र की जांच की। जिसमें लगभग 9 क्विंटल चावल की प्रत्येक माह घोटाला सामने आया तथा केंद्र बंद पाया गया। इसके संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी रुद्र प्रताप ने बताया कि प्रत्येक महीने 12 क्विंटल चावल, 75 किलो चना और 5 किलो सोयाबीन बरी आपूर्ति कर्ता द्वारा आपूर्ति की जाती है जिसमें प्रतिदिन 150 लोगों को खाने के लिए भोजन बनाने का लक्ष्य निर्धारित है। किंतु जांच से पता चला कि मुश्किल से 10-20 व्यक्ति ही भोजन कर पाते होंगे। जिसमें महीने में तो ढाई क्वींटल चावल की खपत होती होगी बाकी सब चावल और चना का घोटाला सामने आया है। उन्होंने बताया कि केंद्र में छोटा सा तसला डेगची पाया गया। दाल भारत केंद्र के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव को बुलाकर पूछताछ किया गया, तो सचिव मीना देवी ने बताया कि सब चावल खत्म हो गया है और बरी सड़ गया था, जिसे गाय को खिला दिया गया जबकि उक्त सामग्री 3 अगस्त 2025 को ही आपूर्ति किया गया था। केंद्र में स्टॉक की जांच की गयी, किंतु खाद्य सामग्री केंद्र में नहीं पाया। एसडीएम रुद्र प्रताप ने बताया कि इसकी रिपोर्ट उपायुक्त गढ़वा को भेजने की तैयारी की जा रही है। इसके संबंध में अंचलाधिकारी शिवपूजन तिवारी से पूछने पर उन्होंने बताया कि इसका देखरेख बीडीओ और सीओ दोनों ही करते हैं। एसडीएम सर 3:00 बजे के लगभग में जांच करने आये थे तब उन्होंने केंद्र को बंद।

गौरतलब है कि इस दाल भात केंद्र की देखरेख की जिम्मेदारी आपूर्ति पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी शिव पूजन तिवारी को है और उनके नाक के नीचे इतना बड़ा घोटाला होता रहा और पदाधिकारी सोते रहे हैं। इसके पीछे क्या राज है समय पर पता चल जायेगा।

मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र की जांच करते अनुमंडल पदाधिकारी रंका रूद्र प्रताप व अन्य।

सदर एसडीएम ने रात में किया सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर एसडीएम संजय कुमार ने बुधवार की रात अचानक सदर अस्पताल पहुंचकर यहां औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की जांच की और मरीजों तथा उनके परिजनों से बातचीत कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में एसडीएम ने आपातकालीन वार्ड, पुरुष एवं महिला वार्ड, दवा वितरण केंद्र, एम्बुलेंस की उपलब्धता, ममता वाहन कॉल सेंटर, पोस्टमार्टम हाउस तथा अस्पताल परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा हर कुछ कुछ सकारात्मक और सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्हें सूचना पट पर लगा रोस्टर अद्यतन नहीं मिला, इस पर उन्होंने संबंधित चिकित्सकों व कर्मियों को नित्य प्रतिदिन ड्यूटी में तैनात डॉक्टरों की विवरणी सूचना बोर्ड पर अपडेट करने का निर्देश दिया, ताकि आम जनता को यह पता चल सके कि किस दिन और समय पर किसकी ड्यूटी है। उन्होंने कहा कि वे अस्पताल ही नहीं बल्कि जहां कहीं भी निरीक्षण करने जाते हैं वहां कार्रवाई की बजाय सुधारात्मक प्रयासों में ज्यादा भरोसा करते हैं।

गढ़वाः हाथ-पैर बांध कर युवक की रात भर बेरहमी से पिटाई, पुलिस जांच में जुटी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर से सटे जोबरैया अशोक बिहार मोहल्ले में बुधवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी। पारिवारिक विवाद में अपने ही भाई ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर एक युवक की बेरहमी से रात भर पिटाई की। घटना में घायल की पहचान अशोक बिहार मोहल्ला निवासी मानिक चंद साव के पुत्र रणजीत कुमार (28 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर गढ़वा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल रणजीत को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार युवक को काफी चोटें आई हैं और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसी मामूली बात को लेकर परिवार के अंदर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि रणजीत कुमार के भाई और परिवार के अन्य सदस्यों ने उसे पकड़ लिया। आरोप है कि पहले उसके हाथ और पैर रस्सी से बांधे गए और इसके बाद पूरी रात उसकी बेरहमी से पिटाई की गयी।

यही नहीं, सुबह होते ही उसे मोहल्ले के एक पेड़ से बांध दिया गया और उस पर पानी डालते हुए लगातार मारा-पीटा गया। आसपास के लोग घटना को देखते रहे, लेकिन कोई भी बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। इस दौरान रणजीत दर्द से तड़पता रहा और परिवारवालों की बेरहमी का शिकार होता रहा।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई : अहले सुबह घटना की सूचना किसी तरह गढ़वा थाना पुलिस तक पहुंची। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और रणजीत को बंधन से मुक्त कराकर अस्पताल पहुंचाया। साथ ही घटना में शामिल उसके भाई सहित अन्य लोगों को पूछताछ के लिए थाना ले जाया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला दो भाइयों के बीच आपसी विवाद का प्रतीत होता है। हालांकि अब तक किसी भी पक्ष द्वारा पुलिस को लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे ही आवेदन प्राप्त होगा, कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

बीडीएसयू में ड्राइव अगेंस्ट ड्रग्स पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने कहा कि नशा केवल स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि परिवार, कैरियर और समाज के लिए भी विनाशकारी है

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के गुरुपदसंभव सभागार में ड्राइव अगेंस्ट ड्रग्स पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया क यह कार्यक्रम बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रांची इकाई के संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नौशाद आलम, डीआईजी, पलामू प्रमंडल और विशिष्ट अथिति अमन कुमार, पुलिस अधीक्षक, गढवा, झारखंड और हितेंद्र केशव अवस्थी, इकाई प्रमुख, ग्रासिम इंडसट्रीज लिमिटेड, रेहला, पलामू, एस शरिक उमर, अधीक्षक, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रांची, इकाई और गढ़वा के सब डिवीजनल पुलिस ऑफिसर नीरज कुमार थे। कार्यक्रम को शुभारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अथिति, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह और कुलपति प्रोफेसर एमके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने मुख्य अतिथि को पौधा, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किया।

विवि के कुलाधिपति ने कहा कि नशा केवल स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि परिवार, कैरियर और समाज के लिए भी विनाशकारी है। सभी युवाओं से अपील की गई कि वे नशे से दूर रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अथिति के रूप में उपस्थित अमन कुमार ने कहा कि ड्रग्स का उपयोग आज-कल बहुत तेजी से समाज में फैल रहा हैं। ड्रग्स की लत (नशे की आदत) से बाहर निकलना एक लंबी और धैर्यपूर्ण प्रक्रिया होती है। इसमें व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्तर पर मदद की आवश्यकता होती है। पुलिस द्वारा 112 टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है ताकि लोग गुप्त रूप से नशे की सूचना दे सकें। ताकि पुलिस प्रशासन ससमय पर आवश्यक कार्यवाही कर सके।

रारो पंचायत के लगभग 100 घर अंधेरे में ट्रांसफॉर्मर जलने से बिजली आपूर्ति ठप

डंडई (आजाद सिपाही)। डंडई प्रखंड के रारो पंचायत के पारदोहर और तुमिया टोला के करीब 100 घरों की बिजली आपूर्ति बीते एक सप्ताह से ठप है। यहां लगा 25 केवीए का ट्रांसफॉर्मर ओवरलोड होकर जल गया, जिससे ग्रामीण अंधेरे में जीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बार-बार ओवरलोड के कारण ट्रांसफॉर्मर जल जाता है और हर बार उन्हें खुद पैसे खर्च कर मरम्मत करानी पड़ती है। उन्होंने विभाग से कम से कम 63 केवीए का नया ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करेंगे। मामले में जेई कमल कुमार ने कहा कि ट्रांसफॉर्मर जलने की सूचना मिलते ही विभाग ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने कहां की अगले दो से तीन दिनों के भीतर नया ट्रांसफॉर्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जायेगी।

मनरेगा संघ का पुनर्गठन कर नयी कमेटी का गठन

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को मनरेगा संघ की बैठक आयोजित। बैठक में संघ के पुर्नगठन पर चर्चा की गयी तथा सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुमार वरुण ने की। सर्वप्रथम संघ के कार्यों की समीक्षा की गयी और पिछले कार्यकाल में हुए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। पुर्नगठित कमेटी में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी एई प्रिंस कुमार सिंह को सौंपी गयी। सचिव के पद पर तहमिद अंसारी का चयन हुआ, जबकि कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दयानंद प्रजापति को दी गयी। वहीं, संरक्षक के रूप में जय राम राम को चुना गया। उपाध्यक्ष पद पर सुनील तिवारी और मीडिया प्रभारी के रूप में आनंद कुमार रजक का चयन हुआ। इसके अलावा एमआईएस की जिम्मेदारी अनुज कुमार को दी गयी। सचिव तहमिद अंसारी ने कहा कि संगठन की एकजुटता ही उसकी असली ताकत है। बैठक में आनंद कुमार रजक, प्रमेंद्र विश्वकर्मा, प्रमानंद ठाकुर, मनोज कुमार, शशि कुमार, पिनांकी चतुर्वेदी, किशोर कुमार, धर्मराज सिंह समेत दर्जनों सदस्य शामिल रहे।

सूरत में मजदूरी करने गये युवक की बुखार से मौत

सगमा (आजाद सिपाही)। गढ़वा ज़िले के सगमा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत घघरी गांव में उस समय गहरा मातम छा गया, जब गांव के 24 वर्षीय अफ्जल अंसारी के निधन की खबर गांव पहुंची। अफ्जल अंसारी, सहादन अंसारी का पुत्र था और परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए गुजरात के सूरत शहर में मजदूरी करने गया था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह अपनी मेहनत और पसीने से घर का खर्च चलाने का सपना संजोए हुए था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मंगलवार को सूरत से यह खबर आई की अफ्जल को बुखार के कारण मौत हो गयी। जैसे ही यह मौत के खबर घर पहुंची तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया। अफ्जल अंसारी की असामयिक मौत ने यह संदेश दे दिया कि प्रवासी मजदूरों की जिंदगी कितनी असुरक्षित होती है। आज घघरी गांव में सिर्फ एक ही सवाल गूंज रहा है 'अब घर का उजाला कौन बनेगा?' इस दौरान घर पहुंचकर कर प्रखंड प्रमुख अजय साव,दीपक यादव, राजेश यादव, शैलेंद्र यादव, उदय चंद्रवंशी सहित कई लोगो नें घर के परिजनों को ढांढस बढ़ाया।

पंचायत समिति क्रियान्वयन समिति की बैठक में कई विभागों की हुई समीक्षा

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को प्रखंड स्तरीय पंचायत समिति क्रियान्वयन समिति की बैठक प्रखंड प्रमुख नारायण यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षा, कल्याण, कृषि, मनरेगा, आवास समेत कई विभागों की समीक्षा की गई। साथ ही कई प्रस्ताव भी पारित किये गये। बैठक में बीडीओ राकेश सहाय, मनरेगा लोकपाल गढ़वा सुशील तिवारी, बीपीओ सोनू कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी शाहिद अंसारी, पंचायत सेवक अंजनी कुमार, नीतीश कुमार, प्रवीण पांडे, रोजगार सेवक पीयूष पांडे, पंचायत समिति सदस्य ममता देवी, कमला देवी समेत कई जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवा नेता करीब अंसारी ने थामा राजद का दामन, कहा -

दबे कुचले गरीब और किसानों का हिमायती है राजद

दो माह पूर्व झामुमो से दिया था इस्तीफा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। मेराल दक्षिण के जिला परिषद सदस्य के पिता और युवा नेता करीब अंसारी ने बुधवार की देर शाम में राजद का दामन थाम लिया। करीब अंसारी दो माह पूर्व ही झामुमो नेताओं पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा देने के बाद से करीब अंसारी नयी राजनीति जमीन की तलाश में लगे थे। हाल ही में राजद के जिला अध्यक्ष सूरज सिंह के भाजपा में शामिल होने पर जिला राजद की राजनीति में अपना बेहतर भविष्य को देखते हुए राजद में शामिल होने का फैसला लिया। राजद के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला अध्यक्ष जमरूद्दीन अंसारी के नेतृत्व में करीब अंसारी के साथ गढ़वा के पूर्व प्रमुख फजील अहमद ने राजद के रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में पहुंच कर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह हुसैनाबाद के विधायक संजय सिंह यादव के हाथों राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण किया। सदस्यता ग्रहण करने के बाद करीब अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल में समर्पित होकर पूरी ऊर्जा के साथ पार्टी के कार्यों में अहम भूमिका निभायेंगे। मौके पर पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का प्रशंसा करते हुए कहा कि गंगा जमुनी तहजीब पर आधारित पार्टी दबे कुचले गरीब, किसान, अल्पसंख्यक का हिमायती है। इस मौके पर राजद नेता सुनील साहु, प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव सहित कई लोग थे।

अवैध संबंध को लेकर पति ने की पत्नी की हत्या पति ने भी सल्फास खाकर लगाया मौत को गले

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सेल टाउनशिप के आवासीय परिसर में बुधवार की देर शाम अपनी पत्नी का दामाद के साथ अवैध संबंध होने के कारण पति ने पत्नी की धारदार हथियार से वार कर हत्या करने बाद पति ने भी सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। जानकारी के अनुसार, टाउनशिप निवासी संजय डोम अपनी पत्नी रेशमा देवी और चार बच्चों (तीन बेटियां व एक बेटा) के साथ रहता था। करीब तीन वर्ष पूर्व उसने अपनी बड़ी बेटी बिट्टू की शादी उत्तर प्रदेश के ओबरा में रहने वाले मनु डोम से की थी। शादी के बाद बिट्टू के दो बच्चे भी हैं। लेकिन इसी बीच चर्चा रही कि संजय की पत्नी रेशमा देवी को अपने ही दामाद मनु डोम से प्यार हो गया। दोनों ने कुछ माह पूर्व शादी भी कर ली थी और रेशमा ओबरा में ही अपने दामाद के साथ रहने लगी थी। बताया जाता है कि रेशमा देवी दो दिन पूर्व ही भवनाथपुर लौटी थीं। बुधवार को पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ और बात इतनी बढ़ गयी कि संजय डोम ने गुस्से में पत्नी रेशमा देवी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। इसके बाद संजय ने भी सल्फास खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना का खुलासा तब हुआ जब संजय डोम टाउनशिप स्थित दादा गैराज के पास चिख-चिल्ला रहा था। उसकी आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और तीन युवकों ने उसे उठाकर सड़क पर लाया। संजय ने खुद जहर खाने की बात बताई। लोगों ने जब उसके घर जाकर देखा तो रेशमा देवी खून से लथपथ बेहोश पड़ी थीं।

स्थानीय लोगों ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने रेशमा को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर स्थिति में संजय को गढ़वा रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान गुरुवार की अहले सुबह उसकी भी मौत हो गयी।

आरके पब्लिक स्कूल मझिआंव में अंतर-सदनीय अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। आरके पब्लिक स्कूल, मंझिआंव में अंतर-सदनीय अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 25 छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और 'मोबाइल फोन स्कूली छात्रों के लिए उपयोगी हैं' विषय पर वाद-विवाद किया। प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में दमदार तर्क प्रस्तुत किए, जिससे उनकी तैयारी और तीक्ष्ण वाद-विवाद कौशल का प्रदर्शन हुआ। यह प्रतियोगिता आलोचनात्मक सोच और सार्वजनिक बोलने की क्षमता का एक शानदार प्रदर्शन थी।

प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार रहेः प्रथम स्थानः सुष्मिता कुमारी (कावेरी सदन), **द्वितीय स्थानः** आर्यन पाठक (यमुना सदन), **तृतीय स्थानः** गौरव चौबे (गंगा सदन)। विद्यालय के सामाजिक अध्ययन के शिक्षक, समीर वर्मा ने इस कार्यक्रम में एक सम्मानित निर्णायक के रूप में भाग लिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य केआर झा ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई दी और छात्रों को व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने वाद-विवाद के विषय पर भी अपनी राय दी, जिसमें कहा गया कि मोबाइल फोन एक उपयोगी तकनीक है, लेकिन इसका लाभ इस बात पर निर्भर करता है कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे मोबाइल फोन का विवेकपूर्ण उपयोग करें और अपने स्क्रीन समय को प्रबंधित करने के लिए एक समय सारणी बनायें।

विद्यालय के निदेशक, प्रसिद्ध शिक्षाविद् और लोकप्रिय समाजसेवी अलख नाथ पांडे ने ऐसे मूल्यवान कार्यक्रम के आयोजन के लिए विद्यालय की पहल की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये प्रतियोगिताएं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसने एक सर्वांगीण शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

हर नागरिक तक पहुंचे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं : दिनेश कुमार यादव

जिला स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न, उपायुक्त ने दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गयी तथा सिविल सर्जन एवं अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। बैठक की शुरूआत 108 एंबुलेंस सेवा की कार्यप्रणाली और संचालन व्यवस्था पर चर्चा से हुई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि एंबुलेंस सेवायें समय पर उपलब्ध हों, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में किसी मरीज को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया पर विमर्श हुआ। उपायुक्त ने कहा कि रिक्तियों की शीघ्र पूर्ति कर सेवा प्रदायगी को और प्रभावी बनाया जाए। इसी क्रम में 15वें वित्त आयोग एवं पीएम-ABHIM से संबंधित योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गयी। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रसूता माताओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवायें उपलब्ध कराई जायें तथा समय-समय पर जांच और टीकाकरण अनिवार्य रूप से हो। बैठक में UDID, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा की प्रगति की भी समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वास्थ्य सेवायें आमजन तक और अधिक सहजता से पहुंचें।

इस बैठक में सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ कैनेडी सहित स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी एवं चिकित्सा टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

समाहरणालय, कोडरमा
(जिला खेल शाखा)
E-mail:-sportskoderma17@gmail.com

:- सूचना :-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के ज्ञापांक–449/राँची दिनांक 12–08–2025 द्वारा प्राप्त निदेश के आलोक में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय "ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता–2025" का आयोजन दिनांक–30.08.2025 को बागीटांड स्टेडियम, कोडरमा में किया जाना निर्धारित है। विभिन्न खेलों के आयोजन से संबंधित विस्तृत सूचना निम्नवत् है:–

क्र० सं०	तिथि	समय	आयोजन स्थल	खेल विद्या (इण्डोर ग्रेम के तहत)
1.	30.08.2025	पूर्वाह्न 08:00 बजे से	बागीटांड स्टेडियम, कोडरमा	Chess, WeightLifting

नियम एवं शर्तें :–
1. खिलाड़ी कोडरमा जिले के स्थायी निवासी होना चाहिए।
2. प्रतियोगिता की आयु सीमा 14 से 40 वर्ष के बीच होना चाहिए मान्य जन्म प्रमाण पत्र/आधार कार्ड प्रस्तुत करना होगा।
3. इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 29.08.2025 के अपराह्न 2:00 बजे तक अपने–अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक/ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के माध्यम से अथवा स्वयं जिला खेल कार्यालय, कोडरमा में खिलाड़ियो का निबंधन कराना अथवा खिलाड़ियों का सूची उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। दिनांक 29.08.2025 के अपराह्न 2:00 बजे के बाद किसी भी टीम/खिलाड़ी का निबंधन स्वीकार नहीं किया जायेगा।
4. सभी आवेदक खिलाड़ीगण चयन हेतु उपस्थिति के दौरान चयनकर्त्ताओं के निदेशों का अनुपालन करेंगे।
5. प्रतिभागीयों को अपने साथ एक पहचान पत्र (मूल)/ विद्यालय से संबंधित बोनाफाइड प्रमाण पत्र की छायाप्रति अपने साथ लाना सुनिश्चित करेंगे।

नोटः– अधिक जानकारी हेतु जिला खेल कार्यालय, कोडरमा का सूचना पट्ट एवं विशेष जानकारी हेतु श्री अशोक कुमार तुरी, जिला खेल समन्वयक, कोडरमा (मोबाईल संख्या– 8210345455) से सम्पर्क कर सकते है।

ह0/–
जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, कोडरमा
PR 360642 Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs (25-26)_D

सांसद ने हिंडाल्को से खनन क्षेत्र में पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति ठीक करने को कहा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। जिला विकास समन्वय और अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक जिला परिषद सभाकक्ष, लोहरदगा में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता सांसद सुखदेव भगत ने की। बैठक में सांसद द्वारा बीते बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन की समीक्षा की और लंबित मामलों पर आवश्यक निदेश दिये गये। साथ ही, विभागवार भी कार्यों की समीक्षा की गयी। सांसद द्वारा कुडू-घाघरा पथ में लंबित कार्यों में गति लाते हुए कार्यपूर्ण करने का निर्देश दिया गया। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को पाखर खनन क्षेत्र के मुख्य पथ में गड्ढों को भरे जाने और पीसीसी पथ निर्माण संबंधित निर्देश दिया गया। साथ ही, प्रभावित क्षेत्र में पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया। खेल पदाधिकारी को पर्यटन क्षेत्रों को इको फ्रेंडली बनाये जाने का निर्देश दिया गया। अग्रणी बैंक प्रबंधक को एमएसएमई क्षेत्र में जिला के अनुसूचित जनजाति को आसान प्रक्रिया के तहत ऋण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही, बैंक पदाधिकारियों को ग्राहकों से उचित व्यवहार संबंधी कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सौ प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। विधायक प्रतिनिधि नीशीथ जायसवाल द्वारा बताया गया कि चरहू-मेरले पथ का शिलान्यास जो डॉ रामेश्वर उरांव, विधायक, लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र का शिलान्यास पूर्व में किया गया है उस पथ का निर्माण कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुआ है। इस संबंध में पथ का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ कराने का निर्देश ग्रामीण कार्य विभाग को दिया गया। कुडू में कई वर्ष पूर्व बने सामुदायिक भवन के संबंध में आवश्यक जांच कराने का निर्णय बैठक में किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी द्वारा सलगी लालू टोला में एएनएम की उपलब्धता सुनिश्चित करने की शिकायत पर सिविल सर्जन को आवश्यक निर्देश माननीय सांसद द्वारा दिये गये। विधायक प्रतिनिधि द्वारा किस्को-खरकी-कोचागांव पथ में गार्डवाल बनाये जाने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही चंदलासो के कोकर में हाथियों के कारण ग्रामीणों को हो रहे परेशानी से अवगत कराया गया। बैठक में सांसद द्वारा देवदरिया में स्वास्थ्य भवन, सदर अस्पताल में दंत चिकित्सक की कमी, रात में सदर अस्पताल परिसर में अवस्थित दवाई की दुकान चालू रखने, पलमी में स्वास्थ्य केंद्र में स्कूल का संचालन, बाल श्रम रोकने के लिए अभियान चलाये जाने, सेन्हा छोटी मस्जिद के पास लाईट की व्यवस्था, विद्युत विभाग के आरडीएसएस की योजना में रैयतों के भुगतान, भूमि संरक्षण के उपकरणों में आ रही शिकायत, लघु सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित चेकडैम की मरम्मति की आवश्यकताओं, समेत कई अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश विभाग के पदाधिकरियों को दिये गये।

ईश्वर के प्रति सच्ची आस्था से दुखों का नाश होता है : धीरज साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। बेड़ो प्रखंड के बेड़ो थाना परिसर में श्रीराधे कृष्ण यूथ संगम के द्वारा आयोजित गणेशोत्सव कलश स्थापना व पुजा अर्चना के साथ प्रारंभ हो गया। वही पंडाल में गणेशजी की प्रतिमा की विधिवत पूजा अर्चना की गयी। भगवान गणेश पूजा पंडाल के पट दर्शन के लिए खोल दिया गया। यहां गणेश भगवान की छह दिनों तक विधिवत पूजन की जायेगी। वहीं टेरा कोटा के तर्ज में बनी पंडाल के अंदर बंगाल के कारीगरों द्वारा विशेष विद्युत सज्जा की गयी है और विद्युत चालित प्रतिमा स्थापित की गयी है। महोत्सव को लेकर महावीर चौक, गुमला रोड, लोहरदगा रोड में आकर्षक रंगीन लाइटों से सजाया गया है। इधर पट खुलने बाद भगवान गणपति के दर्शन के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने फीता काटकर उद्घाटन किया और गणेश जी समक्ष मत्था टेककर क्षेत्र के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना किये। साथ ही पूर्व सांसद धीरज साहू ने कहा कि इस क्षेत्र में गणेश भगवान के पूजन को लेकर भक्तों में काफी उत्साह हैं, ईश्वर के प्रति सच्ची आस्था से दुःखो का नाश होता हैं। मौके पर लोहरदगा लोकसभा के पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व सांसद समीर उरांव, अधिवक्ता सचितानंद चौधरी, शंन्नी टोप्पो समेत कई गण्यमान्य लोगों ने गणपति बप्पा और पंडाल का अवलोकन किया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के लोहरदगा गुमला मुख्य पथ पर सेन्हा लकड़ी डीपु के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटर साइकिल सवार युवक घायल हो गया। घायल युवक की पहचान लोहरदगा थाना क्षेत्र के निगनी ग्राम निवासी केश्वर साहु का 45 वर्षीय पुत्र कुलदीप साहू उर्फ बबलू साहू के रूप में किया गया। घायल युवक को ग्रामीणों की सहायता से इलाज के लिये 108 एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया। जिसे जांचोपरांत चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार बताया जाता है की रात्रि करीब 9:30 बजे कुलदीप साहू अपनी बाइक से सिमडेगा से लौट कर निगनी अपना घर जा रहा था। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात वाहन आ रही थी। जिसके धक्का मारने से कुलदीप साहू को सिर और कमर में गंभीर चोटें लेगी। जिसे वह घायल हो गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने दल बल के साथ पहुंच कर एम्बुलेंस के माध्यम से लोहरदगा सदर अस्पताल भेजवाया। जहां जांच कर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

चौकीदार पंचायत संघ ने सीओ से शिष्टाचार भेंट की

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा चौकीदार पंचायत संघ के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को अंचल अधिकारी राम नारायण खलखो से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान पंचायत के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अंचल अधिकारी को बुके भेंटकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत लोहरदगा के जिला अध्यक्ष समसुल अंसारी ने चौकीदारों की विभिन्न समस्याओं से अंचल अधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिले के चौकीदारों को कई बरसो से वर्दी एवं अन्य सामग्री का भुगतान विभाग को पत्रचार नहीं किए जाने के समस्या हो रही है। इसके अलावा कुछ चौकीदारों को एसीपी, एमएसीपी का लाभ 2 वर्ष पहले मिल चुका है। जिन चौकीदारों को उक्त लाभ नहीं मिला है उन्हें लाभ दिया जाए। अंचल अधिकारी श्री खलखो ने चौकीदारों की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चौकीदार प्रशासन की जमीनी इकाई हैं और इनके बिना गांवों में शांति और सुरक्षा की कल्पना अधूरी है। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि सभी चौकीदारों और कर्मियों के मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान किया जायेगा। वहीं अंचल कार्यालय में बड़ा बाबू चंद्र किशोर भगत और अर्जुन प्रजापति भी विशेष रूप से मौजूद रहे। मुलाकात करने वालों में चौकीदार सतीश उरांव, अनिल उरांव, सुखदेव माली, फिरंगी मुंडा, शुजाउल अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी, मुमताज अंसारी, नुसरत अंसारी सहित अन्य कई चौकीदार शामिल हैं।

सेन्हा में भगवती जागरण का आयोजन

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित राम नगर सेन्हा में गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर गणेश पूजन के उपरांत बुधवार रात्रि में भव्य भगवती जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व अध्यक्ष रोहित साहु द्वारा सभी का स्वागत किया गया। वही भगवती जागरण कार्यक्रम में बिहार की प्रसिद्ध भोजपुरी भजन गायिका प्रियंका तिवारी, खुशी कक्कड़,बिक्की तिवारी, गोलू राजा,निक्की तिवारी, धनंजय शर्मा के द्वारा एक से बढ़ कर एक भजन प्रस्तुत किया गया। जिसे भक्तजन सुन कर झूम उठे वही धनंजय शर्मा द्वारा भगवान श्री शंकर जी का भजन हाथी न घोड़ा कोई सवारी पैदल आइबो तोहरे दुवारी के साथ कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया। वही खुशी कक्कड़ ने सब देवता में पहिले राउर पूजा होला मङ्गल के दाता भग्य के विधाता गणपति और राम आयेंगे मेरे झोपड़ी के भगये खुल जायेंगे तथा गोलू तिवारी द्वारा संसार रउरे चलाई हो प्रभु मोर लजिया बचायी और प्रियंका तिवारी ने हे गजानन हे गणेशा तनी आईं और लड्डूवा क भोग लगाई से शमा बांध दिया। कलाकारों द्वारा रात भर एक से बढ़ एक भजन प्रस्तुत किया गया। जिसे सुन भक्त श्रोता झूमते रहे। मौके पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अजातशत्रु सिंह,जेएमएम जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अहमद,सांसद प्रतिनिधि नन्दकिशोर शुक्ला के अलावे मिथलेश मिश्रा,अजित महतो, अवधकिशोर साहु,अंकित साहु, बृजमोहन प्रसाद, सार्थक, अक्षत समेत सैकड़ो महिला पुरुष और नन्हे मुन्ने भक्त उपस्थित थे।

पत्रकार पर हमला, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के पत्रकार सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता पर बुधवार की रात्रि हमलवारों ने हमला किया। मोटरसाइकिल में सवार तीन लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इसे ले कर गुप्ता ने बालूमाथ थाना में एक आवेदन सौंपा है। उन्होने आवेदन में बताया कि वे रांची से वापस लौट कर घर जा रहे थे। इसी दौरान एक पल्सर मोटरसाइकिल में सवार तीन लोगो ने उनकी कार को बार धक्का मारा व हमला कर दिया। इसके बाद आसपास के लोग जुटकर अपराधियों का पीछा किया। लोगो को पीछा करते देख कर अपराधी नगड़ा ओवरब्रिज के पास अपनी पल्सर मोटरसाइकिल छोड़कर अंधेरे का लाभ ले कर जंगल की ओर भाग निकला। घटना की सूचना मिलते पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नगड़ा ओवरब्रिज के पास से पल्सर मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। इधर, इस घटना को ले कर स्थानीय लोगों एवं पत्रकारों मे खासा रोष है गुरुवार को घटना के विरोध में बालूमाथ के रोजगार्डेन होटल में विभिन्न राजनीतिक दल, जनप्रतिनिधि, पत्रकार, प्रबुद्ध व सामाजिक लोगों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक के बाद लोग एक मौन जुलूस के रूप में थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में 24 घंटे के अंदर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की गयी। उधर चतरा सांसद कालीचरण सिंह लातेहार विधायक प्रकाश राम ने घटना की निंदा की है। कहा कि पत्रकार पर हमला चिंतनीय बताया। विधायक प्रकाश राम ने कहा कि अगर अपराधियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो बालूमाथ के सड़क पर आंदोलन किया जायेगा। बैठक में नवगठित लातेहार प्रेस क्लब के अध्यक्ष विकास तिवारी, संरक्षक राजीव मिश्रा, संजीत गुप्ता, पंकज गुप्ता, राहुल पांडेय, मनीष सिन्हा, मो अरशद, पप्पू गुप्ता, सत्येन्द्र कुमार के अलावा विधायक प्रतिनिधि संजय यादव, उपेंद्र यादव, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गझु, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष आमिर हयात, पूर्व उपप्रमुख संजीव सिन्हा, मुजम्मिल हुसैन, मो तौकीर अहमद, मुखिया नरेश आदि मौजूद थे।

महुआडांड एसडीएम के खिलाफ हिंदू महासभा ने की बंदी की घोषणा

महुआडांड (आजाद सिपाही)। महुआडांड एसडीएम बिपिन कुमार दुबे के खिलाफ महुआडांड हिन्दू महासभा ने कल शुक्रवार से अनिश्चितकालीन बंदी की घोषणा की है। इसे लेकर गुरुवार को स्थानीय दुर्गा बाड़ी परिसर में हिन्दू महासभा की बैठक हुई। बैठक में काफी संख्या में हिन्दू समुदाय के लोग मौजूद थे। बैठक में एसडीएम बिपिन कुमार दुबे के कार्य प्रणाली का हिन्दू महासभा के सदस्यों में काफी उबाल देखा गया एवं मौजूद हिन्दू सभा के सदस्यों ने इसका पुरजोर विरोध किया एवं एकमत से एसडीएम के खिलाफ महुआडांड प्रखंड को शुक्रवार से अनिश्चितकालीन बंद करने का निर्णय लिया गया। महुआडांड हिन्दू महासभा के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने अन्य दूसरे समुदाय के लोगों से भी बंद मे सम्मिलित होकर बंद को सफल बनाने का आग्रह किया है।

गुदरी बाजार धर्मशाला गली गणेश पूजा आयोजन समिति ने भंडारा आयोजित किया

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। गणेश उत्सव के मौके पर गुदरी बाजार धर्मशाला गली गणेश पूजा आयोजन समिति की ओर से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और भक्तिभाव से प्रसाद ग्रहण किया। समिति के सदस्यों ने सेवा भावना के साथ प्रसाद वितरण कर आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर समिति सदस्य अरुण वर्मा, ओमप्रकाश कांस्यकार, करुण कांस्यकार, तरुण वर्मा, विक्की महतो, बबली कुमारी, संध्या देवी, ज्योतिष कुमार, सत्यकाम, रंजीत कुमार, उत्तम कांस्यकार समेत समिति के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभायी। भंडारे का प्रसाद बनाने की तैयारियां सुबह से ही हो रही थी। आयोजन समिति के पुरुष महिलाएं और बच्चे इसमें तन मन व धन से लगे हुए थे। कोई सब्जी काट रहा था तो कोई चावल धो रहा था।

पंचायत उन्नति सूचकांक विषय पर कार्यशाला

भंडरा (आजाद सिपाही)। पंचायती राज विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को प्रखंड सभागार में पंचायत उन्नति सूचकांक विषय पर प्रखंडस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गयी। जिसमें पंचायत से संबंधित कर्मियों व जनप्रतिनिधियों को पंचायत उन्नति सूचकांक की विस्तृत जानकारी दी गयी। मौके पर बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पंचायतवार विकास की रूपरेखा तैयार करना है। एक ऐसी रूपरेखा जहां एक-एक विषय पर पंचायत का विकास किये जाने की संभावना तलाश कर उसे धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाना है। उन्होंने बताया कि पंचायती राज विभाग द्वारा इसके कई थीम बनाये गये हैं। जिसमें गरीबी उन्मूलन, बेहतर आजीविका, संपूर्ण स्वास्थ्य, बाल विकास, पंचायत की बेहतर संरचना, ग्रामीण हरित योजनाएं व संभावनाएं, सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत आदि शामिल हैं। मौके पर पंचायत उन्नति सूचकांक के संबंध में विभाग के कर्मी द्वारा प्रत्येक बिंदुओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उपप्रमुख राजमनी उराँव, मुखिया धनेश्वरी उरांव, कइली उरांव, परमेश्वर महली, सुमंती तिग्गा,सुमित उरांव, टेले उरांव, कृषि पदाधिकारी नवप्रभात कुजूर, मनोज कुमार,मनीष अग्रवाल, पंचायत सेवक महिपाल भगत, अजय भगत, अलोक लकड़ा, अभिजीत भगत, आशीष कुजूर, जन सेवक, रोजगार सेवक, जनप्रतिनिधि, जल सहिया आदि उपस्थित थे।

ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच ने निकाला जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। झारखंड नवनिर्माण दल व ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच के द्वारा गुरुवार को जुलुस निकाला गया। भंडरा प्रखंड बस्ती के बाजार टाड से दल के जिला प्रभारी सोमे उरांव के नेतृत्व में जुलूस प्रदर्शन आयोजित कर मुख्यमंत्री के नाम बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सहारा इंडिया सहित सभी ननबैंकिंग में लोगों के जमा मेहनत के पैसे को सूद समेत भुगतान कराने की मांग की गई। उन्होंने कहा की सभी ननबैंकिंग में जमा पैसे की भुगतान नहीं कर केंद्र व राज्य सरकार निवेशकों के साथ अन्याय कर रही है जिसका पुरजोर विरोध किया जायेगा। जल्द ही पैसा भुकतान कराने की पहल सरकार द्वारा नहीं कराया जायेगा तो संघ अपना आंदोलन और तेज करने की बात कही। कार्यक्रम में शनि उरांव, फूलो उरांव, गंगेश्वर भगत सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लोहरदगा में डीसी से जर्जर सड़क बनवाने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। जर्जर सड़क की समस्या को लेकर पाखर लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष आरीफ हुसैन बबलू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को उपायुक्त डॉ ताराचंद से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि किस्को प्रखंड के पाखर पंचायत के अंतर्गत पाखर उपर पाठ यात्री शेड से हिंडाल्को कंपनी के कांटा घर तक की सड़क अत्यंत ही जर्जर स्थिति में है। इसी सड़क से रोजाना सैकड़ों ट्रकें आते जाते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं छात्र-छात्राओं का एवं दुर्गम क्षेत्र में निवास करने वाले आदिम जनजाति के निवासियों का आवागमन का भी मुख्य सड़क यही है। लोग जान जोखिम में डालकर सड़क पर चलने को मजबूर हैं। कई बार छोटे-छोटे हादसे हो चुके हैं। उपायुक्त ने प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिलाया है कि इस पर जांच करा कर सड़क बनवाने की दिशा में जल्द पहल की जायेगी। पाखर लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष आरीफ हुसैन बबलू के अलावे एकरामुल अंसारी, इरशाद अहमद, शाकिर अंसारी, सरवर आलम, जियाउल अंसारी, अकबर अंसारी आदि शामिल थे।

मृतक के आश्रितों से मिले अनीस अहमद, दी आर्थिक मदद

कैरो (आजाद सिपाही)। विगत दिन सोमवार को कैरो प्रखंड के ग्राम उतका निवासी जसवंत मिंज पिता स्वर्गीय सोहन मिंज उम्र लगभग 70 वर्षीय का निधन वज्रपात से हो गयी थी। इसकी सूचना विधायक डॉ रामेश्वर उरांव को मिलने पर प्रखंड अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल मृतक के आवास ग्राम उतका भेज कर मृतक के आश्रितों से मिलकर ढांढस बंधाया एवं उनके पुत्र युवा नेता रोहित प्रियदर्शी उरांव के द्वारा तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद ने कहा कि विधायक डॉ रामेश्वर उरांव पूर्व राज्य सभा सांसद धीरज प्रसाद साहू एवं विधायक पुत्र रोहित प्रियदर्शी उरांव लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र ही नही समस्त पूरे झारखंड वासियों के हर सुख दुख में 24 घंटा तत्पर खड़े हैं। कांग्रेस परिवार इस दुख की घड़ी में शोकित परिवार के साथ है एवं आगे भी हर संभव सहयोग करेगी। साथ ही प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद ने टेलीफोन पर प्रखंड प्रशासन से बात कर सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद कैरो पंचायत अध्यक्ष परवेज अंसारी प्रखंड महासचिव मोजाहिर अंसारी शमीरुद्दीन अंसारी जमील अंसारी जीवन लकड़ा तबिता मिंज अरुण मिंज ईडेन मिंज शिवा मिंज सुप्रिया मिंज सुलोमिन मिंज सुनील मिंज आदि उपस्थित थें।

14 को होगा ऑल इंडिया मोमिन कांफ्रेंस का सम्मेलन, तैयारियां तेज

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा सदर प्रखंड मुख्यालय के समीप स्थित नया नगर भवन में आगामी 14 सितंबर को ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस का भव्य सम्मेलन होना तय पाया गया है। उक्त सम्मेलन में आल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष के अलावा कई सम्मानित नेता मोमिन कॉन्फ्रेंस के शामिल होंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष हाजी सिकंदर अंसारी ने बताया कि ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस को लोहरदगा जिला में सशक्त बनाने हेतु और सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर जिला स्तरीय कोर कमिटी का गठन किया गया है। जिसमें हाजी अब्दुल जब्बार अंसारी, हाजी सिकंदर अंसारी, जहूर अंसारी, ऐनुल अंसारी, सवारत हुसैन, हाजी मुमताज अंसारी, मोजम्मिल अंसारी, हातिम अंसारी, शहादत अंसारी,सगीर अंसारी, इम्तियाज अंसारी, एजाज अंसारी, समसुद्दीन अंसारी, रूस्तम अंसारी और रौनक एकबाल को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर भवन में आयोजित जिला स्तरीय कोर कमिटी के सम्मेलन की सफलता हेतु सभी प्रखंडों के अध्यक्षों नगर अध्यक्ष और सदस्यों के साथ आने वाले 31 अगस्त को दोपहर 3 बजे हाजी अब्दुल जब्बार अंसारी के आवास पर एक आवश्यक और रणनीति बैठक आयोजित की गयी है।

लोहरदगा में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

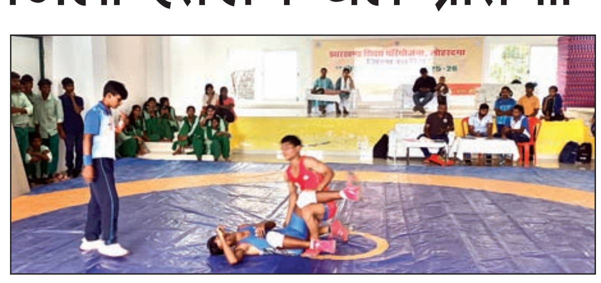

लोहरदगा। स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, झारखंड के निदेश के आलोक में झारखण्ड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा (शिक्षा विभाग) के तत्वाधान में खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2025-26 के द्वितीय चरण में खो-खो और कुश्ती एवं वुशु प्रतियोगिता का आयोजन सीएम उत्कृष्ट विद्यालय, नदिया हिन्दू, लोहरदगा में की गयी। एक दिवसीय खेल का विधिवत उद्घाटन एडीपीओ, मोनीदीपा बनर्जी, प्रभाग प्रभारी आकाश कुमार, शारीरिक शिक्षकों तथा प्रतिभागियों आदि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। अंडर 14, 17 और अंडर 19 बालक एवं बालिकाओं के खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी सात प्रखंडों के विभिन्न विद्यालयों के प्रखण्ड स्तरीय विजेता टीम यथा सरकारी मध्य, उच्च केजीबीवी और एकलव्य विद्यालयों के कुल 38 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में जिला के विभिन्न विद्यालयों के अंडर-14, 17 और 19 वर्ग में बालक और बालिका और बालक की टीमें भाग ले रही हैं। कुश्ती प्रतियोगिता में ओपन ट्रॉयल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विजयी प्रतिभागी राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। 29 अगस्त 2025 को बैंड प्रतियोगिता का आयोजन केजीबीवी, सीएम एसओइ कुजरा में और एथलेटिक्स का आयोजन डाईट, चिरी परिसर स्थित खेल मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु शिक्षा विभाग से जीतेंद्र मित्तल, सुनील तिर्की, पंकज कुमार, उर्सला कुजूर, बिपिन किशोर लकड़ा, खुशबू कुमारी, तबारक अंसारी, रामरति प्रजापति, अनिल उरांव, राजेश साहू,सारू उरांव, विशाल संदीप कुजूर, संतोष टोप्पो, मोहित मुकेश, ज्ञान प्रकाश कुजूर, दुर्गा प्रजापति,अमन साहू आदि अपना योगदान दे रहे हैं। साथ ही चिकित्सा विभाग, लोहरदगा के चिकित्साकर्मी भी खेल के दौरान अपनी सेवा दे रहें हैं। सभी मैच का संचालन लोहरदगा जिले के रजिस्टर्ड रेफरी एवं शारीरिक शिक्षकों के निर्देशन में किया जा रहा है।

प्राचीन दुर्गा पूजा समिति चांदकोपा की बैठक

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्राचीन दुर्गा पूजा समिति चांदकोपार की बैठक स्थानीय सामुदायिक भवन में रखी गयी। इस दौरान इस वर्ष शारदीय नवरात्र धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में गत वर्ष का आय एवं व्यय का ब्यौरा पेश किया गया। साथ ही पुरानी कमेटी को भंग कर नयी कमेटी का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया जिसमे अध्यक्ष बृजेश साहू, उपाध्यक्ष अरविंद साहू, ओम प्रकाश साहू, रंजीत साहू, बबलू राम,आनंद साहू, सचिव सिकंदर साहू, सह सचिव रूपेश कुमार, आनंद राम, प्रतिश कुमार, प्रवीण साहू, कोषाध्यक्ष उपेन्द्र कुमार साहू, संरक्षक दीपक ठाकुर, पवन कुमार, कपिल साहू,राम सूरज राम, प्रदीप साहू, गंगा साहू को बनाया गया। बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महासप्तमी एवं महाअष्टमी के दिन नाटक एवं अन्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में दीपक ठाकुर, बृजेश साहू, कपिल साहू ,रूपेश साहू, पवन कुमार, संदीप साहू, अंजनू साहू,लोकेश साहू,नितिन कुमार,संतोष कुमार,अरविंद साहू, प्रकाश, प्रणव, मोनू, आयुष, प्रतिश, कौशल, शुभम, विवेक आदि उपस्थित थे।

ट्रैफिक पुलिस की मनमानी के खिलाफ टोटो चालकों का प्रदर्शन

देवघर (आजाद सिपाही)। शहर में टोटो चालकों ने ट्रैफिक पुलिस की मनमानी के खिलाफ गुरुवार को टावर चौक से विप चौक के बीच एक विशाल जुलूस निकाला, गया। जिसकी अगुवाई बजरंगी महथा ने की। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस प्रशासन ने टोटो चालकों को बेवजह चालान काटना और परेशान करना बंद नहीं की, तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने प्रशासन को चेताते हुए कहा कि टोटो चालकों के साथ न्याय और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। वहीं, टोटो चालकों ने कहा कि वे अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष करने को तैयार हैं। पुलिस प्रशासन को उनकी मांगों पर ध्यान देना होगा।

डायन बताकर वृद्धा पर चाकू से हमला

बेटी की भी जान लेने की कोशिश का आरोप, चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर/पलामू। चैनपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर निवासी ननकलिया कुंवर (60) के ब्यान पर चैनपुर थाना में चार लोगों के खिलाफ जान मारने की नियत से चाकू मारने का मामला दर्ज किया गया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि एमआरएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती महिला ननकलिया कुंवर के बयान पर कल्याणपुर निवासी उपेंद्र चौधरी, आशा देवी, मनोरमा देवी और सोनवा देवी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ननकलिया कुंवर ने बयान दिया था कि बुधवार की सुबह वह किसी काम से छपरदागा जा रही थी जहां घर से कुछ दूरी पर अचानक उपेंद्र चौधरी ने चाकू से मेरे गर्दन पर वार किया। जिससे वह गिर गई।इसके बाद हत्या करने की बात कहते हुए ताबड़तोड़ पेट, आंख और हाथ पर चाकू से कई बार किया। वह चीखने-चिल्लाने लगी तो आसपास के लोगों ने दौड़कर उसकी जान बचाई। घर पहुंची तो देखा कि बेटी बबीता कुमारी को भी हत्या करने की नीयत से आशा देवी, मनोरमा देवी और सोनवा देवी लाठी-डंडा से पीट रही थीं। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने दौड़कर बेटी की जान बचाई। वह लोग डायन होने का आरोप लगा रहे थे। उधर, थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

महिला को लाठी-डंडे से मारकर किया घायल

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा गांव निवासी खुर्शीद खान की पत्नी रेशमा बीबी (45) को गांव के ही ग्रामीण अमरूदीन खान, अंशार खान, अफसाना बीबी, मुशहत बीबी और गुलशन खातून ने लाठी डंडे और टांगी से सिर पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को दोपहर घायल रेशमा का किसी बात को लेकर गांव के अमरूदिन खान, अंसार खान से बहस हो गई। इसी बीच सभी लोगों ने मिलकर रेशमा को लाठी डंडे और टांगी सर में मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के बाद भी रेशमा की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर अस्पताल पुलिस चौकी के एएसआई सुशीला टीयू पुलिस जवान महेंद्र कुमार और विकास कुमार अस्पताल पहुंचकर परिजनों से जानकारी ली।

भाजपा नेता मनोज सिंह के आवास पहुंचे रघुवर दास, उनके पिता को अर्पित की श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास गुरुवार को मेदिनीनगर शहर के हमीदगंज स्थित भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह के आवास पहुंचे और उनके पिता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला संघचालक स्वर्गीय ध्रुव नारायण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। रघुवर दास ने कहा कि स्वर्गीय ध्रुव नारायण सिंह संघ परिवार के स्तंभ रहे हैं। उनका संपूर्ण जीवन हमेशा गरीबों की सेवा में लगा रहा। उनके विचार आज भी समाज के लोगों में चर्चा का विषय है। दिवंगत आत्मा को नमन करते हुए ईश्वर से प्रार्थना है कि वह अपने श्री चरणों में स्वर्गीय ध्रुव बाबू को स्थान दें। इस मौके पर गणेश मिश्रा, सिमरिया के पूर्व विधायक किशुन दास, वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, सुनील पासवान, विजय ओझा, शिवकुमार मिश्रा, बिट्टू सिंह, दिलीप तिवारी, अविनाश वर्मा, जय दुबे, अरविंद गुप्ता, धीरेंद्र दुबे, प्रियरंजन कुमार, जितेंद्र तिवारी, प्रेमजीत कुमार, शशि भूषण पांडे, विजय शर्मा, कुमार गौरव, अविनाश सिन्हा उर्फ छोटू, सरवन गुप्ता, अजय सिंह, सुनील तिवारी, विजय पाठक, विजय ठाकुर, राजेश गुप्ता, श्वेतांग गर्ग, विजय कुशवाहा, विकास सिंह, संजय कुमार, राजेश सिंह, शिवकुमार पांडे, रोहित शर्मा, रोहित पाठक, भूषण सिंह, रोहित सिंह और पिंकू सिंह आदि मौजूद थे।

ट्रांसफॉर्मर की किल्लत से छतरपुर में मचा हाहाकार, एक हफ्ता भी नहीं टिके आधा दर्जन गांवों में लगे ट्रांसफॉर्मर

निर्धारित समय पर उत्तम किस्म का ट्रांसफॉर्मर छतरपुर में नहीं लगा तो होगा आंदोलनः अरविंद

छतरपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के कई इलाकों में लोग उमस भरी बरसात में बिजली के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं। कारण है समय पर इलाके में खराब पड़े ट्रांसफार्मर का बदला नहीं जाना। कहीं ट्रांसफार्मर बदले भी जा रहे हैं तो वे इतने घटिया क्वालिटी के हैं कि कहीं, एक दिन और कहीं एक हफ्ता भी नहीं चल पा रहे हैं। इस कारण लोगों का समय और पैसा बर्बाद हो रहा है। सूत्रों की मानें तो मेदिनीनगर स्थित 'ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग वर्कशॉप' (टीआरडब्लू) में से ही घटिया क्वालिटी के ट्रांसफार्मर की आपूर्ति की जा रही है जिस कारण ट्रांसफार्मर जल्दी जल जा रहे हैं। इस मामले में क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता चुनमुन ने बिजली विभाग को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अगर विभाग ने संबंधित जगहों पर शीघ्र ही ट्रांसफार्मर नहीं लगाया तो वे शहरी और ग्रामीण इलाके के लोगों के साथ आंदोलन करने को विवश होंगे। कहा कि छतरपुर के भगवान टोला, कंचनपुर, दिनादाग में दो बार, लोहराही, बैरियाडीह, पटखाही खैरादोहर, नौडीहा बाजार के धनुडीह आदि जगहों पर ट्रांसफार्मर लगाए गए थे, जिनकी गुणता निम्नस्तरीय थी। जो लगाने के साथ ही कुछ ही दिन और हफ्तों में जल गये। इस कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अरविंद ने पलामू प्रमंडल विद्युत विभाग के जनरल मैनेजर से आग्रह किया है कि उपरोक्त गंभीर समस्या पर संज्ञान लेते हुए समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करें।

बिहार में एसआइआर का विरोध कर रहे आइएनडीआइए गठबंधन की जनता ने ही हवा निकाल दी है : डॉ दिलीप

बाबा धाम पहुंचे बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, की पूजा-अर्चना

देवघर (आजाद सिपाही)। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल गुरुवार को देवघर पहुंचे और बाबा बैद्यनाथ की पूजा की। इसके बाद देवघर सर्किट हाउस में मीडिया से बात की। कहा कि तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या आइएनडीआइए गठबंधन के लोग जिस मुद्दे को लेकर बिहार पहुंचे हैं और एसआइआर को लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं। उसका कोई लाभ नहीं मिलने वाला, क्योंकि यहां की जनता ने उनकी हवा निकाल दी है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का साफ आदेश है कि जब तक एक-एक मतदाता को न्याय नहीं मिलता तब तक यह जारी रहेगा। कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में विकास की एक लंबी लकीर खींच दी है। सत्ता पक्ष तीन महीने से लगातार विपक्ष को चुनौती दे रहा है कि विकास को लेकर बहस करें, लेकिन विपक्ष में ऐसा करने की हिम्मत नहीं है। बताया कि आज बिहार के अंदर फोर लेन, सिक्स लेन सड़क, गांव में बिजली सहित बिहार में प्रतिदिन विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। कहा कि तेजस्वी यादव माइ-बहन योजना लेकर आ रहे हैं। जिस भी राज्य में इस तरह के प्रलोभन वाली योजना लेकर विपक्ष आया है वहां मोदी की गारंटी चली है भाजपा की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता जी के बारे में अभद्र टिप्पणी करने के लिए तेजस्वी यादव सहित पूरे आइएनडीआइए गठबंधन को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। सत्ता के लिए इस स्तर से गिर जाना और प्रधानमंत्री की माता जी के बारे में अभद्र टिप्पणी करना यह दर्शाता है कि सत्ता लोभ में विपक्ष किस कदर अंधे हो गये हैं।

स्वयंसेवक पर पीएम आवास का पैसा गबन करने का लगा आरोप

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। सतबरवा प्रखंड अंतर्गत दुलसुलमा पंचायत के रांची रोड सेमरा टोला में पीएम आवास का पैसा गबन करने का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत लाभुक की पुत्री रिता कुमारी ने बताया कि 2020 में उसकी मां बुधनी कुंवर के नाम से पीएम आवास मिला था। जिसका सारा पैसा स्वयंसेवक उपेंद्र सिंह से यह कहकर उसकी मां से ले लिया कि वे लोग खा-पी कर उसे खर्च कर देंगे। इस लिए पैसा उसे दे दें, ताकि घर बनवा कर उन लोगों को सौंपा जा सके। लेकिन आज तक घर नहीं बनाया। जब घर बनवाने की बात करते हैं, तो उपेंद्र सिंह कहता है कि आदमी लगाकर बनवा लो।

स्कूल में कार्य कर रही दो महिला सफाई कर्मियों पर गिरा लकड़ी का पटरा, घायल

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। रेहला-बी मोड़ के गोदरमा कला स्थित सनातन विद्या निकेतन स्कूल में कार्य कर रही दो सफाई महिला कर्मियों पर गुरुवार को एक बड़ा लकड़ी का पटरा गिर गया। जिससे दोनों महिला सफाई कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गयी। उनकी पहचान विश्रामपुर थाना क्षेत्र निवासी बिनोद राम की पत्नी सीता देवी (40) और विश्रामपुर के ही सोना कुंवर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सफाई महिला कर्मी स्कूल भवन के नीचे साफ-सफाई कर रही थीं। तभी अचानक बिल्डिंग के ऊपर से एक लकड़ी का बड़ा पटरा गिर गया। जिससे सीता देवी और सोना कुंवर घायल हो गयी। दोनों को विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुये घायल सीता और सोना देवी को बेहतर इलाज के लिये मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। जहां दोनों का इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सीता देवी की हालत नाजुक है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंच कर मामले की जानकारी ली।

मातृ मंदिर कन्या विद्यालय में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

देवघर (आजाद सिपाही)। बाबा बैद्यनाथ वेलफेयर सोसाइटी ने देवघर के मातृ मंदिर कन्या विद्यालय में गुरुवार को क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया। जिसमें चार हाउस ने भाग लिया। इसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार विजेता ब्लू हाउस की आयुषी कुमारी, पूजा, सृष्टि और ज्योति रहीं। जबकि द्वितीय पुरस्कार विजेता येलो हाउस की अनूपा, श्रुति, आद्या और दीक्षा, तृतीय पुरस्कार विजेता ग्रीन हाउस की हर्षिता कुमारी, दीपा, स्नेहा और लक्ष्मी को मिला। वहीं, सांत्वना पुरस्कार में चतुर्थ पुरस्कार रेड हाउस की साक्षी, निधि, श्रुति और प्रीति को प्राप्त हुआ। प्रधानाध्यापिका विशु किरण ने संस्था को इस तरह के कार्यक्रम करने के लिए धन्यवाद दिया। उम्मीद जताई कि आगे भी सरकारी विद्यालय में इस एनजीओ द्वारा और कार्यक्रम कराया जाएगा। वहीं, संस्था के सचिव डॉ मनोज कौशिक ने प्रधानाध्यापिका को ऐसे सफल कार्यक्रम करने के लिए धन्यवाद देते हुए वादा किया कि आगे भी इस तरह के कार्यक्रम विद्यालय में कराया जाएगा। कार्यक्रम में लगभग 500 बच्चियों के बीच जूस वितरित किया गया।

गणपति पूजन संपन्न, निकला विसर्जन जुलूस

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। हिंदू महासभा की ओर से विश्रामपुर में गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गयी। सोरडीह चौक पर बने पूजा पंडाल में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा का पूरे विधि विधान से पूजा और हवन के बाद महोत्सव संपन्न हुआ। इस दौरान पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं, गुरुवार की शाम को भव्य विसर्जन जुलूस निकला। जिसमें शामिल झांकी आकर्षण का केंद्र रहा। मौके पर आयोजन कमेटी के अध्यक्ष अमित सोनी, संदीप गुप्ता, अमन कुमार चंद्रवंशी, ओम सोनी, सुमंत कुमार विश्वकर्मा, शुभम गुप्ता, रवि और आलोक आदि थे।

पूर्व प्राचार्य आनंद सिंह की बर्खास्तगी के प्रतिवाद में एके सिंह कॉलेज कर्मियों का प्रदर्शन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला एके सिंह कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ आनंद कुमार सिंह को बर्खास्त किए जाने का मामला तूल पकड़ते जा रहा है। इसे लेकर गुरुवार को कॉलेज गेट के बाहर शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों के अलावा कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। जिसकी अध्यक्षता प्रो मो अयूब एवं संचालन अरुण कुमार सिंह ने किया। अपने संबोधन में प्रो चंदन सिंह ने कहा कि कॉलेज सचिव द्वारा पूर्व प्राचार्य सह शिक्षक प्रतिनिधि को नियम विरुद्ध असंवैधानिक तरीके से बर्खास्त किया गया है। कहा कि नीलांबर पीतांबर विश्विद्यालय की ओर से 19 जुलाई को शासी निकाय को भंग करने हुए अधिसूचना जारी किया था। जिसके अनुरूप डॉक्टर आनंद कुमार सिंह प्रभारी प्राचार्य के पद पर रहकर कॉलेज का संचालन कर रहे थे, लेकिन इसी बीच एक राजनीतिक साजिश के तहत 14 अगस्त को राजभवन सचिवालय द्वारा कॉलेज सचिव के नाम ईमेल आया की विश्विद्यालय के आदेश को रद्द कर दिया गया है। 18 अगस्त को कॉलेज के सचिव प्रफुल्ल कुमार ने अपने मोबाइल से रात 11 बजे वॉट्सअप किया की आप प्रभारी प्राचार्य का कुर्सी खाली कीजिए। कहा कि कॉलेज सचिव, पूर्व प्राचार्य सूर्यमणि सिंह और उनकी टीम के कुछ लोगों द्वारा कॉलेज को लूटा गया है। बिना शासी निकाय की बैठक किये बजटीय प्रावधान के करोड़ों रुपया खर्च किया गया है। जब डॉक्टर आनंद कुमार ने प्रभारी प्राचार्य का प्रभार लिया और बैंक से कॉलेज का स्टेटमेंट मांगा तो पता चला की दो वर्षों में 20 करोड़ रुपया की निकासी की गई है। इससे बचने के लिए पुनः सूर्यमणि सिंह को महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया है, ताकि इसकी लीपापोती हो सके। जिसकी विश्वविद्यालय की ओर से जांच की जा रही है। इस मौके पर पंसस अजित सिंह, राणा रंजीत, प्रो जयशंकर प्रसाद सिंह, नरेंद्र कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, प्रल्हाद पाल, अरुण कुमार सिंह, मीना गुप्ता, सुनील कुमार सिंह, अनिक पाल और नरेश सिंह आदि मौजूद रहे।

डीसी ने की जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक, अधिकारियों को दिया जमीनी स्तर पर कार्य करने का निर्देश

सभी घरों को आवश्यकता अनुरूप पीने का शुद्ध पानी पहुंचाना सरकार का उद्देश्य : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। डीसी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के साथ जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई। इसमें डीसी ने दोनों प्रमुख कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल से पानी पहुंचाने, जेजेएम और स्वच्छता सुनिश्चित करने, एसबीएम के लक्ष्यों को शत प्रतिशत हासिल करने की दिशा में कार्य करने का निर्देश संबंधित कार्यपालक अभियंता को दिया। बैठक में जलापूर्ति योजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन, ठोस और तरल कचरा प्रबंधन, सामुदायिक शौचालयों के निर्माण और रख-रखाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया। इस दौरान डीसी ने अभियान के तहत किए गए कार्यों के अलावा, आने वाले दिनों में किए जाने वाले कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कहा कि जल जीवन मिशन एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत चालू नल के माध्यम से सभी घरों को आवश्यकता अनुरूप शुद्ध पीने का पानी पहुंचाना सरकार का उद्देश्य है। उन्होंने जलजीवन मिशन अंतर्गत मल्टी विलेज स्कीम, सिंगल विलेज स्कीम, सिंगल विलेज क्लस्टर स्कीम, पीएम जनमन अंतर्गत लाभुकों के घरों में टैप कनेक्शन, पीवीटीजी स्कीम, एसटी-एससी के लिए संचालित योजनाओं में टैप वाटर की सुविधा, डीएमएफटी, एससीए एवं आईटीडीए अंतर्गत संचालित योजनाओं में वाटर कनेक्शन से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए समय पर योजना को पूर्ण करने के उद्देश्य से संबंधित कार्यपालक अभियंता को आवश्यक निर्देश दिया। कहा कि जिन घरों में नल की आपूर्ति पूर्व में सुनिश्चित की गई है उन सभी घरों को छोड़कर शेष योग्य घरों में जल्द से जल्द नल के माध्यम से पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि ससमय योजन को पूर्ण किया जा सके। बैठक में डीसी द्वारा जिला में एमपी-एमएलए फंड, सीएसआर, डीएमएफटी, सीएसए, अनटाइड फंड आदि के तहत लिए गए वाटर सप्लाई स्कीम की समीक्षा के अलावा उपरोक्त योजनाओं के तहत कितने घरों में फंक्शनल हाउस होल्ड कनेक्शन लिए गए हैं कि जानकारी ली गयी। साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें, ताकि कार्यों में तेजी लाते हुए शतप्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की जा सके। साथ ही विभिन्न विभागों के एनओसी से जुड़े मामलों का समय पर निष्पादन करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जिले के शत प्रतिशत स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल और शौचालय की व्यवस्था को सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कस्तूरबा विद्यालयों एवं हाई स्कूल में इंसीनरेटर मशीन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में डीडीसी पीयूष सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी अंजना, कृषि पदाधिकारी वीणा, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर एवं मधुपुर, नगर निगम व नगर परिषद मधुपुर के अधिकारी आदि उपस्थित।

समस्याओं के समाधान को लेकर आमजनों को कार्यालय के चक्कर लगाना न पड़ेः नमन लकड़ा

देवघर (आजाद सिपाही)। जिलावासियों को समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार लगाया गया। इस मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन एवं मुआवजा भुगतान, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को डीसी के समक्ष रखा। वहीं, डीसी ने सभी लोगों की समस्याओं को एक-एक कर सुनी और आश्वस्त किया कि संज्ञान में आयी सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द समाधान किया जाएगा। इसके अलावा डीसी ने जनता दरबार में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों का सत्यापन करने का निर्देश दिया गया, ताकि योग्य लाभुकों को भुगतान किया जा सके और अयोग्य लाभुकों का नाम पोर्टल से हटाया जा सके। इसके अलावे सारवां प्रखंड अंतर्गत फर्जी सिंचाई कूप निर्गत कराकर पैसा निकासी से जुड़े मामले में जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का भी निर्देश दिया। बताते चलें कि प्रति सप्ताह मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को समाहरणालय में सुबह 10 से 11.30 बजे तक जनता दरबार लगाकर समस्याएं सुनी और उसका निराकरण किया जाता है। इस मौके पर अपर समाहर्ता हीरा कुमार, जिला जन शिकायत कोषांग प्रभारी पदाधिकारी ओम प्रियदर्शी, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार, कृषि पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

चैनपुर गणेश पूजा में शामिल हुए ज्योति पांडे

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। चैनपुर नगर निगम पूर्णचंद चौक स्थित जय किसान संघ की ओर से गणेश चतुर्थी का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के भाजपा जिला महामंत्री ज्योति पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर गणपति बप्पा से क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि और सभी नागरिकों के सुख-समृद्ध जीवन की कामना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक मंच के काशी कमलापुरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। महिलाएं और बच्चे भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रंग-बिरंगे पंडाल और आकर्षक रोशनी ने उत्सव की शोभा बढ़ा दी। वहीं, ज्योति पांडे ने कहा कि गणेशोत्सव की परंपरा महाराष्ट्र के पुणे से शुरू हुई थी। यह छत्रपति शिवाजी महाराज के समय से जुड़ी है। शिवाजी ने अपनी माता जीजाबाई के साथ मुगल शासन के दौरान सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए इस उत्सव की शुरूआत की थी। 1892 में भाऊ साहब जावले ने पहली गणेश मूर्ति की स्थापना की थी। गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक चलने वाला यह 10 दिवसीय उत्सव अब पूरे भारत में मनाया जाता है।

साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस पर 8 आवेदनों का तुरंत निष्पादन

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय सिसई परिसर में गुरुवार को साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस शिविर का आयोजन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रमेश कुमार यादव की अध्यक्षता हुई। शिविर के माध्यम से वृद्धा पेंशन 5, मंईयां सम्मान योजना से संबंधित 3, जन्म मृत्यु से संबंधित 1, पथ निर्माण से संबंधित 3 और आवास से संबंधित 4 मामले आये। शिविर में कुल 16 आवेदनों की प्राप्ति हुई। जिसमें से 8 मामलों का त्वरित निष्पादन किया गया। वहीं 8 मामलों को संबंधित विभाग को निष्पादन हेतु अग्रसारित किया गया। मौके पर प्रधान सहायक राकेश कुमार सुमन, अंचल निरीक्षक चंदरू उरांव, कर्मचारी प्रकाश उरांव, मुनेश्वर सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर बजरंग साहु सहित प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय से संबंधित विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

पालकोट (आजाद सिपाही)। खेल के प्रति बढ़ते रुझान और खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित गोईनधारा गांव में चल रहे तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन गुरुवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। मैदान में खिलाड़ियों ने रोमांचक खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। फाइनल मैच पीजी क्लब केराटोली और मुन्ना क्लब जरजटा के बीच खेला गया जिसमे पीजी क्लब केरा टोली दो गोल से विजय रहा। जबकि मुन्ना क्लब जरजटा दूसरे स्थान पर रहे। मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। निर्णायक क्षणों में खिलाड़ियों की दमदार रणनीति और टीम भावना ने खेल को और भी रोचक बना दिया। मैच के समापन पर विजेता टीम को विधायक प्रतिनिधि केश्वर सिंह ने बड़ा खस्सी पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं उपविजेता टीम को भी खस्सी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि केश्वर सिंह शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से ग्रामीण अंचल में खेलों की प्रतिभा निखरती है और युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग किया जायेगा। मौके पर कमिटी के अध्यक्ष निर्मल सिंह, बालगोविन्द सिंह, कुलदीप सिंह, राजेन्द्र सिंह, सुरेश खड़िया बजरंग सिंह, समेरू सिंह, गोपाल सिंह, सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे। समापन समारोह में बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी रही। मैदान पर हर गोल पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। आयोजकों ने अतिथियों का स्वागत किया गया।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के छात्रों ने दो वर्गो में द्वितीय स्थान प्राप्त किया

बसिया (आजाद सिपाही)। विभाग स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता (गुमला विभाग) में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, बसिया के छात्रों ने दो वर्गों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सरस्वती विद्या मंदिर,लोहरदगा में आयोजित इस प्रश्नमंच प्रतियोगिता में गुमला विभाग अंतर्गत तीन जिलों, गुमला, लोहरदगा तथा सिमडेगा के विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में एकलव्य विद्यालय, बसिया के छात्रों ने किशोर वर्ग (कक्षा 9 व 10) में अंग्रेजी प्रश्नमंच में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं तरुण वर्ग (कक्षा 11 व 12) में भी अंग्रेजी प्रश्नमंच में दूसरा स्थान प्राप्त किया। किशोर वर्ग के विजेता छात्रों में कारण उरांव, उमेश उरांव और रोहित उरांव हैं तथा प्रेमलाल हेम्ब्रम, मंगल सिंह मुंडा तथा निलेज उरांव हैं।

गणपति की प्रतिमा का शिवालय तालाब में विसर्जन

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। बिशुनपुर प्रखंड के नवागढ़ स्थित नकटी देवी प्रांगण में गजानन समिति के द्वारा गणेश पूजा का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। कई दिनों तक चले इस आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और भक्तों ने गणपति बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, वहीं पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। गुरुवार को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा निकालकर गणपति प्रतिमा का विसर्जन सेरका स्थित शिवालय तालाब में किया गया। विसर्जन जुलूस में श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरयार के जयकारे लगाये और नाचते-गाते उत्सव का समापन किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था को मजबूत करता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

जिला स्तरीय कर्मचारी शक्ति समागम का आयोजन 31 को

गुमला। झारखंड ऑफिसर टीचर एंड एंप्लॉयी फेडरेशन झारोटेफ गुमला इकाई का जिला स्तरीय कर्मचारी शक्ति समागम जिले के समस्त विभागों, सेवा एवं संवर्गों के संघीय प्रतिनिधि एवं कर्मचारी गण द्वारा आहूत की गयी है। उक्त समागम की तिथि 31अगस्त 2025 दिन रविवार पूर्वाहन 10:30 बजे से स्थानीय उर्सुलाइन गर्ल्स इंटर कॉलेज सभागार सिसई रोड गुमला पर आयोजित है। जिला स्तरीय कर्मचारी शक्ति समागम में समस्त वर्गों के कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखकर सरकार से तीन प्राथमिक मांगों मांगों को लेकर झारोटेफ जिला अध्यक्ष जयंत कुमार पांडेय एवं सचिव हरेंद्र कुमार ने बताया कि इन सभी मांगों को माननीय मुख्यमंत्री ने चुनाव से पूर्व अपनी घोषणा पत्र में भी शामिल किया था। वर्तमान सरकार कर्मचारियों के हितों को लेकर अत्यधिक संवेदनशील एवं सकारात्मक है और इन मुद्दों को मुख्यमंत्री की सरकार शीघ्र पूर्ण करेगी ऐसी आशा हम सबको है।

चैनपुर के प्रधान लेखापाल को घूस लेते गिरफ्तार किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए एसीबी ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई की। चैनपुर प्रखंड कार्यालय में कार्यरत प्रधान लेखापाल राजकुमार साहनी को एसीबी ने 20 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गुमला के करमटोली स्थित उनके आवास के समीप से की गयी।

पीएफ का पैसा दिलाने के लिए मांगी थी घूस : राजकुमार साहनी को एसीबी ने 20 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार लिया। आरोप है कि साहनी ने अपने ही कार्यालय में कार्यरत जनसेवक धर्नजय प्रसाद से भविष्य निधि (पीएफ) का पैसा दिलाने के नाम पर रिश्वत 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस पर जनसेवक काफी परेशान हुए और उन्होंने इसकी सूचना एसीबी को दी।

शिकायत पर हुई कार्रवाई : मामला तब उजागर हुआ जब सेवानिवृत जनसेवक धनंजय प्रसाद ने साहनी की मांग की शिकायत एसीबी से की। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसीबी की टीम ने पहले इसका सत्यापन किया। सत्यापन सही पाये जाने पर एसीबी ने एक ट्रैप योजना बनायी और गुरुवार को इस योजना को अंजाम दिया। तय योजना के तहत जैसे ही धनंजय प्रसाद ने साहनी को घूस की रकम सौंपी, पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथ दबोच लिया।

इससे पहले भी रिश्वत लेने के आरोप में साहनी हो चुके हैं निलंबित

इस घटना के पूर्व राजकुमार साहनी रिश्वत लेने के एक मामले में निलंबित हो चुके हैं। उस समय वे गुमला सदर प्रखंड में कार्यरत थे। वहां एक मामले में एक पत्रकार से पांच सौ रुपये लेने के आरोप में तत्कालीन उपायुक्त श्रवण साय ने साहनी को निलंबित कर दिया था।

गुमला थाना में पूछताछ

गिरफ्तारी के तुरंत बाद साहनी को गुमला थाना लाया गया। यहां एसीबी की टीम ने उससे प्रारंभिक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान साहनी ने रकम लेने की बात कबूल भी की। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई पूरी करने के लिए उसे रांची ले जाया गया।

बालू घाटों का बड़ा पैकेज तैयार करने पर भड़के विधायक भूषण बाड़ा

विधानसभा में उठाया सवाल, कहा प्राकृतिक संसाधनों पर हो स्थानीय लोगों का अधिकार

आजाद सिपाही संवाददाता

पालकोट। विधायक भूषण बाड़ा ने हाल ही में प्रशासन द्वारा सिमडेगा के 14 बालू घाटों को एक साथ जोड़कर 198.39 हेक्टेयर क्षेत्र का बड़ा पैकेज तैयार करने एवं इसका ग्रुप रिजर्व प्राइस लगभग 35.61 करोड़ रुपये रखे जाने पर गंभीरता दिखाते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। इस मामले को लेकर विधायक भूषण बाड़ा ने गुरुवार को विधानसभा सत्र में आवाज उठाया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधन पर बाहरी का नहीं स्थानीय लोगों का अधिकार होता है। लेकिन प्रशासन के इस व्यवस्था से स्थानीय छोटे व्यवसायियों, बेरोजगार आदिवासी युवाओं और ग्रामीण स्तर पर बालू घाट चलाने वाले लोगों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। विधायक ने कहा कि इतने बड़े पैकेज में बोली लगाने की क्षमता केवल बाहरी बड़े ठेकेदारों और कंपनियों के पास होगी। परिणामस्वरूप स्थानीय लोग पूरी तरह से वंचित रह जाएंगे और जिले का प्राकृतिक संसाधन बाहरी ठेकेदारों के हाथों में चला जायेगा। इसके बाद इन संसाधनों का दोहन होगा। विधायक ने कहा कि सरकार का उद्देश्य तो स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार उपलब्ध कराना है। लेकिन इस तरह के पैकेज सीधे-सीधे स्थानीय हितों की अनदेखी और बाहरी लोगों को लाभ पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने पी पेसा एक्ट के तहत संबंधित बालू घाटों का आवंटन सुनिश्चित करने तथा पैकेज व्यवस्था को तत्काल रद्द करने की मांग की है।

सदर अस्पताल के रसोइघर की एसडीओ ने की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सदर एसडीओ राजीव नीरज ने गुरुवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। जांच के क्रम में एसडीओ सदर अस्पताल में संचालित रसोई घर पहुंचे जहां साफ सफाई और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। जन शिकायत पर एसडीओ ने रसोईघर में चावल की जांच की। गुमला अंचल अधिकारी हरीश कुमार को चावल का सैंपल लेकर जांच हेतु रांची भेजने का निर्देश दिया। सीओ ने बोरा से चावल लेकर उसे सील करते हुए जांच के लिए नामकुम रांची भेजा। जानकारी मिली थी कि सदर अस्पताल में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति अनमोल गुप्ता नामक व्यक्ति करता है उसका जन वितरण प्रणाली का दुकान उर्मी में है। जहां से दूसरे कंपनी का टैग लगे बोरे में पीडीएस का चावल भरकर आपूर्ति की जाती है। जांच का नमूना लेकर उसे रांची के लैब में भेजा गया है। एसडीओ ने इस संबंध में कहा जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी सूत्रों से पता चला कि करीब 5 सालों से सदर अस्पताल में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति का टेंडर नहीं हुआ है। कुछ माह पूर्व स्वास्थ्य विभाग दिल्ली की टीम सदर अस्पताल दौरे के लिए आयी थी जहां रसोईघर में खाद्य आपूर्ति के लिए नए सिरे से टेंडर का निर्देश दिया गया था। लेकिन पुराने आपूर्ति कर्ता को ही आपूर्ति का कार्य सौंप दिया गया।

सिसई और भरनो में कांग्रेस का संवाद सम्मेलन

बीएलओ ही चुनाव की रीढ़ हैं: के राजू

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सिसई प्रखंड के भदौली पंचायत ब्लॉक चौक रावण दहन मैदान और भरनो प्रखंड के तुरीअंबा में कांग्रेस पार्टी का संवाद सम्मेलन धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष बैबुल अंसारी ने की। कार्यक्रम में झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, जिला अध्यक्ष चैतू उरांव, पूर्व जिला अध्यक्ष रोशन बरवा, सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा, मीडिया चैयरमैन सह प्रवक्ता आरिफ हुसैन अख्तर समेत कई वरिष्ठ नेता, जिला-प्रखंड एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू ने अपने संबोधन में कहा कि यदि कांग्रेस ने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की ताकत को छोड़ दिया, तो भाजपा इसे हथिया लिया। बीएलए ही चुनाव की रीढ़ हैं। उन्ही के बदौलत वोट चोरी रोका व चुनाव जीता जा सकता है। उन्होंने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सत्ता में होती। राहुल गांधी पीएम होते। मगर भाजपा ने वोट चोरी कर करीब 25 सीटें अपनी झोली में डाल लीं। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर 65 लाख वोटरों को लिस्ट से बाहर कर दिया गया। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से लगभग 25 हजार वोटर हटाये गये जो महागठबंधन के समर्थक थे। के राजू ने चेतावनी दी कि झारखंड में भी अगले माह से वोटर लिस्ट पुनरीक्षण शुरू होगा और भाजपा अपने आरएसएस कार्यकर्ताओं के माध्यम से फर्जी वोटर बनाने की साज़िश में लग जायेगी। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस बीएलए को विशेष ट्रेनिंग देकर अगले चार साल में पंचायत स्तर पर चार अहम मुद्दों पर संगठन को मजबूत करेगी।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो ने कहा कि वर्ष 2025 कांग्रेस के लिए संगठन सृजन का वर्ष है। उन्होंने कहा बूथ एजेंट ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। पंचायत स्तर पर वोटर लिस्ट पर लगातार निगरानी रखें। 18 वर्ष से अधिक युवाओं को बीएलओ के सहयोग से वोटर लिस्ट में जोड़वाएं। महतो ने स्पष्ट कहा कि भीड़ तंत्र नहीं, बल्कि काम करने वालों को प्राथमिकता दी जायेगी। हर जिले में वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लेकर रैली निकाली जायेगी। यह रैली शहरों में होगी, लेकिन भीड़ गांवों से जुटेगी। कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि पंचायत और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को चेताया कि केवल भीड़ जुटाने वाले नहीं, बल्कि संघर्ष करने वाले नेताओं को प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने संकल्प दिलाया कि 2029 के चुनाव में भाजपा को उखाड़ फेंकना है और राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। इस संवाद सम्मेलन में फिरोज आलम, तरुण घोष, बॉबी भगत, आफताब आलम लाड़ले, इकरामुल हक, मो. मुख्तार,ज्योति,सैय्यद खालिद, गुलाम सरवर, बिंदेश्वर साहु, आजाद अंसारी समेत 18 पंचायतों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिसई में गणेश पूजा की धूम, युवा क्लब का पंडाल बना आकर्षण का केंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड क्षेत्र में बहुत ही धूमधाम से गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जा रहा है। वहीं सिसई मेन रोड स्थित युवा क्लब का पंडाल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। युवा क्लब मेन रोड में आज संध्या आरती के समय सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे झूमते दिखे।

वहीं न्यू विद्यार्थी क्लब की ओर से बसिया रोड में भी भगवान सिद्धिविनायक गणेश जी का प्रतिमा स्थापित कर पूजा पाठ किया जा रहा है। पूजा में शामिल सभी भक्त बप्पा का दर्शन पाकर धन्य हो रहे हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पूजा पंडालों में पुलिस बल की तैनाती की गयी है। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर न्यू विद्यार्थी क्लब बसिया रोड के सौजन्य से शुक्रवार को रंगारंग ठेठ नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम की प्रस्तुति में सेवन स्टार म्यूजिकल ग्रुप रांची के द्वारा समा बांधी जायेगी। युवा क्लब श्री गणेश पूजा समिति मेन रोड सिसई के अध्यक्ष अमित ताम्रकार, उपाध्यक्ष मनोज साहु, धीरज साहु, विकाश लाल, पुजारी आचार्य विकल्प पाठक, सचिव शुभम कुमार, सह सचिव विश्वजीत चटर्जी, हिमांशु गुप्ता, कोषाध्यक्ष विकाश कुमार,पूजा प्रभारी ऋतिक ताम्रकार, मीडिया प्रभारी शशि वर्मा, प्रताप उरांव, कुलदीप साहनी, बादल बैठा, राजू उरांव, तारक साहू,अंकित गोप, प्रकाश उरांव सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे उपस्थित थे।

कल्याण विभाग चतरा को संवेदक को आठ प्रतिशत ब्याज के साथ लौटानी पड़ेगी रकम

14 साल बाद हाईकोर्ट के आदेश से मिलेगा ठेकेदार को अग्रधन

हाइकोर्ट ने सुनाया फैसला

इस मामले में सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने 22 जुलाई 2025 को आदेश पारित करते हुए विभाग को निर्देश दिया है कि आवेदक को 04 अप्रैल 2011 से जोड़कर, 30 हजार रुपए अग्रधन राशि 8 प्रतिशत ब्याज सहित चार सप्ताह के भीतर भुगतान किया जाए।

संवेदक ने विभाग को सौंपी आदेश की प्रति

संवेदक ने आदेश की प्रति विभाग को सौंप दी है और न्यायालय के निर्देश के अनुरूप शीघ्र भुगतान की अपेक्षा की है।

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। हाई कोर्ट के एक आदेश से जिला कल्याण विभाग, चतरा को एक झटका लगा है। गुमला के संवेदक रमेश कुमार ने उक्त विभाग के विरुद्ध हाई कोर्ट में याचिका लगाते हुए एक निविदा के विरुद्ध जमा किए गये अग्रधन को वापस दिलाने की गुहार लगायी थी।

क्या है पूरा ममला

25 मार्च 2011 को प्रकाशित निविदा में रमेश कुमार ने भाग लिया था। संवेदक ने उस समय अग्रधन के रूप में 30 हजार रुपए का डिमांड ड्राफ्ट 04 अप्रैल 2011 को जमा किया था। लेकिन निविदा प्रक्रिया समाप्त होने के बाद भी यह राशि विभाग द्वारा उन्हें वापस नहीं की गयी। करीब 10 साल तक प्रतीक्षा के बाद आवेदक ने झारखंड उच्च न्यायालय, रांची में डब्ल्यूपी (सी) नंबर 3291/2022 दायर किया।

गणेश चतुर्थी पर मंदिर में भजन-कीर्तन का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गणेश चतुर्थी पर बुधवार को गुमला करमटोली रोड पर स्थित श्रीगणेश मंदिर में पूजा-अर्चना कर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया और बड़े ही धूमधाम से गणेश महोत्सव मनाया गया। मौके पर आचार्य के द्वारा विधि-विधान से दिन के 1:30 बजे श्रीगणेश देव का पूजा-अर्चना करायी और लड्डू और पेड़ों का भोग लगा और प्रसाद का वितरण हुआ तत्पश्चात दिन के तीन बजे से बच्चों का रंगारंग कार्यक्रम हुआ। संध्या पांच बजे से महिला समूह द्वारा भक्ति गायन शुरू किया गया जो संध्या सात बजे तक चला तत्पश्चात श्री

महावीर कीर्तन मंडली लक्ष्मण नगर के इक्कीस सदस्यीय मंडली द्वारा भक्ति जागरण और कीर्तन-भजन शुरू किया गया जो देर रात चला। मंडली के गायक रामजी तिवारी, बिनोद साहु, हरेंद्र गिरी, अरुण पांडेय, सुबोध यादव, मोहन सिंह, जोगेंद्र गोप, सुधेश्वर शर्मा उर्फ लोहा बाबु द्वारा एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किया गया जिससे लोग झूमने और नाचने लगे। श्रीगणेश भगवान के अवतरण और उनके लीलाओं और महिमा का बखान भजन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया जिससे पूरे वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बैजनाथ प्रसाद के पूरे परिवार, भुषण कुमार, प्रकाश सोनी, बिनय गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, जितेन्द्र कुमार तथा मुकेश कुमार, आनंद किशोर पंडा, निरज कुमार सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया।

पांच नाबालिगों को रेस्क्यू कर परिवार को सौंपा

गुमला (आजाद सिपाही)। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देशानुसार एवं उनके मार्गदर्शन में गुमला जिले के पांच नाबालिग बच्चों को विभिन्न राज्यों से रेस्क्यू कर सकुशल परिवार को सौंपा गया है। इनमें एक बालक तथा चार किशोरियां शामिल हैं। ये सभी बच्चे बसिया, रायडीह, गुमला, जारी, बिशुनपुर एवं कामडारा प्रखंड से संबंधित हैं। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अमर कुमार ने जानकारी दी कि सभी नाबालिगों को दिल्ली, छत्तीसगढ़, जयपुर एवं पश्चिम मिदिनीपुर से मुक्त कराया गया। ये बच्चे बाल श्रम और बाल तस्करी का शिकार थे, जिन्हें स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सुरक्षित रूप से वापस लाया गया। गुमला आने के उपरांत सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया तथा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उन्हें परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को शिक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए ताकि वे भविष्य में किसी प्रकार के शोषण का शिकार न हों। साथ ही, आवश्यकता अनुसार बच्चों की देखभाल एवं पुनर्वास हेतु हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी भी बच्चे के साथ शोषण या कठिन परिस्थिति की जानकारी मिलती है तो तत्काल इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें, ताकि बच्चों को समय पर सहायता और सुरक्षा प्रदान की जा सके।

दामोदर नदी में डूबी पांच बच्चियां, एक की मौत

एक लापता, लोगों की मदद से तीन की बचायी गयी जान, करम पूजा के लिए गयी थी डाल पूजने

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोरापोखर। जिले के सुदामडीह थाना क्षेत्र स्थित दामोदर नदी के बाई क्वार्टर स्थित छठ घाट पर पूजा की डाली लेकर स्नान करने गईं पांच बच्चियां अचानक तेज बहाव की चपेट में आ गईं। उनके बहने की सूचना मिलते ही घाट पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान आसपास मौजूद स्थानीय लोग और मछुआरे तुरंत नदी में कूद पड़े। उनकी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, दो बच्चियां तेज बहाव में बह गईं। इसकी सूचना पाकर पुलिस और गोताखोर भी मौके पर पहुंच गये और तलाश अभियान शुरू किया। इस दौरान रुक्मणी कुमारी (12) नामक बच्ची का शव बिरसा पुल के पास से बरामद हुआ। जबकि दूसरी बच्ची संध्या कुमारी का समाचार लिखे जाने तक लापता है। उसकी तलाश के लिए गोताखोर लगातार अभियान चला रहे हैं।

डूबी बच्चियों को पानी से बाहर निकाते स्थानीय लोग-गोताखोर।

नदी किनारे जुटी भीड़, पुलिस भी पहुंची

उधर, घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग नदी किनारे एकत्र हो गए। घाट पर मातम का माहौल छा गया। परिजन दहाड़ मार कर रोते नजर आये। वहीं, रुक्मणी की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर है। जबकि लापता संध्या कुमारी की सकुशल वापसी की उम्मीद में लोग प्रार्थना कर रहे हैं। पुलिस लगातार खोज अभियान की निगरानी कर रही है और प्रशासन बचाव दल की मदद से बच्ची को ढूंढने की कोशिश में जुटा है।

गहरे पानी में अचानक फंस गईं बच्चियां : स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सभी बच्चियां पूजा की डाली लेकर स्नान करने नदी में उतरी थीं। तभी अचानक गहरे पानी में चली गईं और बहाव तेज होने के कारण खुद को संभाल नहीं सकीं। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि करमा पूजा जैसे अवसरों पर नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को टाला जा सके।

आदिवासी समुदाय के पास समृद्ध परंपरा संस्कृति और जीवन मूल्य की धरोहर: डीसी

कहा- आदिवासियों को सिखाना नहीं, उनसे सीखना है

- सभी अपने-अपने सोचने के तरीके को बदलें
- आदिवासी बहुल चिन्हित सभी 125 गांवों को जिले के वरीय पदाधिकारियों को करें टैग, समयबद्ध लक्ष्य को करना है पूरा

अधिकारियों को आदि कर्मयोगी की शपथ दिलाते डीसी अजय नाथ झा।

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को डीसी अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आदि कर्मयोगी अभियान-रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता सह नोडल पदाधिकारी मो मुमताज अंसारी, चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढ़ांडा, प्रोबेशनर संदीप शिंदे, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, सीटी डीएसपी आलोक रंजन सहित जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी, सभी बीडीओ, सीओ आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर की ओर से आदि कर्मयोगी अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की गई। वहीं, अपने संबोधन में डीसी ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान सिर्फ प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के सम्मान और उनसे सीखने का माध्यम है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आदिवासी समुदाय के पास समृद्ध परंपरा, संस्कृति और जीवन मूल्यों की धरोहर है। हमें उन्हें बदलने या सिखाने की मानसिकता नहीं रखनी चाहिए, बल्कि उनसे सीखने और अपनाने की सोच विकसित करनी होगी। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संवेदनशीलता और सहभागिता के साथ कार्य करें और अभियान को जमीनी स्तर तक सफल बनाए। कहा कि जिले के 125 आदिवासी बहुल चिन्हित गांवों को विशेष रूप से अभियान के तहत विकास कार्यों-विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अच्छादित करने की प्रगति कार्य की विशेष निगरानी की जाएगी। अभियान को हर स्तर तक पहुंचाने के लिए बीडीओ-सीओ, प्रखंड-पंचायत स्तर पर संवाद मित्र बनाए। ये संवाद मित्र पंचायत-प्रखंड और जिला स्तर के बीच सेतु का कार्य करेंगे। वहीं, अभियान के तहत की जा रही गतिविधियों और उपलब्धियों का साप्ताहिक बुलेटिन जारी करने का भी निर्देश दिया। इससे पदाधिकारियों और जनता दोनों को अभियान की प्रगति की जानकारी समय-समय पर मिलती रहेगी। वहीं, डीडीसी विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने दैनिक कार्यों के साथ ही आदि कर्मयोगी अभियान के लिए भी निश्चित समय निकालें। कहा कि विकास तभी गति पकड़ेगा जब अधिकारी अपने कार्य में योजनाबद्ध ढ़ंग से समय प्रबंधन करेंगे और आदि कर्मयोगी को प्राथमिकता देंगे। वहीं, कार्यशाला में डीसी ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों को आदि कर्मयोगी की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता सह कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी मो मुमताज अंसारी ने कहा कि अभियान अंतर्गत झारखंड के 22 जिले के 224 प्रखंडों के 7100 गांव और बोकारो जिले के 09 प्रखंड के कुल 125 ग्रामों को प्रथम चरण में चिन्हित किया गया है।

वेतन और पीएफ की मांग को लेकर वाहन चालकों-गार्ड-माली का प्रदर्शन

मिहिजाम (आजाद सिपाही)। वेतन सहित विभिन्न मांगों लेकर गुरुवार को पात्थ्या एसडब्लूएम संस्था की ओर से संचालित सफाई करने वाले वाहन चालक, खलासी, गार्ड एवं माली ने नगर परिषद कार्यालय के समक्ष गुरुवार को धरना-प्रदर्शन किया। हालांकि कुछ देर तक धरना-प्रदर्शन के बाद सफाई कर्मियों ने धरना स्थल छोड़ दिया। प्रदर्शनकारी बलराम कुमार ने बताया कि नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि सफाई कर्मियों को कार्यालय से कोई लेन देन नहीं है। अपनी मांग को लेकर संबंधित अधिकारियों के पास जाय। बलराम ने कहा कि हमारी मांग को ना ही नगर परिषद सुन रहा, ना ही पात्थ्या एसडब्लूएम संस्था। पदाधिकारियों का कहना है कि नप कार्यालय अभी तक पैसे का भुगतान नहीं किया। सफाई कर्मियों ने एक सुर मे कहा कि एक वर्ष से पीएफ का पैसा नहीं मिला है। अब वेतन भी नहीं मिल रहा है। परिवार के समक्ष भूखमरी की नौबत आ गयी है। सफाई कर्मियों ने बताया कि हमलोग जामताड़ा डीसी के जनता दरबार में अपनी मांग को रखेगें। जब तक वेतन, पीएफ का पैसा और मेडिकल की सुविधा नहीं मिलेगी तबतक काम बंद रखेगें। इस मौके पर उज्जवल हाड़ी, दीपक साव, विजय हांसदा, साहेबलाल बेसरा, राजू मल्लिक, सुदन सोरेन, सपन मल्लिक, विकास पंडित, भोला दास, शंत विश्वकर्मा, राजू हारी, आशीष दास, सुशेन मिर्धा, देबनाथ हेम्ब्रम, लखन सोरेन और छोटन बाउरी सहित लगभग 30 सफाई कर्मी शामिल रहे।

5000 क्रमवर्ती मानव श्रृंखला बनाकर सरकार से करेंगे 1932 खतियान की मांग: अजीत महतो

- झारखंडी संस्कृति को बचाने को लेकर दो सितंबर को राजगंज में 1932 करम महोत्सव

राजगंज (आजाद सिपाही)। नगरी कला उत्तर के पंचायत समिति सदस्य (पंसस) अजीत महतो ने बताया कि झारखंडी सभ्यता में 12 मास में 13 पर्व मनाया जाता है। इसी कड़ी में दो सितंबर को पहाड़पुर आजाद हिंद क्लब की ओर से शिव मंदिर फुटबॉल प्रांगण में 1932 करम महोत्सव आयोजित किया जाएगा। जिसमें 5000 करम वर्ती राज्य सरकार से 1932 के खतियान की मांग मानव श्रृंखला बनाकर करेगी। झारखंड में नौ दिनों की जावा के साथ करम पर्व का आगाज हो गया है। अब उतरी छोटा नागपुर के पूरे प्रमंडल में सुबह और शाम हर गांव और टोला में कर्म गीत सुनने को मिल जाएंगे। कर्म भाई-बहन और प्रकृति से जुड़ा पर्व है, जिसमें हर बहन अपने भाई की सलामती और सुख समृद्धि के लिए कर्म पर्व मानती है। संदेश देती है कि भाई के साथ पर्यावरण की रक्षा करना है। उक्त पर्व को पूरे धनबाद जिले में धूमधाम से मनाया जाता है। कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं उपविजेता टीम को नगद एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। बतातें चलें कि करम महोत्सव में धनबाद के अलावा गिरिडीह, बोकारो और जामताड़ा के करम वर्ती भी शामिल होते हैं।

सकारात्मक बदलाव लाने के लिए युवा पीढी से सबसे बड़ी उम्मीद: इनामुल हक

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले पूरे बीसीसीएल के समस्त कोलियरी-परियोजनाओं-चिकित्सालयों के परिषर में अमृता देवी बलिदान दिवस पर फलदार वृक्ष का रोपण कर उसकी देख-भाल का संकल्प लेते हुए पर्यावरण दिवस मनाया गया। वहीं, बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र में पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया। इसमें क्षेत्रीय संयोजक पर्यावरण मंच (पूर्वी क्षेत्र झारखंड-बिहार-ओजिशा- पश्तिम बंगाल) भामसंघ (केंद्र) के इनामुल हक, अभाखम संघ के मंत्री केके सिंह और जिला मंत्री धर्मजीत चौधरी के अलावा संगठन के के महामंत्री उमेश कुमार सिंह, अरिजय श्रीवास्तव, मो इस्माईल मल्लिक, सुभाष चंद्र तिवारी, ओम प्रकाश ओझा और रानी गोस्वामी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर इनामुल हक कहा कि प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से युक्त वातावरण में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए देश के युवा पीढी से सबसे बड़ी उम्मीद है। आज हम सभी संकल्प लें कि अपने-अपने क्षेत्रों, आवासों, कोलियरी के मजूदरों एवं ग्रामीणों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करेगें एवं उसकी सुरक्षा करेगें। उन्होंने केंद्र और झारखंड सरकार से 28 अगस्त को राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस घोषित करने की मांग की। वहीं, बीसीसीएल के बरोरा, ब्लॉक-2, गोविंदपुर, कतरास, सिजुआ, कुसुंडा, पीवी बस्ताकोला, भौंरा, सुदामडीह, पश्चिमी वाशरी जोन, मुनीडीह, पूर्वी वाशरी जोन आदि में भी पर्यावरण दिवस मनाया गया।

धनबाद उपायुक्त ने किया पवित्रम सेवा धाम का शिलान्यास

धनबाद (आजाद सिपाही)। कोयला नगर में बीमार-घायल गायों की चिकित्सा इलाज के लिए चिकित्सालय बनने जा रहा है। जिसका भूमि पूजन गुरुवार को बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दता और धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने किया। इस अवसर पर विनोद बिहारी कोयलाचल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रामकुमार सिंह, सिंफर के निदेशक प्रो अरविंद कुमार मिश्र, बीसीसीएल के निदेशक मुरली कृष्ण रमैया, राकेश कुमार सहाय, संजय कुमार सिंह, मनोज कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी संजय कुमार आदि उपस्थित थे। इस स्थान पर गो चिकित्सा के अलावा अन्य कई सेवा कार्य, सीनियर सिटीजन के लिए लाइब्रेरी, बच्चों के लिए बुक बैंक, होमियोपैथी डिस्पेंसरी, प्राकृतिक चिकित्सा परामर्श केंद्र, गो उत्पाद प्रशिक्षण केंद्र आदि भी शुरू किए जाएंगे। यह पूरा प्रकल्प 'पवित्रम सेवा धाम' के नाम से जाना जायेगा। पवित्रम सेवा परिवार इसका संचालन करेगा। बतातें चलें कि पवित्रम सेवा परिवार पिछले कई वर्षों से घायल -बीमार गोवंश की चिकित्सा-सेवा का कार्य कर रहा है। गांव-गांव मे जैविक खेती, गोउत्पाद का निःशुल्क प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार कर रहा है। आरोग्य जागरूकता, पर्यावरण जागरूकता के लिए स्कूल एवं कॉलेजों में कई कार्यक्रम चला रहा है। बच्चों को सीडबॉल, इकोब्रिक्स का प्रशिक्षण दे रहा है। पवित्रम की बहने घर-घर जाकर अग्निहोत्र करना सीखा रही है। बीज बैंक तैयार करवाया जा रहा है। वहीं, उपायुक्त को पवित्रम सेवा परिवार की गतिविधियों, कार्यो को देखकर बहुत अच्छा लगा । उन्होंने गोपूजन भी किया।

तोपचांची में झामाडा की खाली जमीन पर पुनः बहाल को बस पड़ाव : सदानंद महतो

तोपचांची (आजाद सिपाही)। यातायात को लेकर बेहतर व्यवस्था के लिए आजसू के जिला संगठन सचिव सदानंद महतो ने गुरुवार को एक बार फिर से पहले की ही तरह दो बस पड़ाव जीटी रोड एवं गोमो रोड में सरकारी अस्तर से संचालित करने की मांग की है। इसे लेकर उन्होंने सीओ, बीडीओ, प्रखंड प्रमुख, थाना प्रभारी, धनबाद के जिला परिषद उपाध्यक्ष, टुंडी विधायक और गिरिडीह सांसद को पत्र लिखा है। कहा कि उक्त बस पड़ाव से राज्य सरकार को लाखों रुपए की राजस्व प्राप्ति होती थी, लेकिन फिलहाल यह व्यवस्था नहीं है। इस लिए जनहित को ध्यान में रखते हुए तोपचांची के झामाडा की खाली जमीन पर पुनः उक्त व्यवस्था बहाल की जाये।

प्रबंधन से परेशान मजदूर-कर्मियों ने धनबाद के सांसद से की फरियाद

कोयला मंत्री से बात कर शिफ्टिंग की समस्या का निकाला जायेगा समाधान : ढुल्लू महतो

- कहा- जबतक समाधान नहीं निकलता किसी मजदूर की हाजिरी ना रोकी जाये

आजाद सिपाही संवाददादा

धनबाद। सांसद ढुल्लू महतो से गोपालिचक के लगभग 240 मजदूरों ने धर्मेंद्र भट और मो मोहिबुद्दीन आलम की अगुवाई में गुरुवार को मुलाकात की और उन्हें अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया। आरोप लगाया कि प्रबंधन तानाशाही पर उतर आया है। मजदूरों को डरा धमका कर आवास शिफ्ट करने का दबाव बनाया जा रहा है। जो मजदूर आवास शिफ्टिंग का लेटर नहीं ले रहे, उसकी हाजरी रोक दी जा रही है। प्रबंधक समझने को तैयार नहीं कि जिनके बच्चे स्कूल से पढ़ रहे हैं। वह बीच सेशन में दाखिला कराने कहां जाएंगे। जिनके घर में बीमार लोग है उन्हें कैसे ले जायेंगें। बताया कि जहां आवास आवंटित किया गया है या तो उस पर अवैध रूप से बाहरी लोगों का कब्जा है या फिर आवास बिल्कुल जर्जर हालत में है, जहां रहना संभव ही नहीं है। आवास मरामती की बात कहने पर प्रबंधन की ओर से कहा जाता है कि पहले शिफ्ट करें, फिर सभी तरह की मरम्मति करा दी जाएगी। जबकि जो लोग 2018 से रह रहे हैं उनका कहना है कि यहां शिफ्ट होने के बाद आजतक कोई काम ही नहीं हुआ। ना ही कोई अधिकारी इस पर बात करता है। कई आवास के तो खिड़की-दरवाजा भी नहीं है। छत से पानी भी टपकता है। पीने का पानी भी नहीं है। जिस पानी की आपूर्ति की जाती है वह बहुत खारा है। उधर लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद सांसद ने तुरंत बीसीसीएल के सीएमडी से फोन पर बात की। इस पर सीएमडी ने सांसद को 31 अगस्त तक समस्या का समाधान निकालने की बात कही। उन्होंने सांसद से ही आवास शिफ्टिंग की समस्या को कोयला मंत्री से बात करने की अपील की। इस पर सांसद ने बताया कि पांच सदस्यीय टीम गठित कर कोयला मंत्री से मिलकर इस पर विस्तृत चर्चा की जाएगी और समस्या का समाधान निकाला जाएगा। तब तक किसी भी मजदूर की हाजिरी नहीं रोकी जाएगी। वहीं मजदूरों ने कहा कि अगर प्रबंधन ने जबरदस्ती की तो मजबूरी में आत्मदह कर लेंगे। इस मौके पर धर्मेंद्र भट्ट, जकी अहमद, सुरेश प्रसाद, दीपक कुमार, राजेश कुमार सिंह, विश्वजीत विस्वास, पंकज कुमार, रामलखन पासी, शमशेर अली, नीरज कुमार सिन्हा, गिरधारी रविदास, तारक राज, गोविंद यादव, सुधीर राम, कामेश्वर चमार और महादेव पासवान आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, चतरा
पता-ब्लॉक कैम्पस, सदर अस्पताल रोड
थाना+जिला-चतरा, पिन-825401
Email Id- mdmchatradse@gmail.com, Phone No.- 06541-296111

आवश्यक-सूचना

एतद् द्वारा चतरा जिला स्थित सभी गैर सरकारी निजी विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009, विभागीय अधिसूचना संख्या 629 दिनांक 25.04.2019 एवं सरकार के प्रभारी सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 1528 दिनांक 24.12.2024 में निहित प्रावधानों के अनुरूप विद्यालयों के मान्यता के संबंध में ऑनलाईन आवेदन वेबसाईट https://rte.jharkhand.gov.in पर करते हुए हार्ड कॉपी दिनांक 06.09.2025 तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करेंगे। विभागीय अधिसूचना संख्या 629 दिनांक 25.04.2019 जिले के आधिकारिक वेबसाईट www.chatra.nic.in पर अपलोड कर दी गई है।

ह0/-
जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-
अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, चतरा

PR 360592 School Education and Literacy(25-26)#D

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, चतरा
(जिला गोपनीय शाखा)
(Email id:-dc-cha@nic.in, Phone :- 06541-253034 (O), 253033 (R) 252310(Fax)

आदेश

जनता दरबार एवं अन्य स्त्रोंतों से आयुष्मान कार्ड नहीं होने के कारण जरूरतमंदो को आयुष्मान कार्ड का लाभ नहीं मिलने संबंधी आवेदन पत्र प्राप्त होते रहते हैं । साथ हीं राशन कार्ड नहीं होने के फलस्वरूप भी आयुष्मान कार्ड बनने में परेशानी होने से संबंधित आवेदन पत्र भी आमजनों से प्राप्त होते हैं । विदित हो कि उक्त योजना राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रदत्त योजनाओं में से एक है । तदनुसार उक्त कार्य के सफल कार्यान्वयन कराया जाना आवश्यक है ।

अतएव आयुष्मान कार्ड व इसके निमित राशन कार्ड में नाम जोड़ने एवं अन्य तरह के सुधार करने हेतु नगर परिषद क्षेत्र के कतिपय वार्डो में शिविर का आयोजन निम्न प्रकार से किया जाता है:-

नगर परिषद, चतरा

क्र0	वार्ड सं0	शिविर Incharge	शिविर की तिथि	शिविर स्थल	टीम के सदस्य
01	वार्ड सं0 01 व 02	प्रशासक, नगर परिषद, चतरा	28.08.2025	वार्ड नं0-01-नगर परिषद कार्यालय/वार्ड नं0-02-पोस्ट ऑफिस के पास सामुदायिक भवन	स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सहिया, सखी, आयुष्मान मित्र, ब्लॉक आशा फेसिलिटेटर, जिला आशा फेसिलिटेटर, प्रखण्ड आपूर्ति पदा0 सहित जनवितरण प्रणाली दूकानदार एवं नगर परिषद के एक कर्मी तथा सी0एस0सी0 मैनेजर द्वारा प्रतिनियुक्त भी0एल0ई0 ।
02	वार्ड सं0 03 व 04	अंचल अधिकारी, चतरा		डोमसिटवा वार्ड विकास केन्द्र	
03	वार्ड सं0 05	प्रशासक, नगर परिषद, चतरा	29.08.2025	Boys School	
04	वार्ड सं0 06 व 07	अंचल अधिकारी, चतरा		छठ तालाब /अटल क्लिनिक	
05	वार्ड सं0 08 , 09 व 10	प्रशासक, नगर परिषद, चतरा	30.08.2025	कर्मचारी भवन	
06	वार्ड सं0 12 व 13	अंचल अधिकारी, चतरा		नगर भवन	
07	वार्ड सं0 14 व 15	प्रशासक, नगर परिषद, चतरा	01.09.2025	वादि ए इत्फाभवन	
08	वार्ड सं0 16 व 11	अंचल अधिकारी, चतरा		दीवान खाना स्कूल	
09	वार्ड सं0 17 व 18	प्रशासक, नगर परिषद, चतरा	02.09.2025	साहू धर्मशाला	
10	वार्ड सं0 19 व 20	अंचल अधिकारी, चतरा		जम-जम होटल	
11	वार्ड सं0 21 व 22	प्रशासक, नगर परिषद, चतरा	06.09.2025	किशुनपुर उत्कमित विघालय	

उपरोक्त कार्य के सफल कार्यान्वयन हेतु निम्नांकित निदेश दिए जाते हैं-

1. प्रशासक, नगर परिषद, चतरा व अंचल अधिकारी, चतरा शिविर के संबंध में विस्तृत प्रचार-प्रसार करेंगे, ताकि शिविर के लिए निर्धारित वार्ड के अतिरिक्त अन्य वार्डो के लाभुक भी इसका लाभ प्राप्त कर सके। शिविर का आयोजन प्रशासक, नगर परिषद, चतरा द्वारा निर्धारित स्थल पर होगा। इसकी सम्पूर्ण व्यवस्था का दायित्व प्रशासक, नगर परिषद, चतरा सहित अंचल अधिकारी, चतरा का होगा ।
2. प्रशासक, नगर परिषद, चतरा सहित अंचल अधिकारी, चतरा अपने-अपने शिविर स्थल के लिए बिजली, Computer System अतिरिक्त Computer Operator एवं अन्य Logistic की व्यवस्था करेंगे तथा शिविर में आवश्यक सहयोग करना सुनिश्चित करेगें।
3. असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, चतरा द्वारा शिविरों में आयुष्मान कार्ड के निमित चिकित्सक कर्मी एवं संबंधित कम्प्युटर ऑपरेटर (लैपटॉप के साथ) की प्रतिनियुक्ति अपने स्तर से सुनिश्चित करेगें, ताकि लाभुकों को स्थल पर ही आयुष्मान कार्ड से सभी सूचनाएं अपलोड किया जा सके एवं आयुष्मान कार्ड निर्गत किया जाय सके। Data Collection एवं Compilation की संपूर्ण जवाबदेही स्वास्थ्य विभाग की होगी। सिविल सर्जन चतरा अपने स्तर से आयुष्मान कार्ड सेल बनायेंगे। जिला कार्यक्रम समन्वयक, स्वास्थ्य विभाग की सहिया, सहिया सखी, आयुष्मान मित्र, Block ASHA Facilitator (BAF) District ASHA Facilitator (DAF) से आयुष्मान कार्ड बनवायेंगे तथा Data का सही मिलान आयुष्मान कार्ड से करेंगे। सिविल सर्जन, चतरा स्वास्थ्य विभाग के DPC एवं DPM यह सुनिश्चित करेंगे कि जितने आयुष्मान कार्ड प्रतिदिन शिविर में बन रहें है, उसका Print करा कर लाभुक को शिविर में दिया जा रहा हो सिविल सर्जन, चतरा Printed Card का Data प्रखण्डवार तैयार करायेंगे (Number of cards made] & Number of cards distributed) |
4. जिला आपूर्ति पदाधिकारी, चतरा अपने स्तर से प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी एवं अन्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करेगें, ताकि राशन कार्ड से संबंधित मामले स्थल पर निष्पादन हो सके । सभी PDS Dealer के राशन कार्डधारी का आयुष्मान कार्ड बन गया है। इसके लिए PDS Dealer एक रजिस्टर रखेंगे, जिसमें यह Record Maintain करेंगे कि आयुष्मान कार्ड बना है या नहीं ? जिस परिवार का नहीं बना होगा, उसे हर हाल में शिविर में भेजकर बनवायेंगे। इस संदर्भ में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, चतरा अपने स्तर से सभी को निदेशित करेंगे।

5- CSC Manager, चतरा को सूचनार्थ प्रेषित। साथ ही निर्देशित है कि अपने स्तर से उक्त निर्धारित शिविर में CSC VLE (कम्प्युटर ऑपरेटर) को प्रतिनियुक्त करना सुनिश्चित करेंगे।

6. जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी चतरा समाचार पत्रों के माध्यम से शिविर आयोजन का वृहत प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित करेगें ।
7. अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमरिया शिविर के नोडल पदाधिकारी रहेगें ।

उपायुक्त,
चतरा

PR 360571 Chatra (25-26)_D

भारत पर टैरिफ लगा कर घर में ही घिरे ट्रंप

पूर्व उपराष्ट्रपति ने भी खूब सुनाया : हर तरफ से मिल रही आलोचना

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत पर मोटा टैरिफ लगा कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिकी संबंधों को भी ताक पर रख दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल की खरीद कर यूक्रेन युद्ध में रूस की आर्थिक मदद का आरोप लगाते हुए भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। वहीं अमेरिकी दल ने भारत के साथ व्यापार समझौते को लेकर चल रही बातचीत के अगले दौर को भी स्थगित कर दिया है। इन नीतियों की वजह से अब ट्रंप को घर में ही विरोध का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी राजनेताओं और विशेषज्ञों ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों और भारत पर लगाये गये शुल्कों की कड़ी आलोचना की है। बुधवार से भारत कर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू होने के बाद कई अमेरिकी सांसदों, राजनयिकों और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह कदम अमेरिका की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारियों में से एक को नुकसान पहुंचा सकता है। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के डेमोक्रेट सदस्य ने कहा है कि अमेरिका के इस कदम से चीन को फायदा मिल सकता है। एक पोस्ट में समिति ने आरोप लगाया कि सिर्फ भारत को निशाना बनाया जाना बिल्कुल सही नहीं है। पोस्ट में उन्होंने लिखा, टैरिफ के साथ सिर्फ भारत पर ध्यान केंद्रित करने का ट्रंप का फैसला अमेरिकियों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस प्रक्रिया में अमेरिका-भारत संबंध खराब हो रहे हैं। पोस्ट में आगे कहा गया, अगर ट्रंप प्रशासन रूसी तेल खरीदने वाले हर देश पर अतिरिक्त प्रतिबंधों की धमकी का विकल्प चुनता, तो बात अलग होती। लेकिन सिर्फ भारत पर ध्यान केंद्रित करने के फैसले का नतीजा शायद सबसे भ्रामक नीतिगत फैसला है। रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक, चीन अभी भी रियायती दामों पर तेल खरीद रहा है और अब तक उसे ऐसी सजा नहीं दी गयी है।

रिपब्लिकन पार्टी से भी मिल रही आलोचना

वहीं ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कुछ नेताओं ने भी ट्रंप की नीतियों पर सवाल उठाये हैं। पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत और विदेश मंत्री पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने हाल ही में कहा है कि व्यापार को लेकर भारत के साथ संबंधों को कमजोर करना एक रणनीतिक आपदा होगी, जिससे चीन का मुकाबला करने की अमेरिका की क्षमता कमजोर होगी। ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन ने टैरिफ को एक गलती करार दिया है और चेतावनी दी है कि इससे भारत चीन और रूस के करीब जा सकता है।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने भी सुनाया : वहीं अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने भी ट्रंप की नीति की आलोचना की है। पेंस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी कंपनियां और अमेरिकी उपभोक्ता अमेरिकी टैरिफ की कीमत चुका रहे हैं। पेंस ने एक लेख भी शेयर किया, जिसमें बताया गया था कि कैसे फोर्ड ने अपनी ज्यादातर गाड़ियां अमेरिका में बनायीं। इसके बावजूद सिर्फ तीन महीनों में 80 करोड़ डॉलर का टैरिफ चुकाया। अमेरिका के पूर्व उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने अमेरिका और भारत की साझेदारी को 21वीं सदी में अमेरिका का सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता बताया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप के आगे घुटने नहीं टेकने चाहिए। भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत केनेथ जस्टर ने भी इन चिंताओं को दोहराया और कहा कि अचानक टैरिफ की घोषणा एक कूटनीतिक झटका है, जिससे अमेरिका का ही नुकसान होगा।

गुरेज सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश करते दो आतंकी ढेर

आजाद सिपाही संवाददाता

बांदीपोरा। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे गुरेज सेक्टर के नौशेरा में गुरुवार तड़के भारतीय सेना ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को मार कर आतंकियों की एक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम बना दिया गया। सेना के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एलओसी पर नौशेरा सेक्टर में जम्मू कश्मीर पुलिस को एक घुसपैठ का इनपुट बरामद हुआ। इसके बाद सेना के जवानों ने जम्मू कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के जवानों के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान दल को आतंकवादियों की मूवमेंट देखने को मिली और उन्होंने आतंकवादियों को ललकारा, लेकिन उन्होंने जवानों के दल पर फायरिंग कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई की गयी और मुठभेड़ शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता हासिल हुई। बता दें कि इससे पूर्व उत्तरी कश्मीर के सीमांत जिले बारामुला के उरी सेक्टर में 25 अगस्त को सतर्क जवानों ने एलओसी के करीब आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया गया। उरी सेक्टर के टोरना क्षेत्र में एलओसी के पास सेना के जवानों को संदिग्ध हरकत देखने को मिली। इस दौरान जवानों ने उन्हें ललकारा, लेकिन इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कुछ देर फायरिंग हुई, जिसके बाद इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया।

चिनार कोर ने शहीद सैनिक को दी श्रद्धांजलि

सेना ने गुरुवार को बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक सैनिक कर्तव्य निभाते हुए शहीद हो गया। चिनार कोर ने एक्स पर किये गये पोस्ट में कहा, चिनार कोर कुपवाड़ा जिले में ऑपरेशनल ड्यूटी निभाते हुए बहादुर हवलदार इकबाल अली के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है। उनका साहस और समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा। सेना ने कहा कि चिनार वॉरियर्स इस बहादुर हवलदार की वीरता और बलिदान को सलाम करते हैं।

भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में देरी के सवाल पर बोले संघ प्रमुख

हम तय करते तो इतना समय नहीं लगता: भागवत

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष के चयन में देरी पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कोई सीधा जवाब नहीं दिया, बल्कि चुटकी लेते हुए कहा कि अपना समय लें, हमें कुछ कहने की जरूरत नहीं है। यही नहीं, इसमें संघ की भूमिका के बारे में पूछा गया, तो उस पर भी उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा कि हम फैसला नहीं करते। अगर हमें फैसला करना होता, तो इतना समय लग जाता। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरएसएस का भाजपा के आंतरिक मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। संघ प्रमुख गुरुवार को मीडिया से बात कर रहे थे। मोहन भागवत ने कहा कि मैं शाखाओं के संचालन में निपुण हूं, भाजपा सरकार चलाने में निपुण है। हम एक-दूसरे को सिर्फ सुझाव दे सकते हैं। भाजपा के साथ मतभेद को लेकर उन्होंने कहा कि कहीं कोई झगड़ा नहीं, लेकिन सभी मुद्दों पर एकमत होना संभव नहीं। हम हमेशा एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। भागवत ने कहा कि सिर्फ मौजूदा सरकार के साथ ही नहीं, हमारा हर सरकार के साथ अच्छा समन्वय रहा है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि हम भाजपा के अलावा दूसरे लोगों का भी साथ देने के लिए तैयार हैं।

मोहन भागवत ने कहा कि अगर किसी को अच्छे काम करने में हमारी मदद की जरूरत हो, तो हम सिर्फ भाजपा की ही नहीं, बल्कि सभी की मदद करते हैं। इस दौरान उन्होंने 130वें संविधान संशोधन का भी समर्थन किया, जिसमें पीएम, सीएम या किसी मंत्री के गंभीर आरोपों में 30 दिन तक जेल में रहने पर पद छिनने का प्रावधान है। मोहन भागवत ने कहा कि अपराधियों को सरकार में शामिल होने से रोकने वाले नये विधेयक पर निर्णय के लिए संसद सही मंच है। मैं स्वच्छ और पारदर्शी नेतृत्व का पक्षधर हूं। उन्होंने समाज के लिए आरएसएस की भूमिका पर भी जिक्र किया।

मोहन भागवत ने कहा कि 1948 में हाथ में जलती मशाल लेकर जयप्रकाश बाबू संघ कार्यालय जलाने के लिए चले थे, लेकिन इमरजेंसी के बाद संघ के शिक्षा वर्ग में आकर उन्होंने ही कहा था कि परिवर्तन की आशा आप लोगों से ही है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हमने हमेशा समाज के लिए काम किया है और इसमें कभी कोई भेद नहीं रखा।

पंजाब के सात जिलों में बाढ़, सेना पहुंची

जम्मू में बाढ़ में फंसे 27 जवान, 10 घंटे में रेस्क्यू, हिमाचल के चंबा में घरों में मलबा घुसा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पंजाब में बारिश के कारण 7 जिले और 150 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। रावी-ब्यास और सतलुज नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। राज्य में 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद हैं। राज्य के अजनाला में सेना की एम्फीबियस गाड़ियों से लोगों को निकाला जा रहा है। इनकी विशेषता है कि ये जमीन और पानी दोनों पर चलने में सक्षम हैं।

जम्मू-कश्मीर में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 41 लोगों की मौत हो गई। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर की टीम ने 10 घंटे में जम्मू के जौरियन में फंसे 27 जवानों को बचाया।

हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण जनजीवन बेहाल है। बुधवार रात कई जगह भारी बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई है। राज्य के 3 जिलों में 2000 से ज्यादा टूरिस्ट फंसे हैं। चंबा में घरों में मलबा घुस गया है। राज्य में बाढ़ और बारिश की घटनाओं में अब तक 310 लोगों की मौत हो चुकी है। 369 लोग घायल हैं और 38 लापता हैं। 1240 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। इनमें 331 घर पूरी तरह से टूट चुके हैं।

बता दें कि बीते 26 अगस्त को चिनाब नदी में आयी बाढ़ के कारण जम्मू-कश्मीर का पूरा परागवाल इलाका पानी में डूब गया था। बीएसएफ ने 14 नागरिकों को बाढ़ प्रभावित एरिया से निकाल कर इलाज के लिए जम्मू भेजा।

बिहार में एनडीए गठबंधन की सीट शेयरिंग हुई तय

जदयू 102, भाजपा 101 और चिराग की पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, हम-रालोमो को 10-10 सीटें

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार में एनडीए गठबंधन की सीट शेयरिंग को लेकर तस्वीर लगभग साफ हो गयी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे के बाद विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों को लेकर गठबंधन दलों के बीच अंतिम सहमति बन गयी है। सूत्रों के मुताबिक जनता दल यूनाइटेड 102 और भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 20, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा के राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 10-10 सीटें मिली हैं। फिलहाल सीटों के बंटवारे को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है। संभावना जतायी जा रही है कि एनडीए जल्द ही प्रेस कांफ्रेंस कर सकता है। हालांकि कौन सी पार्टी किन सीटों पर लड़ेगी, इस पर मंथन चल रहा है। इस दौरान जदयू और भाजपा में एक-दो सीटों का अंतर हो सकता है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 110 सीटों पर लड़ी थी और उसे 74 पर जीत मिली थी। वहीं जदयू 115 सीटों पर लड़ा था और 43 सीटों पर जीता था।

राहुल ने शुरू किया पीएम का अपमान बिहार की जनता देगी जवाब : भाजपा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भाजपा ने आरोप लगाया है कि दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए जिस अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है, उसकी शुरुआत स्वयं राहुल गांधी ने की थी। पार्टी ने कहा है कि संसद के मानसून सत्र से लेकर बिहार में वोट अधिकार के दौरान कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों का उपयोग किया गया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि ऐसा करने में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने ही अगुवाई की। पार्टी ने कहा कि बिहार की जनता कांग्रेस-राजद को इसका जवाब देगी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को कहा कि राहुल गांधी ने मणिशंकर अय्यर का खाली स्थान भरने की कोशिश की है। पहले अय्यर ने इसी तरह अभद्र भाषा का उपयोग कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके परिवार को अपमानित करने का काम किया था। अब कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी स्वयं उसी भाषा का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज महात्मा गांधी वाली पार्टी नहीं है। वह अभद्र शब्दों का उपयोग कर अपने राजनीतिक विरोध को निम्नतम स्तर पर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने भारत की राजनीति को निचले स्तर पर ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिसे 'मोहब्बत की दुकान' बताया था, उसमें 'नफरत' बेची जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में यह 'मोहब्बत की दुकान' बंद होगी।

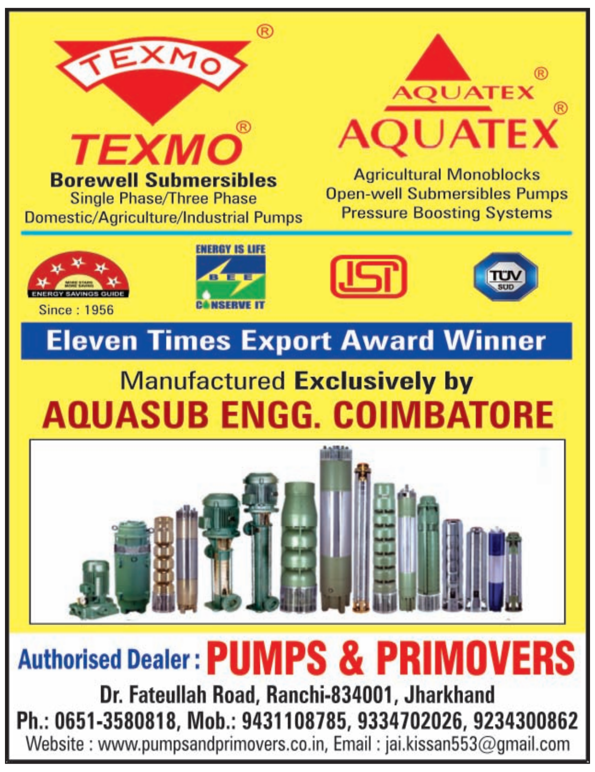

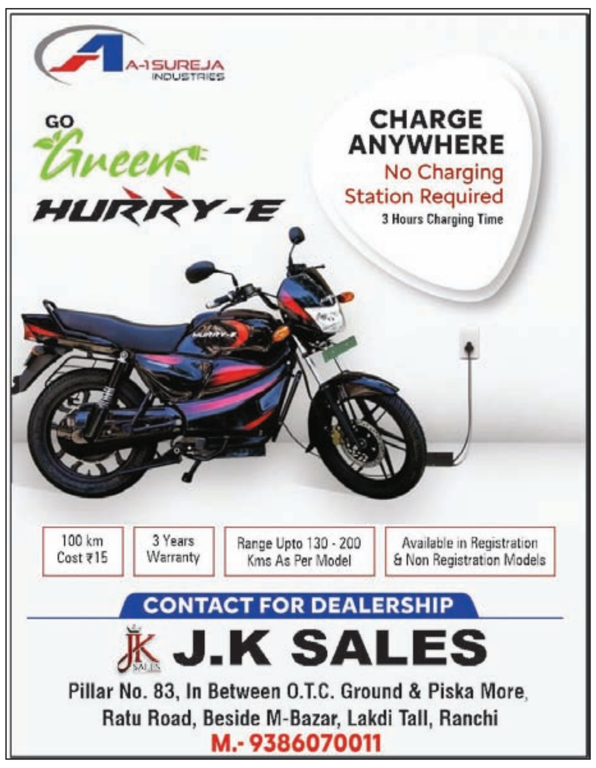

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**